नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 204 | नई दिल्ली, मंगलवार 22 अक्टूबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही शमिता... पेज-12

एक नजर

प्रियंका गांधी वायनाड से बुधवार को करेंगी नामांकन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए बुधवार 23 अक्टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्रीमती वाड्रा के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। श्रीमती वाड्रा वायनाड संसदीय सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की उम्मीदवार हैं। कांग्रेस नेत्री बुधवार को कलपेट्टा में चुनाव अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल करेंगी। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले वह श्री राहुल गांधी के साथ सुबह 11 बजे कलपेट्टा न्यू बस स्टैंड से रोड शो करेंगी और 12 बजे समर्थकों के साथ जिला कलक्टर के समक्ष नामांकन दाखिल करेंगी।

मुर्मु छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर 25 अक्टूबर को पहुंचेंगी रायपुर

रायपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर 25 अक्टूबर को रायपुर आएंगी तथा एम्स, आईआईटी व एनआईटी के दीक्षांत समारोहों समेत विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगी। श्रीमती मुर्मु के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम के अनुसार 25 अक्टूबर (पहला दिन) सुबह 11 बजे राष्ट्रपति का रायपुर एयरपोर्ट पर आगमन होगा। सुबह 11:30 बजे रायपुर एम्स के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। अपराह्न एक बजे एम्स से रवाना होकर राजभवन पहुंचेंगी। वह अपराह्न तीन बजे एनआईटी रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगी। श्रीमती मुर्मु उसी दिन शाम 4:30 बजे नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में स्थानीय आदिवासियों से मुलाकात करेंगी तथा शाम छह बजे राजभवन लौटेंगी और रात्रि विश्राम करेंगी।

निर्वाचन आयोग ने अजय कुमार सिंह को झारखंड का नया डीजीपी नियुक्त किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने झारखंड कैडर के वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को सोमवार को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सिंह की नियुक्ति निर्वाचन आयोग द्वारा अनुराग गुप्ता को झारखंड के कार्यवाहक डीजीपी पद से हटाए जाने के कुछ दिन बाद की गई है। सिंह 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी (आईपीएस) हैं। उन्हें तीन आईपीएस अधिकारियों के पैनल में से चुना गया, जिनके नामों की सिफारिश राज्य सरकार ने की थी। पिछले चुनावों में चुनाव-संबंधी कदाचार में संलिप्तता के आरोपों के कारण निर्वाचन आयोग ने कार्यवाहक डीजीपी अनुराग गुप्ता को शनिवार को उनके पद से हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद राज्य सरकार ने ये तीन नाम भेजे थे। झारखंड में विधानसभा चुनाव के तहत 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा।

एलएसी पर लौटी 4 साल पुरानी स्थिति

विदेश मंत्री ने बताया- चीन और भारत में बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गतिरोध समाप्त करने की दिशा में सहमति बन गई। यह समझौता दोनों सेनाओं के बीच गश्त को लेकर है। इसे पूर्वी लद्दाख में लगभग चार वर्षों से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस तरह भारत और चीन के बीच एलएसी में 2020 से पहले की स्थिति कायम हो गई है। 2020 में गलवान घाटी पर भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने आ गईं थी। संघर्ष में दोनों तरफ से सैनिकों की जान गई थी।

एएनआई ने एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में जयशंकर के हवाले से कहा, "विदेश सचिव ने जो कहा है, वही मैं भी कह रहा हूं कि हम गश्त को लेकर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही हम 2020 की स्थिति में वापस आ गए हैं। ये पूर्वी लद्दाख में ऐसे क्षेत्र हैं जो 2020 के

बाद विभिन्न कारणों से तनाव पैदा कर रहे थे। पहले उन्होंने हमें रोका, इसलिए हमने उन्हें रोका। यह समझौता बहुत ही धैर्य और कूटनीति का परिणाम है।"

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और चीन की सेनाओं के बीच एलएसी को लेकर बनी सहमति पर कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति मई 2020 से पहले जैसी हो गई है। इस सहमति को हम दोनों देश काफी पॉजिटिव रूप से देख रहे हैं। अब देखना है कि भविष्य में यह स्थिति बनी रहती है या नहीं। इससे पहले भारत ने कहा था कि चीन के साथ नई दिल्ली के संबंध तभी सामान्य होंगे जब वास्तविक सीमा पर स्थिति 2020 जैसी हो जाएगी।

जयशंकर ने कहा कि लद्दाख में कुछ ऐसे क्षेत्र थे, जिन्हें 2020 के बाद दोनों पक्षों ने गश्त के लिए अवरुद्ध कर दिया था। दोनों देश अब एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसमें गश्त की अनुमति शामिल है। यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत और चीन के राजनयिक एवं सैन्य वातार्कार पिछले कई हफ्तों से विभिन्न मंचों पर एक-दूसरे के करीबी संपर्क में रहे हैं।

भारत-चीन के बीच क्या रूस ने कराई बॉर्डर डील?

भारत और चीन के बीच सोमवार को एक समझौते पर सहमति हुई. जिसके तहत भारत और चीन छअउ से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाने को तैयार हो गए हैं. इसके साथ एलएसी पर दोबारा पेट्रोलिंग को लेकर भी एग्रीमेंट हुआ है. विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने इंडिया-चीन बॉर्डर एग्रीमेंट की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों देश मिलिट्री डिसएंगेजमेंट करेंगे और अब 2020 से पहले वाली स्थिति में जा रहे हैं. 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी. जिसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार था. रिपोर्ट के मुताबिक नई डील के बाद भारत और चीन के सैनिक देपसांग और डेमचोक पॉइंट से पीछे हटेंगे और दोबारा पेट्रोलिंग शुरू करेंगे.

कितनी बड़ी और अहम है ये डील

मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (टढ-कऊरअ) के सीनियर रिसर्च एसोसिएट डॉ. राजीव नयन ँल्ल्र.ल्लिी६२१८ॗ्रें से बातचीत में कहते हैं कि 2020 के बाद से इंडिया-चाइना के बीच जिस तरीके का स्टैंडऑफ था, उसमें यह बहुत बड़ा डेवलपमेंट है. भारत किसी भी तरीके से चीन के दबाव में नहीं आया. उसकी घुड़की को नजरअंदाज करते हुए एग्रेसिवली रिस्पांस किया. गलवान में जिस तरीके की चीजें हुई थीं, उसके बाद इंडिया ने रेजिस्टेंस दिखाया और साफ-साफ कहा कि चीन जिस तरीके से अपना बॉर्डर शो करता है या नक्शा दिखाता है, उसको हम नहीं मानते हैं.

गलवान घाटी में क्या हुआ था

अप्रैल-मई 2020 में एलएसी पर बीजिंग के आक्रामक रुख के कारण भारत और चीन के रिश्ते खराब हो गए थे। 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी आक्रमण को विफल करने के दौरान 20 भारतीय सैनिक अपनी ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। हाथापाई में भी कई चीनी सैनिक मारे गए। पिछले चार वर्षों में दोनों देशों के बीच कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य स्तर की वार्ता हो चुकी है।

कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवार किये घोषित

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी कर दी जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ अजय कुमार को जमशेदपुर पूर्व से चुनाव मैदान में उतरा गया है।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए आज देर रात बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन उम्मीदवारों के नाम तय किए गए हैं।

सूची इस प्रकार है : डॉ इरफान अंसारी को जामताड़ा, बादल पत्रलेख को जामुंडी, प्रदीप यादव को पोरेयाहट, श्रीमती दीपिका पांडे को महागामा, सुश्री अंबा प्रसाद साहू को बरकगांव, श्रीमती ममता देवी को रामगढ़, जयप्रकाश पटेल को मांडू, मुन्ना सिंह को हजारीबाग, कुमार जय मंगल को बेरमो, श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह को झनिया, जलेश्वर महतो को बाघमारा, डॉ अजय कुमार जमशेदपुर पूर्वी, बन्ना गुप्ता जमशेदपुर पश्चिमी, सोना राम सिंह को जगन्नाथपुर सुरक्षित, राजेश कछप खिजरी एसटी, अजय नाथ सहदेव हतिया, श्रीमती शिल्पी नेहा टिर्की को मंदार एसटी, भूषण बारा समडेगा एसटी, नमन विकास कोंगारी कोलेबिरा एसटी, रामेश्वर उरांव लोहरडगा एसटी तथा रामचंद्र सिंह को माणिक एसटी से टिकट दिया गया है।

हरियाणा सरकार में विभागों का बंटवारा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास गृह-वित्त समेत कई मंत्रालय

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिल्ली से लौटकर आने के बाद रविवार रात को सरकार ने मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गृह, वित्त, सीआइडी, योजना एवं आबकारी समेत 12 विभागों का कामकाज अपने पास रखा है। पिछली सरकार में सीआइडी को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिस कारण इस बार इसे अलग विभागा के रूप में मानते हुए मुख्यमंत्री ने अपने पास ही रखा है।

अनिल विज होंगे बिजली व परिवहन मंत्री

पोर्टफोलियो में दूसरे स्थान पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज को प्रदेश सरकार ने बिजली व परिवहन समेत तीन विभागों की जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि विपुल गोयल को शहरी निकाय तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग प्रदान किए हैं।

कृष्ण लाल पंवार को विकास एवं पंचायत तथा राव नरबीर को उद्योग एवं पर्यावरण विभागों का कामकाज सौंपा गया है। हरियाणा सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक महिपाल सिंह ढांडा को शिक्षा विभाग तथा डा. अरविंद शर्मा को सहकारिता विभाग दिए गए हैं।

श्याम सिंह राणा के हवाले कृषि विभाग

श्याम सिंह राणा को कृषि विभाग तथा रणबीर सिंह गंगवा को पीडब्ल्यूडी विभागों का कामकाज सौंपा गया है। कृष्ण कुमार बेदी समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा श्रुति चौधरी सिंचाई एवं महिला व बाल विकास विभाग का काम संभालेंगे। आरती राव राज्य की स्वास्थ्य मंत्री होंगी, जबकि राज्य मंत्री स्वतंत्रत प्रभार राजेश नागर को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा गौरव गौतम को युवा एवं खेल विभागों का कामकाज सौंपा गया है।

जारी की गई अधिसूचना

राज्य के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने रविवार देर रात को मुख्यमंत्री नायब सैनी, 11 कैबिनेट मंत्रियों व दो राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) को मंत्रालयों के आवंटन की अधिसूचना जारी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह वह सभी विभाग अपने पास रखेंगे, जो कि पोर्टफोलियों में मंत्रियों को आवंटित नहीं किए गए हैं। अनिल विज, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, आरती राव और कृष्ण कुमार बेदी को सरकार ने तीन-तीन विभागों की जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि राव नरबीर, महिपाल ढांडा और डा. अरविंद शर्मा को चार-चार विभागों का कामकाज सौंपा गया है। श्रुति चौधरी, कृष्ण लाल पंवार और रणबीर गंगवा को दो-दो विभागों का कामकाज सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के पास ये सभी विभाग

1. गृह
2. वित्त, संस्थागत वित्त एवं मुद्रा नियंत्रण
3. योजना
4. आबकारी एवं कराधन
5. टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एवं शहरी संपदा
6. सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं सांस्कृतिक विभाग
7. न्याय प्रशासन
8. समान्य प्रशासन
9. सबके लिए आवास
10. सीआइडी
11. कार्मिक एवं प्रशिक्षण
12. कानून एवं विधायी
13. वह सभी विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं।

इजरायल में तैनात हुआ थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम

अमरीकी रक्षामंत्री का ऐलान, अब हमला हम करेंगे नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को बताया है कि उनकी सेना ने अपनी उन्नत मिसाइल रोधी प्रणाली THAAD को इजरायल भेजा था और अब यह वहां 'स्थापित' हो गई है। थाड यानी टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम अमेरिका के एयर डिफेंस सिस्टम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ईरान के तनातनी के बीच अमेरिका ने इस सिस्टम को इजरायल में तैनात किया है। इसके बाद माना जा रहा है कि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से ईरान पर हमले का फैसला ले सकते हैं। ईरान के एक अक्टूबर को इजरायल पर किए गए मिसाइल हमले के बाद नेतन्याहू ने लगातार पलटवार की कसम खाई है।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्टिन ने सोमवार को यूक्रेन पहुंचने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि थाड प्रणाली अब इजरायल में स्थापित हो गई है। इजरायली सेना के ईरान पर हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि इजरायल का हमला कैसा होगा। यह इजरायल का फैसला है। हम दोनों देशों में तनाव कम करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका को उम्मीद है कि दोनों पक्ष तनाव कम करने के लिए काम करना शुरू करेंगे।

क्यों खास है थाड सिस्टम

थाड एक एंटी-मिसाइल सिस्टम है। इसमें छोटी, मध्यम और कुछ हद तक लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में मार गिराने की क्षमता है। इजरायल पर हाल ही में ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। दोनों देशों में तनाव को देखते हुए अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम थाड को इजरायल को दिया है। थाड की तैनाती का मकसद इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस सिस्टम की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक थाड बैटरी की लागत करीब एक अरब डॉलर है। अमेरिकी सेना भी इसे खास मोर्चों पर ही तैनात करती रही है।

ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला की हत्या के बाद करीब 180 मिसाइल इजरायल पर दागी थी। ईरान के इन मिसाइल हमलों के बाद इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि वह ईरान पर घातक हमले के जरिए जवाब देंगे। इजरायल की धमकियों के बाद ईरान ने कहा है कि अगर उनकी जमीन पर हमला हुआ तो फिर वह और ज्यादा बड़ा हमला करेगा। ऐसे में इजरायल पर भी एक नए मिसाइल हमले का खतरा मंडरा रहा है, जिससे थाड उसे बचा सकता है।

हमला हुआ तो छोड़ेंगे नहीं, ईरान ने दे डाली इजरायल को वॉर्निंग

ईरान ने इजरायल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर हमला हुआ तो हम भी छोड़ेंगे नहीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहाकि ईरान के खिलाफ किसी भी इजरायली हमले का मतलब खतरे की रेखा पार करना होगा और इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। अरागची ने तुर्की प्रसारक 'एनटीवी' को बताया कि ईरान पर किसी भी हमले का मतलब हमारे लिए लाल रेखा को पार करना है। हम ऐसे हमले का जवाब जरूर देंगे। ईरान की परमाणु सुविधाओं या किसी भी तरह के हमले पर प्रतिक्रिया दी जाएगी। गौरतलब है कि अमेरिका से लीक हुए कुछ डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इजरायल ईरान पर हमले की तैयारी में जुटा हुआ है। ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने इस दौरान इजरायल पर किए गए हमले का भी जिक्र किया।<

भारत के भविष्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पास स्पष्ट योजना है : कैमरुन

नई दिल्ली,एजेंसी। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरुन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास प्रौद्योगिकी तथ भारत के भविष्य को लेकर स्पष्ट योजना है और उनका तीसरा कार्यकाल यह दशार्ता है कि वह लगातार वास्तविक परिवर्तन लाने में सक्षम हैं। 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' में कैमरुन ने कहा कि आर्थिक विकास को गति देने, बुनियादी ढांचे में सुधार और देश के भविष्य के लिए एक स्पष्ट योजना का होना बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, "जब आप राजनीति में होते हैं कि तो सब की निगाहें आप पर टिकी रहती हैं। अगर आपके पास इस बारे में कोई स्पष्ट योजना नहीं है कि आप क्या करना चाहते हैं, तो आप लगातार अल्पकालिक समस्याओं और कठिनाइयों से विचलित होते रहते हैं। इससे पहले शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का अपना दृष्टिकोण साझा किया और अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 125 दिन के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया।

कैमरुन ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के भाषण को सुनकर अच्छा लगा। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में जोश के उसी स्तर को बनाए रखना वास्तव में प्रभावित करने वाला है।" उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में टोनी ब्लेयर और मार्गरेट थैचर के बाद से कोई भी प्रधानमंत्री तीन कार्यकाल तक नहीं रहा है।

उन्होंने कहा, "यह बहुत प्रभावित करने वाला है क्योंकि इसका मतलब है कि आपमें वास्तविक बदलाव लाने, बेहतर तरीके से वास्तविक चीजों को अंजाम देने की क्षमता है, जो हम भारत में होते हुए देख रहे हैं।"

कैमरुन ने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेताओं के पास भविष्य के लिए स्पष्ट योजना होनी चाहिए। कैमरुन ने कहा, "आपके पास जितनी अधिक योजना होगी, शोर कम होते ही आप उतनी ही जल्दी उस पर वापस आ सकेंगे।

'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' के दौरान कैमरुन ने कहा कि भारत की इतनी साख है कि वह यूक्रेन एवं रूस के बीच मौजूदा संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को राजधानी में वाहन प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान की शुरूआत की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से "दिल्ली के लोगों से बदला नहीं लेने" का आग्रह किया है। दिल्ली के आईटीओ चौराहे से शुरू हुए इस अभियान में स्वयंसेवक "युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध" जैसे प्रेरक संदेशों वाली तख्तियां थामे रहे और उन्होंने नागरिकों से उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए आग्रह किया कि जब भी वे लाल बत्ती पर इंतजार करें तो उस समय अपने वाहनों के इंजन बंद कर दें। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मंत्री ने आटोरिक्शा चालकों को गुलाब के फूल भी वितरित किए। पत्रकारों से वार्ता करते हुए राय ने बढ़ते प्रदूषण स्तर, खासकर सर्दियों के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण, पर चिंता जताई और शीघ्र प्रदूषण नियंत्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली के लोगों को न केवल शहर के भीतर बल्कि पड़ोसी राज्यों से होने वाले प्रदूषण का भी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। सर्दियों के करीब आने के साथ ही प्रदूषण के स्तर में और वृद्धि होने

के आसार हैं।" उन्होंने कहा कि दिल्ली ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण और धूल को कम करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों को पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि पंजाब में जहां दो साल पहले आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के सत्ता में आ जाने के बाद से अब पराली जलाने की घटनाओं में कमी देखी गई है, वहीं हरियाणा और उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटनाएं बढ़ गई हैं। राय ने कहा, "मैं उत्तर प्रदेश और हरियाणा की भाजपा नीत सरकारों से अनुरोध करता हूं कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने और पराली जलाने में कमी लाने के लिए अपने प्रयास तेज करें।" उन्होंने भाजपा से अग्रह किया कि वह "हमारे साथ मिलकर काम करे तथा दिल्ली के लोगों से राजनीतिक बदला नहीं ले।" राय ने कहा कि दिल्ली में सभी बसें संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) से चलती हैं, लेकिन आनंद विहार बस अड्डे पर उत्तर प्रदेश सरकार की बसें हैं जो सीएनजी से नहीं चलती हैं। राय ने कहा कि दिल्ली सरकार धूल विरोधी अभियान भी संचालित कर रही है। उन्होंने कहा, "सभी स्रोतों से प्रदूषण को कम करना आवश्यक है और आज हम वाहनों से उत्सर्जन को कम करने के लिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू कर रहे हैं।" राय ने कहा, "मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे प्रदूषण नियंत्रण में मदद के लिए लाल बत्ती पर अपने वाहनों के इंजन बंद कर दें।"

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने की राज्य के सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली के आगामी त्योहारों की सीरीज में चाँदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में बाजारों एवं रिहायशी क्षेत्रों में सुरक्षा, सफाई एवं अतिक्रमण के मुद्दों को लेकर सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने राज्य के सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें दिल्ली पुलिस मध्य जिला, उत्तरी जिला एवं उत्तर पश्चिम जिला, डीसीपी ट्रैफिक, नगर निगम के सिटी जोन, सिविल लाइन जोन तथा केशवपुरम जोन, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी), उत्तरी दिल्ली पावर लिमिटेड (एनडीपीएल) और बीएसईएस सहित अन्य सरकारी विभाग के करीब 80 से ज्यादा सीनियर अधिकारी मौजूद रहें। सांसद ने कई मुद्दों पर की चर्चा इस दौरान सांसद खंडेलवाल ने बताया की बैठक में चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में अतिक्रमण, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, सीवरेज और पुलिस सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें आगामी दिवाली उत्सव की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार चांदनी चौक,खारी बावली, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, कमला नगर, अशोक विहार, मॉडल टाउन, शालीमार बाग एवं पीतमपुरा सहित विभिन्न इलाकों के बाजारों में कल से अतिक्रमण एवं सफाई व्यवस्था को लेकर सभी विभाग आपस में समन्वय करते हुए तुरंत एक विशेष अभियान चला कर सभी क्षेत्रों को साफ रखेंगे। सुरक्षा और अतिक्रमण दिए ये सुझाव वहीं सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पुलिस विभाग तुरंत मार्केट एसोसिएशनों के साथ संपर्क करते हुए सभी बाजारों की सुरक्षा को मजबूत करें। इस संबंध में कल शाम 5 बजे खंडेलवाल डीसीपी नार्थ एवं नगर निगम की शहरी क्षेत्र की उपायुक्त सहित अन्य विभागों के अफसरों के साथ लाल किले से बारा टूटी चौक तक एक राउंड भी रखेंगे। अतिक्रमण को लेकर खंडेलवाल ने कहा कि एमसीडी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली पुलिस एवं अन्य विभागों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास से सड़कों, फुटपाथों और बाजारों में अतिक्रमण की पहचान कर उसको दूर किया जाए।

आधा दर्जन बदमाशों ने लूट के विरोध पर जमकर पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीलमपुर इलाके में शनिवार को युवक से लूट व विरोध करने पर जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। वारदात को अचानक आए आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया है। पीड़ित की पहचान 21 वर्षीय सौरभ के रूप में हुई है। उन्होंने मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। मली जानकारी के अनुसार, पीड़ित सौरभ सीलमपुर इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में माता-पिता, बड़ा भाई व अन्य हैं। सौरभ के बड़े भाई विक्रांत ने बताया कि उनका भाई सौरभ रैपिडो ऐप से जुड़कर बाइक चलाने का काम करता है। शनिवार रात वह खाना खाने के बाद टहलने निकले थे। करीब 10.30 बजे अचानक आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और पीड़ित को पकड़कर उनकी जेब से करीब 900 रुपये लूट लिए। इसके बाद आरोपी पीड़ित से उनके बाइक की चाभी व मोबाइल फोन भी मांगने लगे। पीड़ित ने देने से मना किया और उनका विरोध किया तो आरोपियों ने मिलकर पीड़ित को जमकर पीट दिया। बुरी तरह पिटाई के बाद स्थानीय लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद मामले की सूचना पीड़ित के बड़े भाई विक्रांत को मिली। उन्होंने तत्काल पुलिस को मामले की सूचना दी और पीड़ित को एलबीएस अस्पताल पहुंचाया। वहां से पीड़ित को जीटीबी और जीटीबी से एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां उनका उपचार किया गया। पुलिस पीड़ित के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

टेलीग्राम ऐप पर जस्टिस लीग इंडियाने ली ब्लास्ट की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिले के प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार को हुए ब्लास्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम से एक ग्रुप के संबंध में जानकारी मांगी है। दरअसल, रविवार को हुए ब्लास्ट के बाद टेलीग्राम ऐप पर जस्टिस लीग इंडिया नामक एक ग्रुप ने जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि ये काम खालिस्तानी संगठन का है और भारत के लिए चेतावनी है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने अभी ये पुष्टि नहीं की है कि इस धमाके में खालिस्तानी एंगल है या नहीं।

इस ग्रुप ने टेलीग्राम पर विस्फोट की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी डाला है। विस्फोट की घटना के बाद सोमवार सुबह सीआरपीएफ की एक टीम मौके पर पहुंचीं और कुछ देर तक जांच के बाद वहां से चली गई। जिस जगह ब्लास्ट हुआ वह जमीन सीआरपीएफ की है और वहां स्कूल चलता है। सोमवार को स्कूल सामान्य दिनों की तरह खुला। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी का कहना है कि सभी एजेंसियों के एक्सपर्ट नमूने को अपने साथ लेकर गए हैं, जिनकी वह अपनी-अपनी लैब में विस्तृत जांच करेंगे। इसके बाद ही इस्तेमाल किए गए केमिकल व विस्फोटक के बारे में सही पता चल पाएगा। जांच एजेंसियों का कहना है कि धमाके में काफी केमिकल का इस्तेमाल किया गया। यह देशी यानी क्रूड बम जैसा भी नहीं लग रहा है। अभी इस विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच एजेंसी में शामिल एनडीआरएफ को इसलिए मौके पर बुलाया गया था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कही मौके पर रिडियोएक्टिव पदार्थ तो मौजूद नहीं था। हालांकि जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला। एजेंसियों का मानना है कि हो सकता है कि त्योहारों पर दहशत फैलाने के लिए किसी ने इस तरह की हरकत की हो। धमाके की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ देखा गया कि सुबह 7:02 बजे स्कूल के सामने वाली सड़कों से लोग अपने वाहनों से आवाजाही कर रहे हैं।

तभी स्कूल की साथ चिंगारी उठी और दो-तीन सेकेंड में जोर का धमाका हुआ।

इसके बाद हर तरफ धुआं ही धुआं हो गया। इन चीजों का हुआ इस्तेमाल घटना के बाद रविवार शाम को प्रशांत विहार पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। अब इस मामले को स्पेशल सेल या एनआईए में ट्रांसफर किया जा सकता है। जांच में ब्लास्ट में फिलहाल नाइट्रेट व क्लोराइड का इस्तेमाल किए जाने का पता चला है, जिसे उच्च श्रेणी विस्फोटक में नहीं माना जाता है।

सात माह में एक कर्मचारी को दो बार लूटने वाले पांच आरोपी धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सात माह के दौरान एक निजी कंपनी में पैसे का कलेक्शन करने वाले शख्स से दो बार लूटपाट करने वाले पांच आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मास्टरमाइंड चंदन सिंह, आसिफ, आमिर, हरि सिंह नागर और संजय अनुरागी शामिल हैं। कापसहेड़ा थाना पुलिस और एएटीएस की संयुक्त टीम ने इनके पास से 60.20 लाख रुपये नगद, एक स्कूटी, बाइक, पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि 16 अक्तूबर को एक निजी कंपनी में सुपर डिस्ट्रीब्यूटर के पद पर काम करने वाले भागवत प्रसाद ने पुलिस को लूट की सूचना दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह डूंडाहेड़ा, गुरुग्राम और कापसहेड़ा सहित दिल्ली के कई छोटे और बड़े विक्रेताओं से 62 लाख रुपये लेकर स्कूटी से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान समालखा के पास एक बाइक पर सवार तीन लोगों ने उसे जबरन रोका। इसके बाद पैसों से भरा बैग और स्कूटी लूट कर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि बैग में एक लाख रुपये जबकि स्कूटी की डिक्की में 61 लाख रुपये थे। इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल से लगभग 15 किलोमीटर के दायरे में लगे सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इससे पता चला कि आरोपी पीड़ित की स्कूटी लेकर गुरुग्राम की ओर गए हैं।

सदर बाजार में आठ घंटे लोडिंग-अनलोडिंग पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सबसे व्यस्त सदर बाजार में भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा के चलते अब मालवाहक वाहनों में लोडिंग- अनलोडिंग का समय तय कर दिया गया है। सदर बाजार के कुतुब रोड समेत कई अन्य रोड पर दोपहर 12 से रात आठ बजे तक न तो सामान की लोडिंग होगी और न ही अनलोडिंग करा सकेंगे। इसके लिए पुलिस ने सोमवार को सभी दुकानदारों को जानकारी दे दी है। पुलिस के मुताबिक, कुतुब रोड और एमसीडी पार्किंग, नाला रोड पर भीड़ ज्यादा रहती है। कुतुब रोड पर ही मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण का काम भी चल रहा है।

इसकी वजह से सबसे ज्यादा जाम भी इन्हीं मार्गों पर लगता है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इससे पहले बीते शुक्रवार को डीसीपी नॉर्थ राजा बंठिया और विशेष आयुक्त रविंद्र यादव ने सदर बाजार के व्यापारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा के लिए प्लान तैयार किया है। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि सदर बाजार के कई मार्गों पर वन-वे ट्रैफिक किया गया है। सिर्फ बुजुर्ग दुकानदारों को दुकान तक पहुंचाने के लिए रिक्शा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सदर बाजार में कई प्रवेश द्वार पर सुरक्षा बढ़ाई है।

दिल्ली दंगे: अदालत ने यूएपीए के आरोपी को बहन की शादी में शामिल होने के लिए जमानत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 में हुए दंगों से जुड़े आतंकवाद के मामले में आरोपी एक व्यक्ति को उसकी बहन की शादी में शामिल होने की इजाजत दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े एक मामले में आरोपी शादाब अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। दिल्ली पुलिस का विशेष प्रकोष्ठ इस मामले की जांच कर रहा है। अहमद ने उत्तर प्रदेश के अपने पैतृक गांव में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 20 दिनों की अंतरिम जमानत का अनुरोध किया था। अदालत ने 18 अक्टूबर के एक आदेश में कहा, "याचिकाकर्ता को मौजूदा मामले में 20 मई 2020 को गिरफ्तार किया था और तभी से वह न्यायिक हिरासत में है।" याचिकाकर्ता ने पहले भी नियमित जमानत और अंतरिम जमानत के लिए अर्जी दायर की थी लेकिन दोनों ही अर्जियों को खारिज कर दिया गया था। आरोपी को 29 अक्टूबर से पांच नवंबर तक 20,000 रुपये के निजी मुचलके और जमानत बांड प्रस्तुत करने पर राहत दी गई। अहमद की याचिका में कहा गया है कि परिवार का सबसे बड़ा बेटा होने के नाते शादी समारोह में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है और उसके पिता परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होने के साथ-साथ एक वरिष्ठ नागरिक हैं। फरवरी 2020 में हुई हिंसा में कथित भूमिका के लिए कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम, खालिद सैफी और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन सहित 20 लोगों पर यूएपीए और तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के कई प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

डीडीए की जमीन पर किया कब्जा, तीन भू-माफिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस डीआईयू यूनिट ने फर्जी दस्तावेज बनाकर डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले तीन भू माफियाओं को गिरफ्तार किया। आरोपी मदन मोहन शर्मा, दीपक और अनिल कुमार के पास से फर्जी ई-स्टांप प्रमाण पत्र की प्रति, डीडीए फार्म सहित अधिकारियों के स्टांप बरामद किए हैं। वे खुद को डीडीए अधिकारी बताकर फजीर्वाड़ा कर रहे थे। इनमें एक शातिर सराय रोहिल्ला थाने से भगौड़ा घोषित है और 38 मामलों में संलिप्त रह चुका है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन की फर्जी डीड संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाई गई है। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी।

दिल्ली में दहशत का माहौल, लोगों को डर, न जाने कब और कहां गैंगवार हो जाए : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बीते तीन दिनों के अंदर हुए गोलीकांड, धमाके को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि दिल्ली वाले डर के माहौल में जी रहे हैं। किसी को भी नहीं पता, कब कहां से गोली चल जाए और गैंगवार शुरू हो जाए।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि त्योहारों की वजह से दिल्ली के बाजारों में अच्छी-खासी चहल-पहल है, लेकिन बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था के कारण आम लोगों में खौफ का माहौल है। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली

सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि लोगों को डर है कि ना जाने कब और कहां गैंगवार हो जाए, गोलियां चलने लगे, कब कहां बम ब्लास्ट हो जाए। यह सब भाजपा की केंद्र सरकार की वजह से हो रहा है। अगर भाजपा दिल्ली की कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रही है, तो ये लोग देश की सीमाओं की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करेंगे? सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति आवास, प्रधानमंत्री आवास, सुप्रीम कोर्ट, लाल किला, सुरक्षा एजेंसियों के ऑफिस सब हैं। दिल्ली पुलिस है, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा हुआ कौन सा ऐसा विभाग है, जिसका हेड क्वार्टर दिल्ली में ना हो। उसके बावजूद भी कौन सा ऐसा गैंग है, जो यहां पर सक्रिय नहीं है। दिल्ली में जहां देखो, वहां गोलियां चल रही हैं, चाहे मिठाई की दुकान हो, होटल हो, वेलकम कॉलोनी में 60 राउंड सड़क पर ही गोलियां चल जाती है, जीके में जिम संचालक की शाम के वक्त हत्या कर दी जाती है। यह सब केंद्र सरकार संभाल नहीं पा रही है।

एक नजर

जामिया शोधार्थी को निबंध प्रतियोगिता में दूसरा स्थान

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी शाहिद जमाल ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वार्षिक सर सैयद दिवस समारोह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता में अंग्रेजी, उर्दू और हिंदी में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं, जिसका विषय, समुदायों को जोड़नाः भारत में धार्मिक सद्भाव की वृद्धि के लिए सर सैयद के प्रयास था।

लूट, यौन उत्पीड़न में शामिल चार भगोड़े धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले की गीता कॉलोनी पुलिस ने एक दिन में चार घोषित भगोड़ों को दबोचा है। आरोपियों पर लूट, यौन उत्पीड़न, चोरी और झपटमारी के मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों पर यमुनापार के विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ गौतम उर्फ मोनू, सोनू उर्फ गौरव, अमन और राजू के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को गत छह महीने के भीतर भगोड़ा घोषित किया गया था।

भाजपा ने कहा-दिल्ली में प्रदूषण रोकने में आआपा सरकार विफल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण रोकने में आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार विफल है। उन्होंने राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और यमुना नदी की जहरीले झाग पर दिल्ली सरकार और आआपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी सवाल किया। सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की समस्या बढ़ रही है। अरविंद केजरीवाल के शासन में दिल्ली की हालत खराब हो गई है। पिछले 10 साल में उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया। दिल्ली के प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी आआपा सरकार ने भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट काम नहीं कर रहे हैं। इस कारण यमुना नदी का जल विषाक्त हो रहा है। दिल्ली में 3100 टन सी और डी कचरा अनुपचारित छोड़ दिया जा रहा है। वह लोग दिल्ली में प्रदूषण वृद्धि के लिए पंजाब से पराली जलाने को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं और पंजाब सरकार की अक्षमताओं को छिपा रहे हैं।

गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नेब सराय इलाके से 19 अक्तूबर को एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभिषेक के पास से पुलिस ने 7.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि इंस्पेक्टर लोकेंद्र, एएसआई प्रकाश और हेडकांस्टेबल धर्मेंद्र की टीम को आरोपी के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने खानपुर, नेब सराय में ट्रेप लगाकर आरोपी अभिषेक को दबोच लिया।

सोनम वांगचुक ने तोड़ा अनशन, गृह मंत्रालय से मिला आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख को छठी अनुसूची शामिल सहित कई मांगों को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को अनशन समाप्त कर दिया है। इस बीच गृह मंत्रालय ने उन्हें आश्वासन दिया कि लद्दाख की मांगों पर बातचीत दिसंबर में फिर से शुरू की जाएगी। गृह मंत्रालय में 3 दिसंबर को होगी चर्चा संयुक्त सचिव (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) प्रशांत लोखंडे ने कार्यकताओं से मुलाकात की और उन्हें गृह मंत्रालय का एक पत्र सौंपा।

कार्यकर्ता छह अक्टूबर से दिल्ली के लद्दाख भवन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। पत्र में कहा गया कि लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति अगली बैठक तीन दिसंबर को करेगी। इसके बाद वांगचुक और उनके समर्थकों ने अपना अनशन तोड़ने का फैसला किया।

पांच मोबाइल फोन के साथ बदमाश धरा

नई दिल्ली, एजेंसी। रघुबीर नगर पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने कुख्यात झपटमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी चिंकू चोरी के मोबाइल बेचने के लिए जा रहा था।

उसके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। चिंकू पर झपटमारी, डकैती, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस और चोरी के 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। आरोपी को एएसआई संदीप पुनिया की टीम ने रघुबीर नगर से गिरफ्तार कर लिया।

दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें बनाने का फैसला किया है। सरकार की तरफ से इसके गठन का प्रस्ताव उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भेज दिया है। इनके लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले ही विशेष रूप से दो न्यायाधीशों को नामित किया। सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, फाइल पहले एलजी को सीधे कानून मंत्री की ओर से भेज दी गई थी, जिसे उपराज्यपाल ने यह कहकर लौटा दिया कि यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की ओर से आना चाहिए। बीते सप्ताह हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने यह फाइल दोबारा एलजी को मंजूरी के लिए भेजी है। बताते चलें कि दिव्यांगों के लिए विशेष अदालत के गठन का प्रावधान दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 84 के तहत किया जा रहा है। उच्च न्यायालय ने दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए दिल्ली सरकार से अनुरोध किया था।

लूट, यौन उत्पीड़न में शामिल चार भगोड़े धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले की गीता कॉलोनी पुलिस ने एक दिन में चार घोषित भगोड़ों को ढूंढकर दबोचा है। इन आरोपियों पर लूट, यौन उत्पीड़न, चोरी व झपटमारी के मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों पर यमुनापार के विभिन्न थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ गौतम उर्फ मोनू, सोनू उर्फ गौरव, अमन और राजू के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को गत छह महीनों के भीतर ही भगोड़ा घोषित किया गया था क्योंकि ये अदालत में पेश होने व गिरफ्तारी के बचने के लिए छिप कर रह रहे थे।

वाहन चालकों को फूल देकर लालबत्ती पर इंजन बंद कराया

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के बीच सोमवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने लालबत्ती ऑन-इंजन ऑफ अभियान की शुरूआत की। आईटीओ पर वाहन चालकों को फूल देकर उन्होंने लालबत्ती होने पर वाहन का इंजन बंद करने के फायदों की जानकारी दी। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि 24 तारीख को बाराखंबा रोड और 26 को दिल्ली गेट चौराहे पर यह अभियान चलाया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में इस समय बढ़ते प्रदूषण का बड़ा कारण बायोमास बर्निंग और धूल से होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ वाहनों से होने वाला प्रदूषण भी है। इसी को देखते हुए सरकार ने यह अभियान शुरू किया है। राय ने कहा कि एक व्यक्ति आमतौर पर हर दिन आठ से दस लालबत्ती पर रुकता है।

सेवानिवृत राजपत्रित अधिकारी ने किया फर्जीवाड़ा का खुलासा

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में गढ़ी चौखंडी गांव के निवासी तथा सीएजी विभाग से सेवानिवृत राजपत्रित अधिकारी रतनपाल सिंह यादव ने फजीर्वाड़ा का खुलासा किया है। फेस तीन थाना क्षेत्र के तहत गढ़ी चौखंडी गांव में फर्जी तरीके से आठ बीघा जमीन की रजिस्ट्री तथा दाखिल खारिज किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।

इस जमीन की बाजारी कीमत करीब 80 करोड रुपए बताई जाती है। उन्होंने बताया कि गढ़ी चौखंडी के खसरा संख्या 115 में उनके परिवार की दादा लाई जमीन है तथा सैकड़ो साल से उनका पुश्तैनी कब्जा है 'कुछ भूमाफियाओं ने मेरे सगे भतीजे प्रमोद यादव व विनोद यादव पुत्र स्वर्गीय नानक चंद्र यादव की आठ बीघा जमीन के कूट रचित फर्जी अभिलेख तैयार करके 16 लोगों के नाम बैनामा कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह बैनामा मामूरा गांव के महेश कुमार पुत्र सूरते सिंह विशाल चौहान पुत्र महेश कुमार विकास चौहान पुत्र महेश कुमार योगेंद्र कुमार पुत्र सूरते सिंह निखिल चौहान पुत्र योगेंद्र कुमार चौहान दिल्ली निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र भोले राम गीता देवी पत्नी गोलू राम श्याम

सलोनी पुत्र श्री राम लखन निवासी गढ़वाली रविंद्र कुमार पुत्र श्री प्रीतम युद्धवीर पुत्र विजयपाल निवासी रायपुर खादर सेक्टर 126 नोएडा प्रवीण यादव पुत्र श्री महेश यादव निवासी बुलंदशहर अशोक यादव पुत्र महेश यादव वाशी बुलंदशहर मोदी राम पुत्र कबीर सिंह गाजियाबाद के नाम फर्जी बना किए गए हैं। रतनपाल यादव ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में जब उन्हें इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होने उप जिला अधिकारी दादरी तथा पुलिस आयुक्त को लिखित में शिकायत दी तथा फर्जी बैनामा करके जमीन हड़पने वालों के खिलाफ 21 फरवरी 2024 को थानाफेज तीन में एफ आई आर भी दर्ज की गई परंतु अभी तक पुलिस द्वारा सभी नामजद आरोपियों में से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया' पुलिस ने मामले को दबाने के लिए फर्जी तरीके से राजेश तथा राजू नामक मामूली व्यक्तियों को गिरफ्तार करके औपचारिकता पूरी कर ली' उन्होंने आरोप लगाया कि तहसीलदार ने फर्जी बैनामे के एक हफ़्ते में दाखिल खारिज भी करने के आदेश पारित कर दिए तहसीलदार र को कई बार शिकायत की गई पर अभी तक ना तो उन्होंने गैरकानूनी यादव आदेशों को कानूनन निरस्त किया किया है और ना ही किसी भी दोषी कर्मचारियो के खिलाफ कोई कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि उनके भतीजे प्रमोद तथा विनोद के नाम से 17 जुलाई 2023 से 4 अक्टूबर 2023 के बीच कुल बैनामे किए गए हैं जिनमें से 13 बेनामों के संबंध में उन्हें जानकारी मिली है' इस मामले में विनोद या प्रमोद को बिना कोई जानकारी है नोटिस दिए गए फर्जी तरीके से दूसरे गांव में वाद दर्ज कर दाखिल खारिज किया' उन्होंने कहा कि दाखिल खारिज के लिए कमसेकम 30 दिन के समय सीमा होती है लेकिन इस मामले में एक-एक हफ्ते में दाखिल खारिज के आदेश पारित कर दिए गए' इससे मामले में भूमाफिया के साथ तहसील के कर्मचारियों के भी सीधी तौर पर मिली भगत स्पष्ट है 'उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी से लेकर पुलिस के बड़े अधिकारियों तक शिकायत की लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की गई ना ही किसी की गिरफ्तारी की गई है। रतनपालसीन ने चेतावनी कि यदि जिले स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह इस मामले को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

एक नजर

गाजियाबाद में विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। साहिबाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। एयरपोर्ट की सुरक्षा अधिकारी पिंकी कुमारी की तहरीर पर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के यूजर के खिलाफ टीला मोड़ थाने में केस दर्ज किया। बता दें शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर धमकी दी गई थी। पुलिस अब जांच कर रही है कि आरोपी कौन है और कहां रहता है। पिंकी कुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि शनिवार सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर धमकी भरा मैसेज पोस्ट किया गया था। जिसमें लिखा था कि चार विमानों, एस-5431, एस- 5222, एस-5225 और एस-5234 में बम रखे हैं। चारों विमानों में कोई भी नहीं बच पाएगा। बचा सकते हो तो जल्दी करो। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि एक्स यूजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार एयरपोर्ट को 48 घंटे तक अलर्ट मोड पर रखा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी व एयरलाइंस से लगातार संपर्क बना हुआ है। आरोपी की पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं सोशल प्लेटफार्म एक्स से भी डिटेल मांगी गई है।

पुलिस ने वाहन चोर पकड़ा, आठ मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले में वाहन चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस चौकी दयाल बाग की टीम ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से आठ मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी योगेश कुमार (21) वासी शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर फरीदाबाद का रहने वाला है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से रेड कर आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित दयाल बाग एरिया में शराब के ठेके से पास से काबू किया है। आरोपी से मौके पर बरामद मोटरसाइकिल गुप्ता कॉलोनी से चोरी की गई थी। आरोपी से पूछताछ में अन्य 7 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जिसमें से 6 मोटरसाइकिल दयाल बाग एरिया से तथा 1 मोटरसाइकिल दिल्ली एरिया से चोरी की गई थी। आरोपी नशा करने का आदी है। आरोपी ने सभी मोटरसाइकिल बेचने के लिए चोरी की थी। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

पानी छिडकाव से किया जा रहा प्रदूषण पर नियंत्रण

गुरुग्राम, एजेंसी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा लागू ग्रेडिड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की पालना सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां सडकों की मैकेनाइज्ड सफाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर टैंकरों व एंटी स्मॉग गन के माध्यम से सडकों व पेड़ों पर शोधित पानी का छिडकाव किया जा रहा है।

गाजियाबाद में उपचुनाव को लेकर भाजपा पदाधिकारियों की बैठक

गाजियाबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने महानगर संगठन द्वारा उपचुनाव के बाबत पूर्व से तैयार संगठनात्मक तैयारियों को लेकर चर्चा वार्ता शुरू कर दी है। बैठक में पश्चिम उत्तर प्रदेश के महामंत्री एवं शहर विधानसभा के प्रभारी हरिओम शर्मा भाजपा के नेहरू नगर स्थित महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा एवं महामंत्री पप्पू पहलवान सुशील गौतम के साथ उपचुनाव की पूरी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता हातम सिंह नागर, सुभाष शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, ललित कश्यप, संजय कांत शर्मा, राजेश शर्मा, कामेश्वर त्यागी, पंकज भारद्वाज, लोकेश गर्ग , जोगेंद्र जाटव, सुनील गौतम आदि मौजूद रहे।

दो बसों में लगी भयंकर आग, कोई हताहत नहीं

फरीदाबाद, एजेंसी। बल्लभगढ़ के सेक्टर-2 में सोमवार तडके तीन बजे दो बसों में आग लग गई। बस के अंदर ड्राइवर एसी चलाकर सो रहे थे। अचानक एक बस के एसी में शॉर्ट सर्किट हुआ और बस के निचले हिस्से में आग लगनी शुरू हो गई। जैसे ही बस के अंदर धुंआ पहुंचा, ड्राइवर बाहर निकल आए और देखा की बस के नीचे हिस्से में आग लगी हुई है। बस ड्राइवर द्वारा आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन वह नाकामयाब रहे। वहीं कंस्ट्रक्शन साइट पर सो रहे मजदूरों को आग लगने की जानकारी मिली,तो देखा कि दो बसों में आग लगी है। मजदूरों ने तुरंत सूचना फायर ब्रिगेड को दी। 40 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की गाडि?ां मौके पर पहुंची, जब तक बस के आधे से ज्यादा हिस्सों में आग लग चुकी थी। फायर ब्रिगेड की दो गाडि?ों ने करीब एक घंटे में दोनों बसों में लगी आग पर काबू पाया। मौके पर मौजूद मजदूर ने बताया कि रात करीब यह घटना तीन से चार के बीच में हुई है। यहां पर तीन बस खड़ी थी, लेकिन दो बसों में आग लगी, क्योंकि तीसरी बस को जल्दी-जल्दी हटा लिया गया था, नहीं तो उस में भी आग लग जाती। मजदूरों ने बताया कि आग एक ही बस में लगती, तो दूसरी बस भी बच जाती। लेकिन उसकी बस की चाबी नहीं मिली। इस वजह से उसमे भी आग लग गई। मजदूरों ने बताया कि सिर्फ बस में रखा ड्राइवर का सामान जल चुका है।

नोएडा में विधवा महिला से दोस्ती कर शख्स ने बनाई अश्लील वीडियो, ब्लैकमेल कर वसूले पैसे

नोएडा, एजेंसी। थाना फेस-2 में एक विधवा महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति ने उसके साथ दोस्ती करके उसके अतरंग समय की अश्लील फोटो और वीडियो बना ली है। उक्त वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे काफी रकम वसूल चुका है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि सेक्टर-93 ए स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पति का वर्ष 2010 में देहांत हो गया था। उनसे उसका एक बेटा है। पीड़िता के अनुसार वर्ष 2011 में उसकी मुलाकात हर्षित नामक शख्स से हुई। पीड़िता के अनुसार हर्षित एक जिम ट्रेनर था। महिला की मुलाकात शख्स से जिम में हुई। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हुई तथा हर्षित ने कहा कि उसके परिवार वालों से उसकी बन नहीं रही है। वह बीमार है। हर्षित ने महिला से कहा कि आप अपने घर में रहने के लिए कमरा दे दो। महिला ने अपने घर में उसे कमरा दे दिया। पीड़िता का कहना है कि हर्षित ने उससे कुछ पैसे लेकर काम शुरू किया बाद में उसने कहा कि काम में घाटा हो गया है। फिर उसने महिला से कुछ पैसे लेकर जूते का व्यवसाय शुरू किया।

नोएडा सेक्टर 24 में दलित सेना उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में प्रदर्शन

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सच्चिदानंद साधु ने जानकारी दी कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से हटाए गए श्रमिकों की बहाली के लिए सेक्टर 24, नोएडा स्थित एफसीआई जनरल ऑफिस के बाहर 30 सितंबर 2024 से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। इस धरने का नेतृत्व दलित सेना उत्तर प्रदेश कर रही है। गोंडा स्थित एफसीआई गोदाम से 456 और शाहजहांपुर के रोजा डिपो से 250 श्रमिकों को कई वर्ष पहले हटा दिया गया था। इन श्रमिकों के पुनर्नियोजन के लिए श्रमिकों ने पहले भी कई बार प्रदर्शन किए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। 6 अगस्त 2024 को किए गए धरने के बाद भी एफसीआई प्रबंधन ने 1 महीने का समय मांगा था, लेकिन उसके बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गोंडा डिपो के 456 और रोजा शाहजहांपुर डिपो के 250 श्रमिकों को 23 अप्रैल 2010 की अधिसूचना के तहत ड्यूटी से हटा दिया गया था। हालांकि 15 अक्टूबर 2020 को मुख्यालय ने 180 श्रमिकों के परिचय पत्र जमा करवाए थे और उन्हें मौखिक रूप से अवकाश पर भेजा गया था, मगर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। सच्चिदानंद साधु ने बताया कि श्रमिकों ने दो महीने के इंतजार के बाद 7 अक्टूबर 2024 से भूख हड़ताल शुरू की है।

भूख हड़ताल पर बैठने वाले श्रमिकों में बच्चा बाबू यादव, राकेश कुमार, सकलदेव पासवान, सत्यनाम, राजकुमार और इरशाद अहमद शामिल हैं।

राज्यमंत्री राजेश नागर का पूर्व सरपंचों,वाल्मीकि महासभा व ग्रामीणों ने किया स्वागत

फरीदाबाद, 21 अक्टूबर (वेब वार्ता)। हरियाणा सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (स्वतंत्र प्रभार) के राज्यमंत्री राजेश नागर का पूर्व सरपंचों जिसमें नीमका गांव के पूर्व सरपंच एवं वाल्मीकि महासभा के जिलाध्यक्ष संजीव कुमार,पूर्व सरपंच अजीत,पूर्व सरपंच रूपी,पूर्व सरपंच राजबीर,वाल्मीकि महासभा तिगांव के ब्लॉक अध्यक्ष दितेश कुमार चंदेलिया,योगेश कुमार एडवोकेट अरूआ,रवि नंबरदार तिगांव,विशाल,अमरजीत व ग्रामीणों ने फूलों का गुलदस्ता देकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संजीव कुमार ने कहा कि राजेश नागर को राज्यमंत्री बनाकर मुख्यमंत्री नायब सैनी और भाजपा हाईकमान ने तिगांव क्षेत्र की जनभावनाओं का आदर किया है। उन्होनें कहा कि राजेश नागर नेकदिल,ईमानदार और साफ छवि के इंसान है जो तिगांव क्षेत्र की तरक्की होते देखना चाहते है।

डॉ महेश शर्मा बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

ऋषि तिवारी

नोएडा। भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है और इसके चलते सभी कार्यकर्ता इस अभियान में लगे हुए। भाजपा ने सदस्यता अभियान के जरिए पार्टी में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की मुहिम शुरू की। इसी के चलते आज नोएडा भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा को सक्रिय सदस्य बनाया। डॉ महेश शर्मा के अभी तक 18660 से ज्यादा सदस्यों को भाजपा से जोड़ दिया है। इस मौके पर डॉ महेश शर्मा ने सभी कार्यकताओं से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान के साथ जुड़कर एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत करें। मनोज गुप्ता ने कहा की यह महाअभियान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के साथ ही सभी को राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर ने बताया कि यह अभियान आने वाली 31 अक्टूबर तक चलेगा, जिसके तहत जो भी पार्टी का कार्यकर्ता व नेता 100 या उससे ज्यादा लोगों को जोड़ेगा, पार्टी उसे सक्रिय सदस्य बनाएगी. सक्रिय सदस्य बनने के लिए किसी भी कार्यकर्ता या फिर नेता को सक्रिय सदस्य का एक फॉर्म भरना होगा और नमो ऐप पर 100 रुपये सदस्यता शुल्क भरने होंगे। जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता के साथ महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, पूर्व अध्यक्ष हरीश चंद्र भाटी, राकेश शर्मा, योगेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला, मंडल अध्यक्ष लोकेश कश्यप, ओबीसी अध्यक्ष उमेश यादव आदि कार्यकर्ता साथ रहे।

गुरुग्राम: यहां शबाब पर है सरस मेला

- सरस मेले में हर उम्र के लोगों के लिए है खास प्रोडक्ट
- हर राज्य के व्यंजनों के लिए लगाए गए हैं विशेष स्टॉल

गुरुग्राम, एजेंसी। यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान पर लगाया गया सरस आजीविका मेला-2024 अपने पूरे शबाब पर है। त्योहारी सीजन में मेला होने की वजह से यहां रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है। खरीदारी के साथ-साथ यह मेला पिकनिक स्पॉट भी बन गया है। गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर से मेट्रो से यहां लोग पहुंच रहे हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित व राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। देसी कला, संस्कृति और हस्तशिल्प के इस अनूठे महोत्सव ने गुरुग्रामवासियों को न सिर्फ भारतीय लोक कलाओं से रूबरू कराया है, बल्कि उन्हें ग्रामीण भारत की समृद्ध धरोहर से भी जोड़ा है। इस वर्ष मेले का आकर्षण और भी खास है, क्योंकि देशभर से आए कारीगर और शिल्पकार अपनी नायाब वस्तुओं और कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। सरस मेले में हर दिन बढ़ती भीड़ इस बात का प्रमाण है कि लोग इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मेलास्थल पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं, जैसे हस्तनिर्मित कपड़े, मिट्टी के बर्तन, जैविक खाद्य पदार्थ, और अन्य ग्रामीण उत्पाद लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। हर आयु वर्ग के लोग मेले में उमड़ रहे हैं और पारंपरिक वस्त्र, आभूषण, और घरेलू सजावट से लेकर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं। मेले के आयोजकों का कहना है कि इस बार सरस मेले में प्रदर्शकों और दर्शकों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह मेला ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है, जहां वे अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचा रही हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों की मदद से ये महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपनी पहचान बना रही हैं। सरस मेला न केवल ग्रामीण शिल्प और कला का उत्सव है, बल्कि यह शहरी और ग्रामीण भारत के बीच सेतु का काम भी कर रहा है। मेले में आए लोग न केवल उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन की झलक भी देख रहे हैं।

नोएडा में सीईओ का एक्शन, ठेकेदार पर 5 लाख का जुमार्ना, चार की सेवाएं समाप्त,मचा हड़कंप

नोएडा, 21 अक्टूबर (वेब वार्ता)। नोएडा में तमाम प्रयासों के बावजूद शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था लचर बनी हुई है। नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकांश काम-काज कागजों पर चल रहे हैं। विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से सफाईकर्मी भी लापरवाह बन गए हैं। वहीं ठेकेदारों की बात ही अलग है। उनका भी कार्य केवल कागजों पर ही चल रहा है। नोएडा में बदहाल होती सफाई व्यवस्था की शिकायतों की सत्यता को परखने के लिए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. ने सोमवार को नोएडा क्षेत्र के निर्माण एवं सफाई कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के अधिकांश स्थलों पर दोनों ओर सर्विस रोड पर घास ऊगी हुई पाई गई। जिसकी तत्काल सफाई कराने के निर्देश उन्होंने दिए। सेक्टर-104 में एटीएस सोसायटी के सामने सर्विस रोड पर सीवर के पानी निकलते पाये जाने पर सीईओ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सीवर की सफाई कराने के निर्देश दिए। वहीं सेक्टर-105 में निरीक्षण के दौरान सीएनजी पम्प के निकट गंदगी पाये जाने पर संबंधित संविदाकार न्यू माईन पर 5 लाख का आर्थिक दण्ड लगाने के साथ ही स्वास्थ्य निरीक्षक (जन स्वा-।।) राकेश कुमार का वेतन रोके जाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। इसके अलावा सीईओ को पराग डेयरी चौराहे पर ग्राम-ककराला के सामने गंदगी मिली। जिसकी तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिये गये साथ ही सेक्टर-80 में सफाई कार्य में लापरवाही दो सुपरवाईजर मनोज कुमार एवं राहुल कुमार के साथ ही सफाई कर्मचारी जसवंत एवं प्रमोद की सेवा समाप्त किये जाने एवं सुशील कुमार (सहायक परियोजना अभियन्ता-जन स्वा-।।) को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने व वेतन रोके जाने तथा विकास शर्मा अवर अभियन्ता (जन स्वा-।।) का वेतन रोके जाने के निर्देश दिये गये। सीईओ के इस कड़े कदम से जन स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक (जन स्वास्थ्य) एसपी सिंह, उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल सहित अन्य उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया नमो भारत ट्रेन में सफर

ट्रेनों ने 40 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करते हुए सफलतापूर्वक हो रहा संचालन

गाजियाबाद, एजेंसी। आरआरटीएस नमो भारत ट्रेन के संचालन को मंगलवार को एक साल पूरा होने पर केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के प्रमुख स्टेशनों का दौरा किया। खट्टर ने साहिबाबाद स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में सवार होकर गुलधर स्टेशन तक यात्रा की। इस दौरान उन्होंने महिला ट्रेन ऑपरेटरों से बातचीत की और भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालन में उनके योगदान की सराहना की। इसके साथ ही, उन्होंने दैनिक यात्रियों से भी बातचीत की और नमो भारत सेवा के बारे में उनका प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। इस अवसर पर खट्टर ने यात्रियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। जिन्होंने नमो भारत ट्रेनों मे मिलने वाली सुविधाएं, इसकी गति और इसमें मिलने वाले आराम की सराहना की। कई यात्रियों ने बताया कि इस नए परिवहन साधन ने उनके दैनिक आवागमन को काफी बेहतर बनाया है और यह पारंपरिक परिवहन के मुकाबले एक परेशानी-मुक्त और विश्वसनीय विकल्प है। नमो भारत परिचालन के एक वर्ष होने के अवसर पर एनसीआरटीसी ने सुबह स्कूली छात्रों की विशेष यात्रा का आयोजन किया, जिसमें स्कूल के बच्चों ने चॉकलेट के साथ तेज और आनंददायक सवारी का आनंद लिया। यात्रियों का स्वागत उत्सव के माहौल में ढोल की थाप, चॉकलेट और स्मृति चिन्ह के साथ किया गया। स्टेशनों को नमो भारत दिवस के लिए सजाया गया था।,

गाजियाबाद में सिविल सोसाइटी ने की नगर निगम को मिलने वाली परफॉर्मेंस ग्रांट रोकनी की मांग

गाजियाबाद, एजेंसी। एक रेस्टोरेंट में गाजियाबाद सिविल सोसाइटी पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। जिसमें गाजियाबाद सिविल सोसाइटी के प्रमुख कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने कहा कि 15 वें फाइनेंस कमीशन ने गाजियाबाद नगर निगम को करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपए 2022 से 2026 तक के लिए आवंटित किए हैं। इस राशि का 80 प्रतिशत मूल अनुदान कहलाता है। जबकि शेष 20 प्रतिशत प्रदर्शन अनुदान के रूप में है। प्रदर्शन अनुदान खातों की नियमित लेखा परीक्षा और ह्लसेवा स्तर के बेंचमार्कह्व प्रकाशित करने पर मिलेगा। प्रदर्शन अनुदान के दावों पर विचार करते समय यूएलबी,नगर निगम द्वारा ह्लसेवा स्तर के बेंचमार्कह्व के प्रकाशन को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा अभी तक सेवा स्तर बेंचमार्क होते नहीं देखा है। जिसमें यह वादा किया गया हो कि वे ये सेवाएँ अवश्य प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर जमीनी स्तर पर सेवाएँ प्रदान किए बिना प्रदर्शन अनुदान का दावा किया जाता है ये गलत है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कौन कौन सी सुविधाएं पूर्ण रूप से अपने शहरवासियों को दे रहे हैं ये जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिविल सोसाइटी मांग करती है कि नगर निगम अविलंब एकाउंट्स और सुविधाओं की जानकारी जल्द प्रकाशित कराए। इस दौरान लाइन पार आरडब्लूए अध्यक्ष डॉ. आरके आर्या, ट्रांस हिंडन के अध्यक्ष कैलाश चन्द शर्मा, फ्लेट आनर फेडरेशन वैशाली से एमएल वर्मा, राय नगर एक्सटेंशन के अध्यक्ष राज कुमार त्यागी, न्यू आर्य नगर से संध्या त्यागी और विजय नगर से नेम पाल चौधरी मौजूद रहे।

परिषदीय बच्चों में भारतीय इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति गर्व का बीजारोपण कर रही योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के समग्र शैक्षिक विकास के लिए एक अभिनव पहल की है। सरकार का उद्देश्य न केवल बच्चों को शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उनमें भारतीय इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना विकसित करना भी है।

इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों से 15,000 बच्चों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक स्थलों का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिले से 200 बच्चों को इसमें सम्मिलित किया गया है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण और शहरी परिषदीय विद्यालयों के गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के हैं।

योगी सरकार इस योजना के अंतर्गत 75 लाख रुपये व्यय कर रही है, जिसमें बच्चों की यात्रा के लिए किराए का खर्च, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था और आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बजटीय प्रावधान शामिल हैं।

इसका उद्देश्य बच्चों को उनके सामान्य शैक्षिक पाठ्यक्रम से इतर व्यावहारिक और ऐतिहासिक जानकारी देना है, ताकि वे भारतीय धरोहरों और ऐतिहासिक स्थलों को न केवल देखें, बल्कि उनके महत्व को समझें और उनसे प्रेरणा लें।

यह शैक्षिक भ्रमण 24 सितंबर से शुरू हुआ है और इसे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोजित किया जा रहा है। हर 20 बच्चों के समूह के साथ एक शिक्षक अथवा शिक्षिका की जिम्मेदारी तय की गई है, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ भ्रमण के दौरान उन्हें ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ी जानकारी भी प्रदान करेंगे।

प्रत्येक जनपद से 10 शिक्षकों को इस भ्रमण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इन शिक्षकों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों को भ्रमण के दौरान भारत के इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूक करें।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक जिले के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित अधिकारियों को इस योजना की निगरानी और सुचारू संचालन का दायित्व सौंपा गया है, ताकि भ्रमण के दौरान बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यात्रा के दौरान बच्चों को सुरक्षा और संरक्षा के अलावा आवश्यक जानकारी और सहयोग प्रदान करने के लिए सभी प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधित उपाय किए गए हैं। योगी सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके पाठ्यक्रम से बाहर वास्तविक दुनिया में शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही, इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि बच्चों को भारत की समृद्ध धरोहरों और गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जाए।

वनटांगिया समुदाय को दीपावली के पहले बड़ा तोहफा देगी योगी सरकार

लखनऊ/गोंडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जीरो पॉवर्टी' विजन के तहत, इस वर्ष गोंडा जिला प्रशासन द्वारा वनटांगिया महोत्सव 2.0 के रूप में महेशपुर और रामगढ़ गांवों के वनटांगिया समुदाय के परिवारों को दीपावली का विशेष तोहफा प्रदान किया जाएगा।

आगामी 27 अक्टूबर को आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य वनटांगिया समुदाय के लोगों को न केवल त्योहार की खुशियां बांटना है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और गरीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना है। वनटांगिया महोत्सव 2.0 के तहत, महेशपुर और रामगढ़ के सभी परिवारों को दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपहार के रूप में दी जाएगी। मुख्यमंत्री के 'जीरो पॉवर्टी' विजन के अनुरूप, यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और गरीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देना है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकें और दीपावली को सम्मान और खुशी के साथ मना सकें।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि महोत्सव की सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संपन्न हों और इसका लाभ हर गांववासी को मिले। 24 और 25 अक्टूबर को महोत्सव के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत गांववासियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा।

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और साफ-सफाई के महत्व को समझाते हुए, इस अभियान का उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश में, गांव वासियों के लिए एक मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें नेत्र परीक्षण सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी।

विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करना और उन्हें बेहतर जीवन प्रदान करना है।

वनटांगिया महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी और खंड विकास अधिकारी नवाबगंज को आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है।

महिला के खिलाफ पति को जहर देकर मारने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

कौशांबी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कड़ा धाम क्षेत्र में एक व्यक्ति को जहर देकर मारने के आरोप में उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिराथू के पुलिस क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि इस्माइलपुर गांव निवासी शैलेश (32) की रविवार की रात खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि शैलेश के परिजनों ने उसकी पत्नी सविता (30) पर खाने में जहर मिलाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी जिसके आधार पर सविता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और 123 (जहर देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कानपुर में महिला हेड कांस्टेबल से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में करवा चौथ मनाने के लिए घर जा रही एक महिला हेड कांस्टेबल के साथ उसके एक परिचित व्यक्ति ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) हरीश चंदर ने सोमवार को बताया कि अयोध्या में रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात एक महिला कांस्टेबल शनिवार रात करवा चौथ का त्योहार मनाने कानपुर आई थी।

उन्होंने बताया कि जब वह अपने गांव जा रही थी तभी सेन-पश्चिम पारा इलाके उसने मोटरसाइकिल सवार अपने पड़ोसी धर्मेंद्र पासवान से लिफ्ट मांगी। चंदर ने बताया कि पासवान उसे गंतव्य पर

छोड़ने के बजाय कथित तौर पर सुनसान इलाके में स्थित एक खेत में ले गया और उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया। सहायक पुलिस आयुक्त (घाटमपुर) रंजीत कुमार ने बताया, "महिला कांस्टेबल ने शोर मचाया लेकिन मदद के लिए आसपास कोई नहीं था। वह किसी तरह चंगुल से छूटकर निकली और पास की ही पुलिस चौकी में जाकर घटना की जानकारी दी।" कुमार ने बताया, "पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।" उन्होंने बताया कि पासवान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (दुष्कर्म), 76 (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाकुंभ-2025 : योगी सरकार बना रही 'सुरक्षित स्नान' की ठोस कार्ययोजना

प्रयागराज, एजेंसी। 'महाकुंभ-2025' में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा को योगी सरकार सुनिश्चित करने जा रही है। विशेषकर संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने आने वाले एक भी श्रद्धालु के साथ अनहोनी न हो, इसके लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ठोस योजना पर काम कर रहे हैं। इन एजेंसियों के प्रशिक्षित जवान अत्याधुनिक उपकरणों के साथ गंगा, यमुना और संगम के घाटों व जल में तैनात रहेंगे।

इस बार महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। विशेष तिथियों के अलावा भी महाकुंभ में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु संगम के पवित्र जल

में डुबकी लगाने आएंगे।

देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की जल में सुरक्षा की कार्ययोजना पर काम जारी है। यूपी एसडीआरएफ के कमांडेंट सतीश कुमार के अनुसार महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कार्ययोजना बनाई जा रही है। कहां, कितनी बटालियन और जवान काम करेंगे, उस पर मंथन जारी है। महाकुंभ में घाटों और जल में जवानों को तैनात किया जाएगा। एसडीआरएफ से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जवानों को अंडर वाटर कैमरों व ड्रोन, स्पीड बोट्स, रेस्क्यू बोट्स, स्कूटर बोट्स, एंबुलेंस बोट्स, ड्रैगन लाइट के साथ तैनात किया जाएगा। सोनार सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। फ्लोटिंग जेटी की व्यवस्था की जाएगी। हर समय घाटों और जल में लाइफ ब्वाय रेस्क्यू ट्यूब और थ्रो बैग के साथ तैनात रहेंगे। अधिकारी ने बताया कि वाटर ड्रोन वहां तक भी पहुंच सकेंगे, जहां प्रशिक्षित गोताखोर नहीं पहुंच पाते हैं। नावों से संगम में भ्रमण करने वाले श्रद्धालुओं के लिए लाइफ सेविंग जैकेट पहनना अभी से अनिवार्य किया जा चुका है। जल पर तैरता कंट्रोल रूम स्थापित होगा, जिसमें क्विक रेस्क्यू टीम 24 घंटे तैनात रहेंगी। किसी भी हादसे या दुर्घटना की स्थिति से निपटने के लिए फ्लोटिंग स्टेशन्स पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहेंगे। स्नान घाटों की संख्या बढ़ने और उनके विस्तार को देखते हुए डीप वॉटर बैरिकेडिंग भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस-प्रशासन को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के विशेष निर्देश दिए हैं। 'सुरक्षित महाकुंभ' का संकल्प लेकर योगी सरकार प्रत्येक योजना बना रही है, ताकि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु श्रेष्ठ अनुभव के साथ घरों को लौटें।

भदोही में इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की गोली मारकर हत्या

भदोही (उप्र), एजेंसी। भदोही जिले में एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की सोमवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल चौराहे पर स्थित इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेंद्र बहादुर सिंह (56), अमिलौरी गांव स्थित अपने घर से कार में सवार होकर निकले थे तभी घर से दो सौ मीटर की दूरी पर पूर्वाह्न करीब 10 बजे मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने कार के टायर पर गोली चला दी।

उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने कार के पास पहुंचकर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं और हमलावर मौके से फरार हो गए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंह को पास के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरों को पकड़ने के लिए टीम ने घेराबंदी की है।

कॉलेज के प्रबंधक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काशी प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह बघेल ने बताया कि योगेंद्र 1994 से कॉलेज में बतौर शिक्षक तैनात थे और इसी वर्ष एक जुलाई को उन्हें कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति दी गई थी।

विधायक के भाई और भतीजों पर अस्पताल के कर्मचारियों से मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में रविवार को मांट क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक राजेश चौधरी के भाई और भतीजों के खिलाफ एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में घुसने से मना करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

अस्पताल के सीसीटीवी में कैद घटना का वीडियो देखने के बाद पुलिस ने संचालक की शिकायत पर विधायक के भाई और भतीजों सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, इस मामले में विधायक के भाई के पक्ष की ओर से उनके साथ मारपीट तथा अभद्रता किए जाने की तहरीर

दी गई थी लेकिन वीडियो में उनकी शिकायत की पुष्टि में न होने पर पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

हाईवे पुलिस थाना प्रभारी आनंद कुमार शाही ने सोमवार को बताया कि विधायक राजेश चौधरी की मां प्रेमवती महोली रोड स्थित डीएस अस्पताल में भर्ती हैं।

अस्पताल संचालक डॉ. ललित वार्ष्णेय ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार सुबह विधायक के भाई जितेंद्र सिंह, भतीजे देव चौधरी तथा संजय चौधरी और विधायक प्रतिनिधि जसवंत ने आईसीयू में जबरन घुसने की कोशिश की जब कर्मचारी प्रताप और सत्यपाल ने उन्हें रोका तो इन सभी ने मिलकर दोनों से मारपीट की तथा अस्पताल में तोड़फोड़ भी की। दूसरी ओर, विधायक के प्रतिनिधि जसवंत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह विधायक की मां को चाय पिलाने के लिए अस्पताल गए थे तभी आईसीयू में भर्ती मरीज का फोटो खींचने पर प्रताप समेत अन्य स्टाफ ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से कैंची और लोहे की रॉड से हमला किया।

शिकायत में कहा गया कि कर्मचारियों ने अपने साथियों को बुलाया और उन्हें कमरे में बंद करके पीटा। इसमें कहा गया कि 700 रुपये और सोने की एक चेन भी वार्ड में गिर गई। थाना प्रभारी ने बताया, "पुलिस अस्पताल पहुंची और सीसीटीवी फुटेज देखी जिसमें विधायक के भाई के पक्ष के आरोप गलत साबित हुआ, जबकि आरोपी अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मारपीट करते साफ नजर आये। इस पर विधायक के भाई और उनके भतीजों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।" इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता ने अस्पताल के कर्मचारियों से मारपीट की घटना की निंदा की है।

एक नजर

2027 के चुनाव से पहले सेमीफाइनल है उपचुनाव : तेज प्रताप यादव

करहल (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में मैनपुरी डीएम कार्यालय में करहल विधानसभा सीट से तेज प्रताप यादव ने अपना नामांकन भरा। इस दौरान सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं। नामांकन कार्यक्रम से पहले तेज प्रताप यादव ने सैफई स्थित आवास पर हवन पूजन किया और सैफई मेला ग्राउंड में बने नेताजी मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन कर भाजपा को हराने का काम किया था। इस उपचुनाव में समाजवादी पार्टी जीतेगी तो 2027 की तस्वीर भी साफ हो जाएगी। 2027 में सरकार बनाने का बड़ा दावा समाजवादी पार्टी करेगी।' उन्होंने इस उपचुनाव को सेमीफाइनल करार दिया है। उपचुनाव में भाजपा भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। इस संबंध में पूछे जाने पर तेज प्रताप यादव ने कहा, 'जनता के बीच भाजपा विश्वास खो चुकी है। जनता भाजपा की नीतियों और उनके एजेंडे को समझ चुकी है। कई साल उन्होंने झूठ के आधार पर सरकार चलाई। लेकिन, जनता का भाजपा से मोहभंग हो चुका है और जनता ने तय कर लिया है कि उन्हें सबक सिखाया जाएगा।' उन्होंने कहा कि करहल की जनता का समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ाव हमेशा से रहा है। इस उपचुनाव में भी हमें जनता की ओर से भारी समर्थन मिलेगा और हम करहल सहित सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करेंगे। बहराइच में बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाए जाने पर उन्होंने कहा, 'भाजपा ने बुलडोजर के माध्यम से लोगों को डराने का काम किया है। अच्छी बात है कि कोर्ट इस पूरे मामले का संज्ञान ले रहा है।' बता दें कि उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। हालांकि, मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर अब भी संशय बरकरार है।

बरामद सोना जौहरी को बेचने के आरोप में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में चोरी किए जेवरात बरामद किए जाने के बाद उन्हें पिघलाकर जौहरी को बेचने के आरोप में एक थाना प्रभारी और प्रशिक्षु दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) हरीश चंदर ने बताया कि बर्रा थाना क्षेत्र में एक अक्टूबर को अध्यापिका शालिनी दुबे के घर में घुसे चोरों ने सोने के आभूषण समेत कीमती सामान पर हाथ साफ कर लिया जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चंदर ने बताया, "पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि अध्यापिका के घर में चोरी के मामले में उन्हें रेल बाजार थाने की पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस दौरान उन्होंने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को उस जौहरी के बारे में भी बताया था जिसे उन्होंने लूटा हुआ सोना बेचा था।" अपर पुलिस आयुक्त के अनुसार, "जांच में पता चला कि रेल बाजार थाने के पुलिसकर्मियों ने बताये गये जौहरी को बुलाया था जिसने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को करीब 25 लाख रुपये का सोना लौटा दिया। जौहरी ने उसके खिलाफ मामला दर्ज न करने का अनुरोध किया था।" उन्होंने दावा किया, "आरोपी पुलिसकर्मियों ने गहनों को पिघलाकर शुद्ध सोना निकाला और बाद में उसे दूसरे जौहरी को बेच दिया। इन गंभीर आरोपों की जांच के लिये एक टीम गठित की गयी थी। जांच में पुलिसकर्मियों को अवैध रूप से सोना बेचने और कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने का दोषी पाया गया।" चंदर के मुताबिक इस आधार पर रेल बाजार थाने के प्रभारी विजय दर्शन शर्मा, प्रशिक्षु दारोगा नवीन श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सुभाष तिवारी और आमिल हफीज को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कालीन बुनकर को बदनाम करने के आरोप में व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

भदोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में एक कालीन बुनकर को अपशकुनी कहकर बदनाम करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यान ने सोमवार को बताया कि सुरयावा थाना क्षेत्र के रहने वाले कालीन बुनकर शिव शंकर गुप्ता की तहरीर पर दमड़ी उर्फ राय चंद यादव के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 (जान-बूझकर अपमान करना और शांति भंग करने के लिए उकसाना), 351 (3) (झूठा बयान देना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गयी है। उन्होंने बताया कि वादी शिव शंकर गुप्ता का आरोप है कि नागमलपुर गाँव का रहने वाला राय चंद उसे कहीं भी काम करने नहीं दे रहा है। पिछले दो महीने से जहां भी वह कालीन बुनाई के लिए जाता है वहां दमड़ी उसे अपशकुनी कहकर काम देने वाले व्यक्ति को मना कर देता है। गुप्ता का आरोप है कि दमड़ी उसे हर जगह बदनाम करता है और कालीन इकाई चलाने वाले मालिकों को उसके खिलाफ बरगलाता है। गुप्ता के अनुसार, दमड़ी अब तक सात जगहों से उसे काम से निकलवा चुका है और पिछले दो महीने से काम नहीं मिलने से वह भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। शिकायत में कहा गया है कि जब गुप्ता ने दमड़ी की कार्रवाइयों को लेकर आपत्ति जताई तो उसने गुप्ता को अपशब्द कहे तथा उसे और बदनाम करने की धमकी दी जिससे उसके लिए गांव में रहना मुश्किल हो गया है।

दिल्ली पुलिस ने डकैती के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के हेड कांस्टेबल के घर पर छापा

मेरठ (उप्र), एजेंसी। दिल्ली में हुई डकैती के एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के घर पर छापेमारी की गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हेड कांस्टेबल वीर सिंह उत्तर प्रदेश के शामली जिले में तैनात है। डकैती की घटना कुछ दिन पहले दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में हुई थी। मेरठ के जानी थाना के प्रभारी पंकज सिंह ने सोमवार को बताया, "दिल्ली पुलिस ने जानी क्षेत्र में एक हेड कांस्टेबल के घर पर छापेमारी की। हालांकि मैं इसके बारे में अधिक जानकारी देने में असमर्थ हूं। मुझे केवल इतना पता है कि दिल्ली पुलिस कल दोपहर एक मामले में छापेमारी के लिए आयी थी। उन्होंने हमारे थाने में अपनी हाजिरी दर्ज कराई थी लेकिन उन्होंने छापेमारी के बाद ऐसा किया।" उन्होंने कहा, "छापेमारी में क्या बरामद हुआ या नहीं, यह सिर्फ दिल्ली पुलिस ही स्पष्ट कर सकती है।" सिंह ने कहा, "जिस हेड कांस्टेबल के घर पर छापा मारा गया वह वर्तमान में शामली जिले में तैनात है और जानी (मेरठ) का निवासी है।"स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में ज्यादा जानकारी न देते हुए इसे "दिल्ली पुलिस का मामला" बताया।

एक नजर

बड़ी बहन की शादी से पहले गायब हो गई छोटी बहन

□अपहरण की आशंका □परिजनों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। मुजफ्फरपुर जिले के कांटी प्रखंड के पानापुर करियात थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के अचानक गायब होने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि 18 अक्टूबर को लड़की कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने लड़की की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। आशंका जताई जा रही है कि लड़की का अपहरण किया गया है। परिजनों ने थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव के कुछ युवकों ने उनकी बेटी का अपहरण किया है। लड़की की बड़ी बहन की शादी हो चुकी है और छोटी बहन की शादी 17 नवंबर को होनी है। ऐसे में इस घटना से परिवार में मातम छा गया है। पानापुर करियात थाना प्रभारी ने बताया कि उन्हें शिकायत मिल गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और जल्द ही लड़की को ढूंढ निकालने की कोशिश कर रही है।

भाकपा माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा' का कल्याणपुर में जोरदार स्वागत

कल्याणपुर(समस्तीपुर),संवाददाता। भाकपा माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा' का कल्याणपुर प्रखंड में जोरदार स्वागत किया गया। बेनीपट्टी, मधुबनी से शुरू हुई इस यात्रा ने मिथिलांचल की धरती से होते हुए हायाघाट के रास्ते कल्याणपुर प्रखंड में प्रवेश किया। यहां माले कार्यकताओं और समर्थकों ने प्रखंड सचिव दिनेश कुमार और पूसा प्रखंड सचिव अमित कुमार विक्की शाह के नेतृत्व में पदयात्रा का माला पहनाकर स्वागत किया। पदयात्रा मुख्यमंत्री सड़क से गुजरते हुए मालीपुर पहुंची, जहां एक जनसभा का आयोजन किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम का संचालन प्रखंड सचिव दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में मिथिलांचल प्रभारी धीरेंद्र झा, उमेश कुमार, महेश कुमार, सुखलाल यादव, बैद्यनाथ यादव और सुरेंद्र प्रसाद आदित्य ने संबोधित किया। मौके पर पदयात्रा में मौजूद प्रमुख कार्यकताओं में संचारी देवी, साधना शर्मा, मोहम्मद जलालुद्दीन, अशोक पासवान, पप्पू पासवान, देवेंद्र कुमार और रणजीत राम आदि उपस्थित थे।

डॉ. महेन्द्र मधुकर को मिला 'विधा वाचस्पति' सम्मान

मुजफ्फरपुर/पटना,संवाददाता। हिन्दी साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षर डॉ. महेन्द्र मधुकर को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की सर्वोच्च उपाधि 'विधा वाचस्पति' सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान रविवार को पटना के विराट सभा कक्ष में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित और सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. मधुकर हिन्दी साहित्य के जाने-माने उपन्यासकार, कवि और आलोचक हैं, जिन्हें 70 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। डॉ. मधुकर के नाम पर 17 उपन्यास, 10 कविता संग्रह और 15 आलोचनात्मक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। 'विधा वाचस्पति' सम्मान की महत्ता इस बात से समझी जा सकती है कि यह डी.लिट. उपाधि के समकक्ष है। डॉ. मधुकर को यह सम्मान मिलने पर मुजफ्फरपुर के साहित्य जगत में हर्ष की लहर दौड़ गई है। नटवर साहित्य परिषद, प्रेमचंद साहित्य परिषद और अन्य प्रमुख साहित्यिक संस्थाओं के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी है।

बिहार के 21 आईएएस अफसर 'महाराष्ट्र-झारखंड' में कराएंगे विस चुनाव

□निर्वाचन आयोग ने बनाया सामान्य प्रेक्षक

पटना,संवाददाता। बिहार कैडर के 21 आईएएस अधिकारी झारखंड एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सामान्य प्रेक्षक होंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के इन अधिकारियों की सूची राज्य सरकार को उपलब्ध कराई है। इस आलोक में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि चुनाव आयोग के निदेशों का पालन करें। बिहार कैडर के जिन आईएएस अधिकारियों को महाराष्ट्र और झारखंड का सामान्य प्रेक्षक बनाया गया है, उन्हें बिहार मानवाधिकार आयोग के सचिव राजेश कुमार हैं, इसके अलावे निदेशक संग्रहालय राहुल कुमार, ग्रामीण कार्य विभाग की विशेष सचिव उज्जवल कुमार सिंह, बंदोबस्त प्राधिकारी कटिहार नरेश झा, मधेपुरा के बंदोबस्त पदाधिकारी ब्रजेश कुमार, उदयन मिश्रा, संजीव कुमार, राजेश मीणा, अनिल कुमार झा, सुश्री रंजीता, संसदीय कार्य विभाग के अपर सचिव नवीन, जयप्रकाश सिंह, नवीन कुमार सिंह, विद्यानंद सिंह, सुनील कुमार-1, पवन कुमार सिंह,यह बंदोबस्त पदाधिकारी जमुई में पद स्थापित हैं। श्रीमती संगीता सिंह, रंजीत कुमार, प्रवीण कुमार और सज्जन आर. शामिल हैं। चुनाव आयोग के पत्र के आलोक में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो. सोहैल ने यह जानकारी दी है। चुनाव आयोग की तरफ से सभी संबंधित अधिकारी जो सामान्य प्रेक्षक बनाए गए हैं, उनके लिए विशेष दिशा निर्देश दिए हैं।

लोदीपुर नरसंहार के 15 दोषियों को उम्रकैद

□भूमि विवाद में महिला आरोपी ने जनरल डायर की तरह दिया था गोली चलाने का आदेश

नालन्दा,संवाददाता। जमीन विवाद में एक महिला आरोपी ने जनरल डायर की तरह गोली चलाने का आदेश दिया था। उसके बाद आरोपी ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे थे। बिहार के चर्चित लोदीपुर नरसंहार मामले में कोर्ट ने आज आरोपियों को सजा सुनाई है। जिले के राजगीर प्रखंड के छबिलापुर थाना इलाके में भूमि विवाद में 4 अगस्त, 2021 को हुए चर्चित लोदीपुर नरसंहार मामले में कोर्ट ने 15 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

आरोपियों में एक महिला चिंता देवी भी शामिल हैं। जबकि, दो नाबालिग आरोपियों की सुनवाई किशोर न्याय परिषद में चल रही है। बिहारशरीफ व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-तीन अखौरी अभिषेक सहाय ने 15 आरोपियों को हत्या समेत जानलेवा हमला और अन्य धाराओं के अलावा शस्त्र अधिनियम में दोषी पाए जाने के बाद आज सजा सुनाई। मामले में अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक कैसर इमाम और सूचक की ओर से अधिवक्ता कमलेश कुमार ने सभी 25 लोगों की गवाही कराई थी। वहीं आरोपियों ने भी बेगुनाही साबित करने के लिए चार लोगों की कोर्ट में गवाही कराई थी। सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित पक्ष ने राहत की सांस ली है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उम्र कैद की जगह फांसी की सजा होती तो ज्यादा अच्छा होता। आरोपित भोला यादव, रामकुमार यादव, विनय यादव, लल्लू यादव, गुड्डी यादव, छोटी यादव, नीतीश यादव, इंदु यादव, महेंद्र यादव और चिंता देवी छबिलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव के निवासी हैं। इन्हें सजा मिली है। जबकि, कृष्ण यादव, विनोद यादव और श्यामदेव यादव करमूबिगहा गांव के रहने वाले हैं। वहीं आरोपित अवधेश यादव मालीसांढ़ गांव के निवासी हैं। मृतक और आरोपियों के बीच वर्ष 2010 से जमीन विवाद चल रहा था। इस संबंध में एक टाइटल सूट मुकदमा न्यायालय में लंबित है। विवादित जमीन को लेकर 4 अगस्त, 2021 को 12 बजे दिन में आरोपित ट्रैक्टर लेकर विवादित खेत की जुताई कर रहे थे। इसी दौरान सूचक व उनके परिजन वहां पहुंचे और कोर्ट में मुकदमा का हवाला देकर फैसला आने तक जोताई नहीं करने का आग्रह किया। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी व गाली-गलौज हुई। इसी दौरान आरोपित चिंता देवी के आदेश पर सभी आरोपित अंधाधुंध गोली चलाने लगे। जिसमें 5 लोगों की मौत गोली लगने से हो गई थी।

इस नरसंहार में धीरेंद्र यादव, यदु यादव, महेश यादव, पिंटू यादव और सिब्बल यादव की गोली लगने से मौत हो गयी थी। वहीं बिंदा उर्फ वीरेंद्र कुमार, मंटू उर्फ अतुल, मिठू यादव और परशुराम यादव गोली लगने से जख्मी हो गए थे। ये मामला बिहार में काफी चर्चा में रहा था। बाद में इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने जांच की और अभी पिछले महीने कोर्ट ने आरोपियों को दोषी ठहराया। जिसके बाद उन्हें आज सजा सुनाई गई। सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित पक्ष ने खुशी जताई है। हालांकि, उन्होंने फांसी की बात कही थी।

अमित शाह और शिवराज चौहान की राह पर जदयू कोटे की मंत्री

□बिहार में सीएम नीतीश करेंगे कुछ बड़ा खेल?

पटना,दीपक कुमार तिवारी। बिहार की सियासत में खेल जारी है। पक्ष हो या विपक्ष, नेता-मंत्री यात्रा पर यात्रा निकाल रहे हैं। तेजस्वी- गिरिराज सिंह के बाद नीतीश सरकार की एक मंत्री आज से यात्रा शुरू कर रही हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि महिला मंत्री, अमित शाह और शिवराज सिंह चौहान की तर्ज पर यात्रा निकालने जा रही हैं। मंत्री जी रात में आदिवासी गांव में रुकेंगी और लोगों से बात करेंगी। दरअसल, बिहार सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह अपने विधानसभा क्षेत्र धमदाहा (पूर्णिया) से ग्राम गौरव यात्रा शुरू कर रही हैं। यह यात्रा सोमवार से शुरू होकर गुरुवार तक चलेगी। इस दौरान वे जिले के अलग-अलग इलाकों का दौरा करेंगी। इस यात्रा का मकसद सामाजिक जागरूकता फैलाना और लोगों की भागीदारी बढ़ाना है।

लेशी सिंह ने कहा कि यह पूरी तरह से सामाजिक अभियान है जिसे आमजन की भागीदारी से ही सफल बनाया जा सकेगा। यात्रा की शुरूआत सोमवार यानी आज सुबह 11 बजे मीरगंज लाइब्रेरी के पास स्थित पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व रामनारायण मंडल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगी। इस यात्रा के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम गौरव यात्रा के दौरान समाज के प्रतिष्ठित पुरुषों, महिलाओं और युवाओं को 'ग्राम गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'प्रतिभा सम्मान' से नवाजा जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'जल-जीवन हरियाली' अभियान के तहत वृक्षारोपण और वृक्ष दान को बढ़ावा दिया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई जाएगी। मंत्री लेशी सिंह इस यात्रा के दौरान दलित और आदिवासी बहुल गांवों में रात्रि विश्राम करेंगी और लोगों से सीधा संवाद करेंगी। सुबह गांव में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जाएगा।

लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए 'निदान संवाद' कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का तुरंत निदान किया जाएगा। मंत्री लेशी सिंह लोगों को नशामुक्ति और सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए शपथ भी दिलाएंगी।

ई रिक्शा ऑटो चालकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का विशेष कैंप का आयोजन करो: सुरेंद्र पासवान

जितेंद्र कुमार,बिट्टू

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। ई-रिक्शा ऑटो चालक संघ बेतिया की ओर से नगर भवन से एक प्रदर्शन शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए समाहरणालय गेट तक पहुंचा। समाहरणालय गेट के पास प्रदर्शन एक सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए ट्रेड यूनियन सेन्टर ऑफ इंडिया (टीशू) के जिला प्रभारी कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने कहा कि बेतिया नगर निगम के द्वारा अलग-अलग चौराहों पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों से मनमानी टैक्स रसीद काटकर चालकों के साथ घोर अन्याय, नगर निगम के द्वारा चयनित कर्मचारी टैक्स लेने वालों की आईडी कार्ड बनवाने, बेतिया रेलवे स्टेशन और राज देवड़ी बेतिया में ई-रिक्शा द्वारा हो रही अवैध वसूली को लेकर जिला प्रशासन की सुस्ती पर नाराजगी व्यक्त किया। ट्रेड यूनियन के नेता कॉमरेड रवीन्द्र रवि ने कहा की बेतिया नगर निगम क्षेत्र के सभी सड़कें व्यापक स्तर पर टूटी फूटी है, जिस कारण ई- रिक्शा बराबर पलट जाता है और ड्राइवर से लेकर यात्री तक चोटिल हो जाते हैं। ई रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र पासवान और सचिव लड्डू कुमार ने कहा की ई रिक्शा ऑटो चालकों के साथ अक्सरहां चौक-चौराहे पर ट्राफिक पुलिस द्वारा किये जाने वाले दुर्व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त किये। संघ का उपाध्यक्ष युसूफ अंसारी और हरिशंकर प्रसाद ने कहा की ई- रिक्शा आटो चालको को अलग से ड्राईविंग लाईसेंस बनवाने की व्यवस्था नहीं होने के कारण चालकों को माफियाओं द्वारा शोषण का शिकार हो जाना पड़ता है।

सभा को ट्रेड यूनियन ऑफ सेंटर (टीशू) के जिला नेता भरत शर्मा, आफताब आलम,मेराज शेख, मीठू कुमार, विनिश कुमार आदि नेतागणों ने भी संबोधित किया। रवीन्द्र कुमार 'रवि' सुरेंद्र पासवान, हरिशंकर प्रसाद, भरत शर्मा, आफताब आलम, मेराज शेख,मिठू कुमार द्वारा अपनी 8 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन जिला पदाधिकारी को सौपा। मौके पर आर्यन कुमार, गोलू कुमार, आकाश कुमार, सुरेश पासवान, सुरज साह,कुन्दन महतो, शाजन कुमार, शमशाद अंसारी, वृजेश कुमार, शम्मी आलम सहित सैकड़ों चालक मौजूद थें। उक्त जानकारी संघ के सचिव लड्डू कुमार ने दी।

अचानक शांत पड़ गई पोखर की मछलियां, मंजर देख कर हैरान रह गए ग्रामीण

बांका,संवाददाता। जिले के अमरपुर प्रखंड के भिखनपुर गांव के नील महा कोठी पोखर में शरारती तत्वों ने बड़े कांड को अंजाम दिया है। असामाजिक तत्वों ने पोखर में जहर मिला दिया। जिससे कई क्विंटल मछलियों की मौत हो गई है। मछली पालक किसान परेशान हैं। उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है। इस मामले को लेकर प्रगतिशील किसान मंच के मछली पालक प्रियव्रत शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी पुश्तैनी पोखर में मछली पालन किया था। जिसमें लाखों की कीमत की मछली मौजूद थी। देर रात कुछ ग्रामीणों ने उन्हें सूचना दी और कहा कि मछलियों की मौत हो गई है। मछलियां पोखर के किनारे मृत पड़ी हैं। सूचना के बाद जब वो पोखर के पास पहुंचे, तो स्थिति काफी भयावह थी। मछली पालक ने बताया कि देर रात पोखर में जहर डालने का काम किया गया है। घटना के बाद उसकी लिखित शिकायत प्रशासन से की गई है। प्रशासन ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। बार- बार पोखर में जहर डालने की घटना हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो गांव के सैकड़ों पशुओं की मौत हो सकती है। वे पानी पीने के लिए इसी पोखर में आते हैं। मामले में अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार झा ने बताया कि मामले को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है, जांच कर कार्यवाही की जाएगी। ध्यान रहे कि कुछ दिन पहले भी इसी पोखर में जहर डालने की घटना हुई थी। जिसके बाद भी प्रशासन ने कुछ नहीं किया था। इस बार एक बार फिर शरारती तत्वों ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है।

रिश्वत लेने के आरोप में एएसआई अपने ही थाने के हाजत में बंद

सारण,संवाददाता। सारण के मांझी थाने में पदस्थापित एएसआइ पप्पू कुमार सिंह को रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लेकर रविवार की रात उन्हीं के थाने की हाजत में बंद कर दिया गया। जबकि दूसरा आरोपित प्रशिक्षु दारोगा ओमप्रकाश साह चप्पल छोड़कर नंगे पांव थाने से भाग निकला।यह कार्रवाई सारण के एसपी डॉ. कुमार आशीष के निर्देश पर की गई है। इस संबंध में एसपी डा. कुमार आशीष ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।एक पुलिस पदाधिकारी को हिरासत में लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है। एसडीपीओ को जांच का निर्देश दिया है, रिपोर्ट के बाद विभागीय कार्रवाई शुरू होगी।बताया गया कि मांझी थाना पुलिस क्षेत्र के मरहा गांव में शराब मामले को लेकर छापामारी करने गई थी। वहां मांझी थाने में पदस्थापित एएसआइ व प्रशिक्षु दारोगा ने कोपा के तीन युवकों की बेरहमी से पिटाई कर दी और उनसे 21 हजार रुपये वसूल लिए।

मिट्टी खनन के दौरान दर्दनाक हादसा: महिला और उसके पोते की दबकर मौत

□पीयर थाना के बन्दरा की घटना

□परिजनों में कोहराम

□घटनास्थल पर जुटी रही लोगों की भीड़

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। पियर थाना क्षेत्र के बंदरा ग्राम पंचायत के वार्ड 7 में एक दर्दनाक हादसे में संजय पासवान की पत्नी नीतू देवी (50) और उनका पोता दिलखुश कुमार (12) की मिट्टी के चट्टान के नीचे दबकर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों दीपावली की तैयारियों के लिए घर-आंगन की सफाई हेतु चिकनी मिट्टी लाने पास के पोखर पर गए थे। मिट्टी खोदते समय अचानक मिट्टी का चट्टान उनके ऊपर गिर गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया और परिजनों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पीयर पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है। घटनास्थल पर पहुंचे बंदरा के सीओ अंकुर राय ने बताया कि यह घटना अत्यंत दुखद और दर्दनाक है। दोनों की मौत मिट्टी के चट्टान के नीचे दबने से हुई है। उन्होंने कहा कि इस घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी गई है, और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा में धर्म और अध्यात्म आवश्यक: प्रति कुलपति

मुंगेर,संवाददाता। शिक्षा का उद्देश्य देश के लिए संस्कारक्षम एवं अच्छे नागरिकों का निर्माण करना है, और यह तभी संभव है जब शिक्षा धर्म एवं अध्यात्म आधारित हो। इसमें शिक्षकों की भूमिका अहम होती है। यह कार्य विद्या भारती के विद्यालयों में तो होती है परंतु अन्य विद्यालयों में इसका अभाव दिखता है। उक्त बातें पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के प्रति कुलपति प्रो0 गणेश महतों ने अपने मुंगेर प्रवास के दौरान सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कही। आगे उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उचित पटरी के अभाव में ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, ठीक उसी प्रकार शिक्षा या कर्म चाहे छात्रों के द्वारा हो या शिक्षकों के द्वारा एक रेलगाड़ी के समान होता है जिसे चलने के लिए धर्म एवं अध्यात्म रूपी पटरी चाहिए। विद्या भारती ने इस चीज को समझा और अपने विद्यालयों में उन्होंने धर्म और कर्म दोनों पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि यहां के छात्र काफी संस्कारी और व्यवहारिक हैं। यहां छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान के अलावे और भी कई अन्य विधाओं जैसे योग, कला, संगीत, खेलकूद, गायन, नृत्य आदि की भी शिक्षा दी जाती है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण है।

छात्रों को अच्छा आचरण, अच्छी नीति और अच्छे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए छात्रों को स्वाध्याय, समर्पण एवं ईमानदारी जैसे गुणों को अपनाने की आवश्यकता होती है। विद्यालय में शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि यहां के शिक्षक अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति काफी उत्साही एवं समर्पित भाव से छात्रों को अध्ययन एवं उचित सामाजिक व्यवहार के प्रति उसमें रुचि जगाने का कार्य कर रहे हैं। विद्यालय की वंदना सभा के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब शांतचित एवं एकाग्र होकर वंदना करते हैं तथा ओम का उच्चारण करते हैं तो ध्यान गंभीर मुद्रा में एकाग्रचित्त रहता है। और एकाग्रचित होकर कुछ भी बराबर सोचने की जिनकी आदत पड़ जाती है तो उनकी याददाश्त बहुत मजबूतऔर मस्तिष्क बहुत तेज हो जाता है जिससे पढ़ाई में काफी लाभ मिलता है। यहां छात्रों एवं शिक्षकों की भाषा काफी परिमार्जित और बिल्कुल प्रदूषण रहित है। वो जितनी अच्छी हिंदी का उपयोग करते हैं उतनी ही अच्छी अंग्रेजी का भी। आजकल जिस प्रकार से उच्च शिक्षा प्राप्त लोग भी अनैतिक कार्य एवं भौतिकवादी नीति अपना रहे हैं इससे तो लगता है कि उन्होंने बचपन से ही सिर्फ पुस्तकीय शिक्षा ली है अच्छे विचार, अच्छी नीति एवं अनुशासन का अभाव रहा है। विद्यालय के उपप्रधानाचार्य उज्ज्वल किशोर सिन्हा द्वारा अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ तथा अर्चना पत्रिका भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया।

चरण सिंह

विचार

अखिलेश का कांग्रेस को नाराज करना मतलब तगड़ा झटका !

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर भाजपा से ज्यादा सीटें लाने वाली सपा अब विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस को भाव देने को तैयार नहीं। बाकायदा सपा ने ९ सीटों में से ६ सीटों पर प्रत्याशी उतार दिये हैं। कांग्रेस को सपा गाजियाबाद और खैर सीट ही देना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस ने पांच सीटों पर दावा ठोक अखिलेश यादव टेंशन बढ़ा दी है। कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि यदि ५ सीटें उसे नहीं मिली तो कांग्रेस उप चुनाव नहीं लड़ेगी। दरअसल कांग्रेस और सपा दोनों ओर से अड़ियल रवैया होने का बड़ा कारण लोकसभा चुनाव में सपा को भाजपा ३६ से ज्यादा ३७ सीटें तो कांग्रेस को पांच सीटें मिलना है। कांग्रेस के दिमाग में एक बात और बैठ गई है कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों का वोट सपा को राहुल गांधी की वजह से मिला है। हालांकि हरियाणा चुनाव हारने के बाद सपा कांग्रेस पर हावी और कांग्रेस बैकफुट पर दिखाई दे रही है।

दरअसल कांग्रेस को यह बात अखर रही है कि बिना सीटों के बंटवारे के लिए सपा ने मझवा, फूलपुर, करहल, कटेहरी, सीसामऊ और मीरापुर सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिये हैं। ऐसे में कांग्रेस का बिलबिलाना स्वाभाविक है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या सपा कांग्रेस से गठबंधन तोड़ना चाहती है ? क्या कांग्रेस उत्तर प्रदेश में चुनाव नहीं लड़ेगी। राजनीतिक के लहजे से सपा कभी नहीं चाहेगी कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में चुनाव न लड़े। यदि ऐसा हुआ तो मुसलमान वोटबैंक सपा से बिदक सकता है। और यदि कांग्रेस ने अपने दम पर उत्तर प्रदेश में उप चुनाव लड़ लिया तो सपा का पूरा खेल ही बिगड़ जाएगा। ऐसे में अखिलेश यादव नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस उससे नाराज हो।

दरअसल यह बात अखिलेश यादव भी जानते हैं कि उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के मुसलमान का रुख कांग्रेस की ओर है। देश का मुसलमान राहुल गांधी को अपना नेता मानने लगा है। ऐसे में अखिलेश यादव ऐसी भूल नहीं करेंगे। २०२७ के विधानसभा चुनाव से पहले वह नहीं चाहेंगे कि उनकी ओर से कांग्रेस के खिलाफ कोई संदेश जाए। अखिलेश यादव भी जानते हैं कि लोकसभा चुनाव में उन्हें जो ३७ सीटें मिली हैं उनमें कांग्रेस का बहुत बड़ा योगदान है। हरियाणा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस भी लचीला रुख अपनाएगी। ऐसे में गाजियाबाद, खैर और कुंदरकी सीटों पर कांग्रेस उप चुनाव लड़ सकती है। हो सकता है कि विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की बात भी अभी ही हो जाए। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बारे में सपा और सोच ले।

इसमें दो राय नहीं कि सपा कांग्रेस दोनों ही पार्टी भाजपा को खुलकर खेलने का मौका नहीं देंगी। ऐसे में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के स्तर पर सीटों का बंटवारा होने की पूरी उम्मीद है। वैसे तो संजय निषाद भी अपने सिंबल पर दो सीटों पर चुनाव लड़ने पर आमादा है। ऐसे में देखना यह होगा कि आखिरकार कौन सा गठबंधन टूटता है।

नेट पर बढ़ती निर्भरता शोध के दायरे को सीमित कर सकती है

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा अकादमिक जांच और आलोचनात्मक सोच के दायरे को सीमित कर रहा है

-प्रियंका सौरभ

नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं।

पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है।

नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को खतरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है।

नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाशाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर जोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। इसमें उम्मीदवार के शोध प्रस्ताव, व्यक्तिगत बयान, अनुशंसा पत्र और अकादमिक इतिहास की विस्तृत समीक्षा शामिल है, जर्मनी में छात्र स्नातक अध्ययन से सीधे पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं, बशर्ते वे असाधारण शोध क्षमता और अकादमिक प्रदर्शन प्रदर्शित करें)) विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना। आवेदकों का मूल्यांकन अनुसंधान में विभिन्न दृष्टिकोण लाने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है, जिसे अंतःविषय अध्ययन के लिए मूल्यवान माना जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं कि पीएचडी उम्मीदवार वास्तविक दुनिया के साथ अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एप्लिकेशन। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) उन छात्रों को प्रदर्शन-आधारित फेलोशिप प्रदान करता है जो अपने अकादमिक रिकॉर्ड, साक्षात्कार और प्रकाशनों के माध्यम से मजबूत शोध का वादा दिखाते हैं।

शिक्षा और अनुसंधान में भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए पीएचडी प्रवेश के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है-जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अकादमिक अनुसंधान में योगदान करने की क्षमता को महत्त्व देता है। व्यापक प्रवेश प्रक्रिया को अपनाकर, भारत अपने प्रतिभाशाली दिमागों को बरकरार रख सकता है, उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है और अकादमिक अनुसंधान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रह सकता है। वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, भारत को एक समग्र प्रवेश प्रक्रिया अपनानी होगी जो अनुसंधान में नवाचार, रचनात्मकता और विविध दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

बुढ़ापा खरीदने के लिए जवानी मत बेच देना

दीपक कुमार तिवारी

जीवन एक यात्रा है, जिसमें बचपन, जवानी, और बुढ़ापा जैसे कई पड़ाव आते हैं। इन पड़ावों में हर एक का अपना महत्त्व है और सभी जीवन के अनिवार्य अंग हैं। बचपन मासूमियत और शिक्षा का समय होता है, जवानी जोश और कर्म का दौर होता है, जबकि बुढ़ापा उस जीवन का निष्कर्ष है, जिसे हमने पूरी मेहनत और लगन से जिया है। यह वही समय होता है, जब व्यक्ति आराम से जीवन की धारा का अवलोकन करना चाहता है। लेकिन आज की तेज रफ्तार जिंदगी में, यह देखा जा रहा है कि लोग अपनी जवानी को सिर्फ बुढ़ापे की सुरक्षित गारंटी के लिए बेचने लगते हैं। यह लेख इसी विषय पर प्रकाश डालने का प्रयास करेगा–कि क्यों ह्लबुढ़ापा खरीदने के लिए जवानी मत बेच देनाह्व एक महत्वपूर्ण जीवन संदेश है।

जवानीः ऊर्जा और सृजन का समय

जवानी जीवन का वह दौर है, जिसमें व्यक्ति ऊर्जा, उत्साह, और संभावनाओं से भरा होता है। यह समय सपनों को साकार करने और दुनिया में अपना स्थान बनाने का होता है। यह वह समय है जब हम अपने करियर की शुरूआत करते हैं, नए रिश्तों को बनाते हैं, और अपने जीवन के लक्ष्यों की दिशा में बढ़ते हैं। जवानी की खास बात यह होती है कि इसमें हमारे पास निर्णय लेने की स्वतंत्रता और हिम्मत दोनों होती हैं। हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमता अपने चरम पर होती है, जिससे हम नई ऊंचाइयों को छूने का सामर्थ्य रखते हैं।

लेकिन इसी उम्र में एक और दबाव भी होता है–भविष्य की सुरक्षा का। आज के आधुनिक युग में, हम में से अधिकांश लोग अपने भविष्य को लेकर इतने चिंतित हो जाते हैं कि वर्तमान का आनंद लेना भूल जाते हैं। करियर, पैसा, और समाज में अपनी पहचान बनाने की दौड़ में, हम अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण दौर को बेमतलब चिंता और तनाव में खोने लगते हैं।

बुढ़ापाः जीवन का संतोषजनक पड़ाव

बुढ़ापा जीवन का वह चरण है जब व्यक्ति अपेक्षाकृत शांत और स्थिर हो जाता है। यह वह समय है जब व्यक्ति अपने बीते हुए जीवन की उपलब्धियों को समेटता है और एक शांतिपूर्ण जीवन जीने की इच्छा रखता है। इस समय व्यक्ति चाहता है कि वह अपने बच्चों के साथ समय बिताए, अपनी हॉबीज का आनंद ले और बिना किसी आर्थिक दबाव के जीवन व्यतीत करे।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि बुढ़ापा पूरी तरह से सिर्फ आराम का नहीं है। इस समय व्यक्ति अपने अनुभवों के आधार पर खुद को आत्मिक रूप से भी समृद्ध करता है। यह वह समय होता है जब व्यक्ति अपनी जीवन यात्रा की समीक्षा करता है और समझता है कि उसने अपने जीवन में कौन से सही निर्णय लिए और कहां गलतियां हुईं।

जवानी को बेचने का मतलब क्या है?

आज के समाज में एक प्रवृत्ति यह है कि लोग अपनी जवानी को इस प्रकार जीने लगते हैं मानो यह सिर्फ एक साधन हो–आर्थिक स्थिरता और भविष्य की सुरक्षा के लिए। करियर में सफलता की होड़, ज्यादा पैसे कमाने की लालसा, और एक सुरक्षित बुढ़ापे की चाहत के चलते, लोग अपने सबसे कीमती समय–यानी अपनी जवानी को त्यागने लगते हैं। उन्हें लगता है कि अगर वे अपने बुढ़ापे के लिए पर्याप्त आर्थिक व्यवस्था कर लें, तो जीवन सफल हो जाएगा।

लेकिन इस सोच का एक बड़ा नुकसान यह है कि लोग अपने आज को खो देते हैं। वे अपने वर्तमान को उस भविष्य के लिए त्याग देते हैं जो अभी आया ही नहीं है। इस प्रकार वे अपनी ऊर्जा, उत्साह, और यहां तक कि अपने रिश्तों को भी दांव पर लगा देते हैं। उन्हें यह अहसास नहीं होता कि जीवन का सच्चा आनंद न तो सिर्फ भविष्य की चिंता में है और न ही केवल भूतकाल की यादों में–बल्कि वर्तमान में है।

जवानी और बुढ़ापे के बीच संतुलन कैसे बनाए रखें?

यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर इस संतुलन को कैसे बनाए रखा जाए? जीवन के इन दोनों महत्वपूर्ण चरणों के बीच एक मध्यमार्ग कैसे अपनाया जाए ताकि न तो हम अपनी जवानी खोएं और न ही बुढ़ापे को असुरक्षित बनाएं?

प्राथमिकताएँ तय करेंः जीवन के हर चरण में यह जरूरी है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को सही से समझें। अगर हम अपने जीवन के हर पहलू को महत्त्व देंगे–चाहे वह करियर हो, रिश्ते हों या खुद की देखभाल–तो हम इस संतुलन को बेहतर तरीके से बनाए रख सकते हैं।

वित्तीय योजना बनाएं, लेकिन अति न करेंः भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत और निवेश आवश्यक हैं, लेकिन इसके लिए अपनी पूरी जवानी कुर्बान कर देना सही नहीं है। सही योजना के साथ हम वर्तमान में भी खुशी से जी सकते हैं और भविष्य के लिए भी सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वास्थ्य का ध्यान रखेंः सिर्फ पैसे कमाना ही बुढ़ापे के लिए सुरक्षा नहीं है। स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है। इसलिए आज के समय में स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना भविष्य के लिए एक बड़ा जोखिम हो सकता है।

रिश्तों का महत्त्व समझेंः चाहे आप कितने भी व्यस्त हों, रिश्तों को समय देना न भूलें। परिवार और दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपको मानसिक शांति और स्थायित्व देगा, जो किसी भी वित्तीय सुरक्षा से अधिक मूल्यवान है।

मौका मिले तो रुककर जीवन का आनंद लेंः अपने जीवन के हर छोटे-बड़े पलों का आनंद लें। आज आप जो कर रहे हैं, वह आपके भविष्य का एक हिस्सा होगा। इसलिए, इसे पूरी तरह से जीना और सराहना जरूरी है।

निष्कर्षः संतुलित जीवन की कला

ह्लबुढ़ापा खरीदने के लिए जवानी मत बेच देनाह्व एक गहरा और विचारशील संदेश है, जो हमें जीवन के हर चरण में संतुलन बनाए रखने का संकेत देता है। जीवन की इस यात्रा में न तो केवल भविष्य की चिंता में जीना सही है और न ही अतीत में खोए रहना। हमें अपने वर्तमान का सम्मान करना चाहिए, उसे पूरी तरह से जीना चाहिए, और अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए संतुलित फैसले लेने चाहिए।

जीवन का सच्चा सुख इसी संतुलन में है–कि हम अपनी जवानी को पूरी तरह से जीएं और भविष्य की सुरक्षा के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाएं, लेकिन इसके लिए अपने आज को न खोएं। आखिरकार, जीवन केवल गुजरने का नाम नहीं है, बल्कि हर एक पल का आनंद लेने का नाम है।

अच्छे व्यक्ति का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए

ऊषा शुक्ला

अच्छे व्यक्ति का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, । यह बहुत बड़ा पाप है क्योंकि सच्चे और अच्छे व्यक्ति का सबसे बड़ा साथी भगवान होता है । और जो लोग अपने आप को बहुत चालाक समझते हैं और किसी अच्छे व्यक्ति से मदद माँग कर उसे बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं वास्तविकता में वे अपने आपको बड़ा बेवकूफ बना रहे हैं।आजकल लोग किसी सीधे सादे सज्जन व्यक्ति को इतना परेशान कर देते हैं कि उसे अपने अच्छे होने पर शर्म आने लग जाती है। बल्कि, अच्छे व्यक्ति के गुणों को समझकर उनसे सीखना चाहिए। यदि आपके साथ कोई व्यक्ति सिर्फ. अच्छा ही करता है तो उसे मूर्ख नहीं समझना चाहिए बल्कि भगवान से डर कर उसका सम्मान करना चाहिए । अजीब सी मानसिकता के कुछ लोग हो गए हैं जो सीधे सादे व्यक्ति को बहुत मूर्ख समझते हैं ।एक अच्छा इंसान का पहचान उनके कृतित्व, ईमानदारी, सामाजिक सद्भावना, सहानुभूति, और आदर्श आचरण से हो सकता है। वे दूसरों के साथ निमार्णात्मक और सहयोगी रूप में व्यवहार करते हैं, और दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं।अगर हम चाहते हैं कि हमारी दुनिया खुशहाल रहे तो एक अच्छा इंसान बनना और दयालु होना बहुत जरूरी है। बुरे लोग बुरे बनना चुनते हैं लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। अक्सर देखा गया है कि जो व्यक्ति वास्तव में अच्छा होता है उसे ही लोग बदनाम करने में अपना समय व्यर्थ करते हैं। आखिर लोग ऐसा क्यों करते हैं कि वह किसी सज्जन व्यक्ति के सीधेपन का फायदा उठाते हैं । एक बेटा बस अपने सीधे स्वभाव के कारण अपने ही परिवार में लज्जित हो गया। परिवार के लोगों ने सोचा कि यह तो सीधा व्यक्ति है किसी से लड़ेगा नहीं किसी से झगड़ा का नहीं, तो क्यों ना इसका हिस्सा मार लिया जाए, इसे कुछ भी दिया ना जाए। उल्टा इसका सब कुछ खाकर इसको ही बदनाम कर दिया जाए। एक सभ्य बेटे की कमाई पर जो दुसरे निठल्ले बेटे अपना हक समझ कर अपना जीवन काट रहे हैं उन्हें जरा भी शर्म नहीं आ रही है कि वह किसके हिस्से पर अपना अधिकार समझ रहे हैं, बड़े शर्म की बात है।आपको अच्छा बनना और दयालुता फैलाना चुनना होगा। आप उन लोगों को यह तय करने नहीं दे सकते कि आप दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं।वह लोगों के पीछ-पीछे बुराई नहीं करता, शिकायत नहीं करता, कोई बार छुपाता नहीं, बेइमानी नहीं करता. अच्छा इंसान अपनी समस्याओं को अपने प्रियजनों पर नहीं डालता. वह घर पर किसी को आभास भी नहीं होने देता कि वह किसी परेशानी में है. इस तरह वह अपनों को खुश रखने के लिए खुद की परेशानियों को उनसे दूर रखता है. । अच्छाई का सीधा सा सिंपल सा अर्थ है किसी के साथ बुरा ना करना, जब आप ने किसी का बुरा नहीं चाहा तो आप अच्छे इंसान हैं और इसका मतलब यह नहीं कि आप हर इंसान के आगे सर झुकाते रहो हर इंसान की बात मानते रहो. वह अच्छा ही नहीं है वह तो मूर्खता है और आप चाहते हैं कि कोई भी आपकी अच्छाई का फायदा ना उठाएं आप के भले होने का फायदा ना उठाएं या आपको नुकसान न पहुंचाएं या आपके साथ गलत न करें तो यह पांच बातें आप जरूर ध्यान में रखें।गलत और सही" यह अपनी अपनी माइंड प्रोग्रामिंग के हिसाब से अपनी-अपनी सोच है। हम सही गलत की पहचान भी तभी कर पाते हैं जब हमारे हाथ में ज्ञान का दीपक हो। जो सामने वाला गलत कर रहा है तो जाहिर है, वह समझ नहीं रहा, सही गलत की पहचान नहीं कर पा रहा। हमें उसका साथ छोड़ने के बजाए, उसे समझाना चाहिए। समझे तो ठीक, न समझे तो उसकी मर्जी। हमें उसका साथ छोड़ने के बजाए उसे समझाने की और उसे गलत करने से रोकने की पूरी-पूरी कोशिश करनी चाहिए। लोगों को सही राह दिखाना यह हमारा फर्ज है, लेकिन अगर लाख कोशिश करने के वाबजूद भी अगर कोई न समझे, न सुधरे तो ऐसे लोगों का साथ छोड़ना ही उचित है क्योंकि जैसे हमारे संगी-साथी होते हैं, धीरे धीरे हम भी वैसे ही होते जातें हैं।भले यह दुनिया चालाक लोगों से चलती है पर फिर भी भगवान के घर सभी व्यक्ति का ही सम्मान होता है।

मजदूर आंदोलन में सोशलिस्ट तहरीक की भूमिका

प्रो राजकुमार जैन

भाग 5

प्रोफेसर राजकुमार जैन के इस लेख के पहले चार भागों में आप पढ़ चुके हैं कि किस प्रकार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के स्थापना सम्मेलन में कांग्रेस के एजेंडा पर मजदूरों और किसानों के हितों के सर्वोपरि रखने के प्रयास शुरू हो गए थे और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के प्रथम सम्मेलन में मजदूरों से संबंधित प्रस्ताव में किस तरह से बहुत से प्रगतिशील कदमों की सिफारिश की गई। पिछली किश्तों में डॉ लोहिया और जयप्रकाश नारायण (जे पी) की मजदूरों और कामगारों के लिए प्रतिबद्धता की बानगी देखने को मिली। आपने यह भी पढ़ा कि कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी कांग्रेस से अलग हो गई और इधर 1948 में सोशलिस्टों के प्रभाव तले काम कर रहे इंडियन लेबर फेडरेशन और हिंद मजदूर पंचायत को मिलाकर एक नया मजदूर संगठन बनाया गया और इसका नाम 'हिंद मजदूर सभा' रखा गया। इस किश्त में आप पढ़ेंगे कि सोशलिस?ट जहाँ कामगारों की जमीनी लड़ाई में आगे रहे है, वहीं आंदोलन के नये औजार और उसके वैचारिक पक्ष पर भी लीक से हटकर नये परिपेक्ष में मजदूरों के अधिकारों , चार्टर .मांगपत्र को भी गहन छान-बीन कर तथ्यों पर आधारित हकीकत से जोड़कर प्रस?तुत करते आये है। प्रस्तुत है पाँचवीं किश्त।

1952 के आम चुनाव से पहले सोशलिस्ट पार्टी ने अपना घोषणा पत्र 'वि बिल्ड फॉर सोशलिज्मह्व अंग्रेजी में तथा ह्लसमाजवादी निर्माण की ओरह्व हिंदी' शीर्षक से प्रकाशित किया। इसमें देश के उद्योगों को तीन वर्गों में विभाजित किया। राष्ट्रीयकृत सेक्टर, मध्य दर्जे के गैर सरकारी उद्योग के सेक्टर, सहकारी सेक्टर, घोषणा पत्र में यह मांग की गई थी कि क्रेडिट इंस्टीट्यूशंस और बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण हो, वस्त्र उद्योग, चीनी और सीमेंट उद्योग जिनकी आम आदमी को काफी मात्रा में आवश्यकता होती है उन्हें सार्वजनिक सेक्टर में रखा जाए। भारी उद्योग जैसे लोहा, इस्पात, बिजली, पावर, भारी रसायन, खान, जहाजरानी और रेलवे राष्ट्रीयकृत वर्ग में होना चाहिए। इन उद्योगों का प्रबंधन पूर्ण रूप से राज्य के हाथ में होना चाहिए। शेष उद्योगों को छोटे उद्यमियों में से ऐसे लोगों के हाथ में दिया जाना चाहिए जिनमें उद्योग के संगठन की क्षमता हो और जिन्होंने अनिश्चितता के समय में भी जोखिम उठाने की क्षमता दिखाई है।

सोशलिस?ट जहाँ कामगारों की जमीनी लड़ाई में आगे रहे है, वहीं आंदोलन के नये औजार और उसके वैचारिक पक्ष पर भी लीक से हटकर नये परिपेक्ष में मजदूरों के अधिकारों , चार्टर .मांगपत्र को भी गहन छान-बीन कर तथ्यों पर आधारित हकीकत से जोड़कर प्रस?तुत करते आये है। काग्रेसं सोशलिस्ट पार्टी के 84वे स?थापना दिवस (17 मई) के अवसर पर समाजवादी समागम की ओर से ह्लसमाजवादी घोषणाह्व पत्र प्रकाशित किया गया तथा इस दिशा में क?या होना चाहिए उसको भी रेखांकित किया गया। .

चार्टर में सरकार की मजदूर सम्बन्धित नीतियों का निचोड़ इन शब्दों में किया गया कि सरकार एक तरफा तरीकों से श्रम सुधारों के नाम पर वर्तमान श्रम कानूनों में संशोधन कर अपने कार्यक्रमो को गतिशीलता के साथ लागू कर र?ही है।.सरकार ने 44 केन्द्रीय श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 कामगार एवं जन विरोधी, नियोजक समर्थक श्रम संहिताएँ औद्योगिक सम्बन्धो पर श्रम संहिता, वेतन पर श्रम संहिता, सामाजिक सुरक्षा पर श्रम संहिता तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर श्रम संहिता बनाने का निर्णय ले लिया है। कुछ राज्य सरकारों ने कुछ मूलभूत श्रम कानूनों जैसे कारखाना कानून, औद्योगिक विवाद. अधिनियम ठेका कामगार कानून आदि को संशोधित कर दिया है। जन विरोधी, श्रमिक विरोधी नियोजन समर्थक उक्त संसाधनों सॉरी का उद्देश्य वर्तमान श्रम कानून में लंबे संघर्ष से प्राप्त श्रमिक हित वर्धक प्रावधानों को शिथिल संशोधित और समाप्त करना है।

हमारे देश में कार्यरत लाखो खेतिहर मजदूर अत्यंत दयनीय स्थिति में कार्य कर रहे है, उन्हें असीमित घंटे कार्य करना पड़ता है, पारिश्रमिक के नाम पर बहुत कम धनराशि (जो अक्सर न्यूनतम वेतन से कम होती है) दी जाती है, कोई कार्य सुरक्षा नहीं। इन खेतीहर मजदूरों के वेतन कार्य दशाओ में सुधार किया जाये तथा चिकित्सा लाभ एवं बुढ़ापे का सहारा पेंशन कि व्यवस्था की जाए। .

सोशलिस्ट मैनिफेस्टो समाजवादी समागम (दिल्ली) की ओर से हिन्द मजदूर सभा के महासचिव साथी हरभजन सिंह सिद्धू की और से प्रकाशित किया गया जिसको उन्होंने मजदूर संघो की कोआर्डिनेशन समिति को भी अग्रसारित किया जिसे समिति ने मंजूर कर कारवाई करने का इरादा जाहिर किया। .हमें इस बात का फख्र हैं कि कामगारों द्वारा चुनी गई सबसे बड़ी यूनियन All Indian Railway Men's Union द्वारा जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में करवाई गई रेलवे हड़ताल, मजदूर आंदोलनों के इतिहास में दर्ज हो गई है। इससे बड़ी हडताल अभी तक हिंदुस्तान में कामगारों द्वारा नहीं हो पायी है। उसी तरह हि?द मजदूर सभा जिसके साथ अनेकों मजदूर संघ जिनकी संख?या लाखों में है, वे इससे सम्बद्ध है।.मजदूर आंदोलन की एक बड़ी त्रासदी यह भी रही है कि कम्युनिस्ट विचारधारा वाली यूनियनों ने प्रतिस्पर्धा में सोशलिस्ट यूनियनों का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से विरोध किया। खास तौर से पिछली कांग्रेसी सरकारों के शासन में क्योंकि कम्युनिस्ट पार्टी का तालमेल कभी खुला, कभी छुपा हुआ - कांग्रेस पार्टी के साथ रहा जिसके कारण उनकी यूनियनों को बढावा तथा सोशलिस्ट यूनियनों को नजरअंदाज किया गया।

अन्त में कहूंगा कि महान सोशलिस्ट नेताओं द्वारा स्थापित मजदूर यूनियनों ने अनेकों प्रकार के कष्ट उठाने, विरोध सहने के बावजूद मजदूरों के बीच में हमेशा आदर / समर्थन बनाये रखा। नतीजन आज भी HMS , All India Railway men's यूनियनों को हमारे जुझारू नेताओ हरभजन सिंह सिद्धू (महामंत्री एचएमएस) तथा साथी शिवगोपाल मिश्रा अध्यक्ष (All India Raiway Men's Union) के कुशल नेत्तृव में दिन-प्रतिदिन बुलंदी पर हैं।

(पाँचवीं किश्त के साथ फिलहाल यही तक झ इस से पहले की किश्त आप यहाँ पढ़ सकते हैं।)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

पंजाब पुलिस ने लॉरेंस गैंग के चार गुर्गे पकड़े, छह पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर लक्की पटियाल और लॉरेंस गैंग के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से छह अवैध हथियार बरामद किये गए हैं। पकड़े गए गुर्गे मोगा में एक व्यवसायी से जबरन वसूली की योजना बना रहे थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि लकी पटियाल के एक सहयोगी को तीन अवैध हथियारों के साथ और मनप्रीत सिंह उर्फ मनी भिंडर के तीन सहयोगियों को तीन अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। भिंडर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा हुआ है। पकड़े गए गुर्गे मोगा में एक व्यवसायी से जबरन वसूली की योजना बना रहे थे। यह सभी दो अलग-अलग गैंग से जुड़े हुए हैं। इस मामले में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। पकड़े गए गुर्गों में से एक सीधे लक्की पटियाल के संपर्क में था, जबकि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मनप्रीत उर्फ मनी से जुड़े हुए थे। यह दोनों गैंग एक दूसरे के विरोधी है। पुलिस अब उनके बारे में सारी पड़ताल करने में जुटी हुई है। इनके पास से बरामद हथियार कहां से आए गए थे, इस बारे में भी पड़ताल की जा रही है।

सीआईआई कार्यक्रम, उद्योग नीतियां उद्योगकारों की सलाह से लागू की जायेंगी

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग और वाणिज्य, पूंजी निवेश, श्रम और पर्यटन मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने सोमवार को कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के कार्यक्रम में उद्योगपति मिलनी में उद्योगपतियों को विश्वास दिलाया कि पंजाब में उद्योग संबंधी नीतियां उद्योगकारों की सलाह से लागू की जायेंगी ताकि उद्योगपति बिना किसी परेशानी के काम कर सकें। श्री सौंद ने सीआईआई के सेक्टर 31 के कार्यालय में अपने संबोधन दौरान कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार सूबे के उद्योगों की तरक्की के लिए गंभीर कोशिशें कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन्वेस्ट पंजाब के पोर्टल को बाकी संबंधित विभागों की वेबसाइटों से लिंक किया जायेगा, ताकि विभिन्न प्रकार की अनुमतियां लेने में उद्योगपतियों को कोई मुश्किल न आये। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल में पंजाब में लगभग 88 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है और यह गति तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि निवेश के लिये पंजाब की नीतियां देश भर में अ०?वल दर्जे की हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से पंजाब की उन्नति में योगदान देने की अपील करते हुये कहा कि पंजाब सरकार किसी भी उद्योग को सूबे से बाहर नहीं जाने देगी और उद्योगपतियों की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिये वचनबद्ध है।

श्री सौंद ने घोषणा की कि आने वाले समय में मोहाली को आईटी उद्योग के क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिशें तेज कर दी गयी हैं। इस मौके पर उद्योगपतियों ने कई सुझाव भी दिये और अपनी समस्यायें भी उद्योग मंत्री के साथ साझा कीं। उन्होंने सीआईआई के सभी सदस्यों को पंजाब के ब्रांड एंबेसडर बनकर सूबे में अधिक से अधिक निवेश लाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने उद्योगपतियों को श्रम विभाग की कर्मचारी पक्षीय स्कीमों का अधिकतम लाभ उठाने के लिये भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग की ऐसी कई योजनायें हैं, जिनका लाभ उद्योगपति ले सकते हैं।

कैबिनेट मंत्री ने पशुओं के जिला स्तरीय टीकाकरण अभियान की शुरुआत की

जालंधर। पंजाब के बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने सोमवार को यहां पंचवटी गौशाला बस्ती गुजा में मवेशियों को मुंह-खुर रोग से बचाने के लिये जिला स्तरीय टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था में पशुधन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसके पंजाब सरकार पशुओं और पशुपालकों की बेहतरी के लिये लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत जिला जालंधर को वैक्सीन की 3,38,600 खुराकें प्राप्त हुई है और इस महत्वपूर्ण कार्य को उचित ढंग से चलाने के लिये जिले में कुल 28 टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत विभाग के अधिकारी/कर्मचारी पशुपालकों के घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि कोई भी पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण करवाने से वंचित न रहे ताकि पशुओं को इस रोग से होने वाले नुक्सान से बचाया जा सके। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने अपने विवेकाधीन कोष से पंचवटी गौशाला को 2 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। इस दौरान गौ सेवा आयोग, पंजाब के चेयरमैन अशोक कुमार सिंगला के दिशा-निर्देशानुसार गौ कल्याण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभाग की ओर से 5000 रुपये की दवाइयां दान की गयीं।

फतेहाबाद जिले में अब तक 62 प्रतिशत धान फसल का हुआ उठान

फतेहाबाद। जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों से एक लाख 22 हजार 850 मीट्रिक टन धान की फसल का उठान किया गया है जोकि खरीद का 62 प्रतिशत है। जिला में अब तक एक लाख 97 हजार 314 मीट्रिक टन धान की फसल की खरीद हुई है। उपायुक्त मनदीप कौर ने सोमवार को किसानों से आह्वान किया है कि वे अपनी धान की फसल को सुखाकर ही मंडी या खरीद केंद्रों में लेकर आएं, ताकि उन्हें फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। सभी किसानों की फसल का एक-एक दाना सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार की शाम तक जिला में 14007 किसानों की एक लाख 97 हजार 314 मीट्रिक टन धान फसल की खरीदहुई है, जिसमें से फूड सप्लाई ने 2415 किसानों की 39 हजार 459 मीट्रिक टन, हैफेड ने 5634 किसानों की 71 हजार 186 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी ने 5958 किसानों की 86 हजार 669 मीट्रिक टन धान की फसल की खरीद की है। इसके साथ ही मंडियों से धान फसल का उठान कार्य भी किया जा रहा है। जिला में अब तक एक लाख 22 हजार 850 मीट्रिक टन धान फसल का उठान किया जा चुका है, जोकि खरीद का 62 प्रतिशत है। जिसमें से फूड सप्लाई ने 29 हजार 439 मीट्रिक टन, हैफेड ने 42 हजार 638 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी ने 50 हजार 773 मीट्रिक टन धान की फसल का उठान किया है।

पार्षद के बेटे के अपहरण का प्रयास, जिला परिषद चेयरपर्सन के पति लगे आरोप

सुबह घर से मोटरसाइकिल लेकर सैर पर निकला था युवक

रोहतक। जिला परिषद के पार्षद प्रतिनिधि के बेटे के अपहरण करने का मामला सामने आया है। हालांकि बेटा कुछ घंटे बाद सकुशल मिल गया। पार्षद प्रतिनिधि ने जिला परिषद की चेयरमैन एवं हाल ही में गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सीएम हुड्डा के सामने चुनाव लड? वाली भाजपा उम्मीदवार रही मंजू हुड्डा के पति राजेश सरकारी पर उनके बेटे के अपहरण करने के आरोप लगाए है। पार्षद प्रतिनिधि ने कहा कि चेयरमैन मंजू हुड्डा के खिलाफ पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था और इसी के चलते चेयरपर्सन के खिलाफ आने वाले अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित करने के लिए उसके बेटे का अपहरण करने का प्रयास किया गया। सांपला थाना पुलिस ने इस संबंध में पार्षद प्रतिनिधि के पति की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर गांव ईस्माइला में पंचायत भी हुई, जिसमें विभिन्न गांवों के सरपंच व जिला पार्षदों सहित सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा भी पहुंचे और उन्होंने इस संबंध अधिकारियों को उचित कारवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों ने भी चेयरपर्सन मंजू हुड्डा व उसके पति राजेश सरकारी का कड़ा विरोध किया। वहीं जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा का कहना है कि उनकी छवि को खराब करने के लिए ये सब किया जा रहा है। वह लोकतंत्र में विश्वास रखती है और जो आरोप उनके पति पर लगाए जा रहे है, वह सरासर निराधार है।

पुलिस के अनुसार गांव ईस्माइला निवासी जगबीर ने बताया कि उसकी पत्नी नीलम जिला परिषद की पार्षद है। सुबह उसका 15 वर्षीय बेटा सुबह घर से बाहर घुमने के लिए मोटरसाइकिल से निकला था। इसी दौरान गाड़ी में सवार लोगों ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उसके बेटे का हथियार के बल पर अपहरण कर लिया। हालांकि कुछ समय बाद अपहरत युवक दिल्ली रोड पर सकुशल मिल गया। बाद में बेटे ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। जगबीर ने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला चेयरपर्सन के खिलाफ आने वाले अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित करने के लिए किया गया है,क्योंकि 14 में से 10 जिला पार्षद चेयरमैन मंजू हुड्डा के खिलाफ है और इस संबंध में उपायुक्त को भी पार्षदों ने ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने बताया कि 23 अक्टूबर को चेयरपर्सन मंजू हुड्डा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर वोटिंग भी होनी है। सांपला थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

मान ने मंडियों से धान के तेजी से उठान करने के दिये आदेश

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को अधिकारियों को राज्य भर की मंडियों में खरीदे जा रहे धान की तेजी से उठाने के आदेश दिये हैं।

श्री मान ने राज्य में खरीद कार्यों की समीक्षा के लिये हुई उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते कहा कि राज्य में धान की उठाई जल्द से जल्द की जानी चाहिये ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों ने देश को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि देश की अन्न सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हमारे अन्नदाताओं ने अपने बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन, पानी और उपजाऊ मिट्टी दांव पर लगा दी है। इस साल भी राज्य के किसानों द्वारा 185 लाख टन धान का योगदान राष्ट्रीय भंडार में दिये जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में धान की निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने के लिये गंभीरता से जुटी हुई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंडियों में मेहनत से उगाई गई धान की फसल की दुर्गति नहीं होने दी जायेगी और इसके लिये जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने धान की खरीद के लिए पुख्ता इंतजाम किये हैं, जिसके तहत राज्य भर में 2651 मंडियों की स्थापना की गयी है। उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा सीसीएल के तहत 41,378 करोड़ रुपये पहले ही जारी किये जा चुके हैं और किसानों को समय पर भुगतान जारी किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मंडियों से धान की लिफ्टिंग युद्ध स्तर पर करने के लिए कदम उठाये जायें। बैठक में बताया गया कि अब तक राज्य की मंडियों में 24.88 लाख टन की आमद दर्ज की गयी है, जिसमें से 22.22 लाख टन की खरीद की जा चुकी है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा किसानों को भुगतान के लिये पहले ही 4027 करोड़ रुपये जारी किये जा चुके हैं।

इंडियन रेलवे दिल्ली ने सीआरपीएफ दिल्ली को 4-2 से हराया

जालंधर। पूर्व चैंपियन भारतीय रेलवे ने 41वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के लीग राउंड में सीआरपीएफ को 4-2 के अंतर से हराकर तीन अंक हासिल कर विजयी शुरूआत की। ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन सोमवार को लीग राउंड के दो मैच खेले गए। दूसरे मैच में इंडियन ऑयल मुंबई ने बीएसएफ जालंधर को 5-4 के अंतर से हराया।

पूल सी में इंडियन रेलवे दिल्ली और सीआरपीएफ दिल्ली के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। खेल के पहले दो क्वार्टर में सीआरपीएफ दिल्ली पूरी तरह से भारतीय रेलवे पर हावी रही। खेल के सातवें मिनट में सीआरपीएफ के सरोज एक्का ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के 22वें मिनट में सीआरपीएफ के सुधारी होरो ने मैदानी गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। 27वें मिनट में भारतीय रेलवे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जसजीत सिंह कुलार ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 1-2 कर दिया। खेल के 36वें मिनट में इंडियन रेलवे के प्रताप लाकड़ा ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। खेल के चौथे क्वार्टर में भारतीय रेलवे ने आक्रमण जारी रखा। खेल के 55वें मिनट में जोगिंदर सिंह और 56वें मिनट में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुरसाहिब सिंह ने फील्ड गोल कर भारतीय रेलवे को 4-2 से बढ़त दिला दी। इस जीत से भारतीय रेलवे के खाते में तीन अंक आ गये हैं।

पूल ए में इंडियन ऑयल मुंबई ने बीएसएफ जालंधर पर लगातार दबाव बनाये रखा। खेल के 5वें मिनट में इंडियन ऑयल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुरजिंदर सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के 10वें मिनट में इंडियन ऑयल के उज्जवल सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। खेल के 20वें मिनट में इंडियन ऑयल के कप्तान तलविंदर सिंह ने फील्ड गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया. खेल के 35वें मिनट में बीएसएफ के अमरबीर सिंह ने गोल कर स्कोर 1-3 कर दिया। 41वें मिनट में इंडियन ऑयल के गुरजिंदर सिंह ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। 54वें मिनट में इंडियन ऑयल के रोशन मिंज ने गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया और अगले मिनट में बीएसएफ के सुखविंदर सिंह, 58वें मिनट में दलजीत सिंह और 59वें मिनट में सुखविंदर सिंह ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया. 5. इस जीत के साथ इंडियन ऑयल के खाते में तीन अंक हो गये हैं।

शहीदों को श्रद्धांजलि देकर परिजनों को किया सम्मानित

सोनीपत। पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर सोनीपत पुलिस लाइन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस आयुक्त सतेंदर गुप्ता और अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख के हाट स्प्रिंग में चीनी सेना के हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों के बलिदान को याद किया गया। उस दिन, एसआई कर्मसिंह के नेतृत्व में 21 जवानों के दल ने 16 हजार फीट की ऊंचाई और कठिन हालात में चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया, जिसमें 10 जवानों ने वीरगति पाई। इस बलिदान को स्मरण करते हुए हर वर्ष 21 अक्तूबर को स्मृति दिवस मनाया जाता है। इस साल 264 पुलिस कर्मियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। सोनीपत के पुलिस आयुक्त सतेंदर गुप्ता द्वारा पुलिस लाईन सोनीपत के प्रांगण मे स्मृति दिवस पर डियुटी के दौरान अपने जीवन का बलिदान करने वाले पुलिस बलो के शहीद, बहादुरों को सम्मान चिन्ह के रूप मे आयोजित की गई है।

फतेहाबाद:डीएससी वर्गीकरण लागू करने पर धानक समाज ने बांटे लड्डू

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा दूसरी बार प्रदेश की बागडोर संभालते ही अनुसूचित जाति में आरक्षण वर्गीकरण को लागू करने का लिए गए ऐतिहासिक फैसले से समाज में खुशी की लहर है। डीएससी आरक्षण वर्गीकरण लागू करने पर धानक सभा फतेहाबाद द्वारा सोमवार को फतेहाबाद में लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई और इस फैसले को लागू करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और इस वर्गीकरण के लिए समाज की आवाज उठा रही पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल का आभार जताया। समाज के लोगों के बीच पहुंची पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने भी समाज के लोगों के साथ इस खुशी को सांझा किया और समाज को बधाई दी। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने धानक समाज के लोगों से इस वर्गीकरण का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज के लोग अपने बच्चों को शिक्षित अवश्य करें ताकि आगे चलकर वह समाज के विकास में अपना योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के फैसले से वंचित वर्ग की जातियों को उनके समुचित अधिकार मिल पाएंगे। मॉडल टाऊन स्थित कबीर धर्मशाला में समाज के काफी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धानक समाज के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश वोहरा सूबेदार, सीताराम धारनियां, बीडीपीओ ओमप्रकाश कायत, सुंदर सिंह आदि ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में लंबे समय से अनुसूचित जाति के वंचित वर्ग (डीएससी) की लंबे समय से चली आ रही अलग वर्गीकरण मांग को प्रदेश की भाजपा सरकार ने पूरा करते हुए लागू कर दिया। इस फैसले से डीएससी समाज से संबंधित 34 जातियों के समूह को 10 प्रतिशत अलग से कोटा मिलेगा, जिससे समाज के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होगा और वे भी देश के विकास में अपना योगदान दे पाएंगे। इससे लंबे समय से वंचित यह वर्ग सरकारी नौकरियों में जाकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा पाएगा। इस अवसर पर परमजीत खटक, सुरेश बावल, रामलाल दौलतपुर, मोती लाल गुज्जर कुकडांवाली, इन्द्राज सरपंच खजूरी, किरत सिंह डाबला, सुभाष इंदौरा भोडि?ा, गंगाराम, रमेश भारती सरपंच धारनिया, मोहन लाल भारती, बंसीलाल, चन्द्रभान, प्रेम भिरड़ाना, काशीराम भूथन सहित समाज के सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

रोहतक: पार्षद के बेटे के अपहरण का प्रयास, जिला परिषद चेयरपर्सन के पति लगे आरोप

रोहतक। जिला परिषद के पार्षद प्रतिनिधि के बेटे के अपहरण करने का मामला सामने आया है। हालांकि बेटा कुछ घंटे बाद सकुशल मिल गया। पार्षद प्रतिनिधि ने जिला परिषद की चेयरमैन एवं हाल ही में गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सीएम हुड्डा के सामने चुनाव लड? वाली भाजपा उम्मीदवार रही मंजू हुड्डा के पति राजेश सरकारी पर उनके बेटे के अपहरण करने के आरोप लगाए है। पार्षद प्रतिनिधि ने कहा कि चेयरमैन मंजू हुड्डा के खिलाफ पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था और इसी के चलते चेयरपर्सन के खिलाफ आने वाले अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित करने के लिए उसके बेटे का अपहरण करने का प्रयास किया गया।

सांपला थाना पुलिस ने इस संबंध में पार्षद प्रतिनिधि के पति की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर गांव ईस्माइला में पंचायत भी हुई, जिसमें विभिन्न गांवों के सरपंच व जिला पार्षदों सहित सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा भी पहुंचे और उन्होंने इस संबंध अधिकारियों को उचित कारवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों ने भी चेयरपर्सन मंजू हुड्डा व उसके पति राजेश सरकारी का कड़ा विरोध किया। वहीं जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा का कहना है कि उनकी छवि को खराब करने के लिए ये सब किया जा रहा है। वह लोकतंत्र में विश्वास रखती है और जो आरोप उनके पति पर लगाए जा रहे है, वह सरासर निराधार है।

पुलिस के अनुसार गांव ईस्माइला निवासी जगबीर ने बताया कि उसकी पत्नी नीलम जिला परिषद की पार्षद है। सुबह उसका 15 वर्षीय बेटा सुबह घर से बाहर घुमने के लिए मोटरसाइकिल से निकला था। इसी दौरान गाड़ी में सवार लोगों ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उसके बेटे का हथियार के बल पर अपहरण कर लिया। हालांकि कुछ समय बाद अपहरत युवक दिल्ली रोड पर सकुशल मिल गया। बाद में बेटे ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। जगबीर ने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला चेयरपर्सन के खिलाफ आने वाले अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित करने के लिए किया गया है,क्योंकि 14 में से 10 जिला पार्षद चेयरमैन मंजू हुड्डा के खिलाफ है और इस संबंध में उपायुक्त को भी पार्षदों ने ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने बताया कि 23 अक्टूबर को चेयरपर्सन मंजू हुड्डा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर वोटिंग भी होनी है। सांपला थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

जींद: पराली को पंजीकृत गौशालाओं में भेजने पर मिलेगी 500 रुपये प्रोत्साहन राशि

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जो किसान पराली प्रबंधन करते हुए पराली को रजिस्टर्ड गोशालाओं में भेजते हैं तो उन्हें 500 रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस योजना के बारे में कृषि विभाग द्वारा विशेष अभियान चला कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्रों सुपर सीडर, जीरो ट्रिल मशीन, स्ट्रा चोपर, हैपी सीडर एवं रिवर्सिबल प्लो अनुदान पर दिए जाते हैं। किसान इन कृषि यंत्रों का प्रयोग कर-के पराली को मिट्टी में मिला कर जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकते हैं या स्ट्रा बेलर मशीन से पराली की गांठ बना कर सरकार द्वारा दी जा रही एक हजार रुपये प्रति एक-ड़ प्रोत्साहन राशि का लाभ उठा सकते हैं।

किसान स्वयं अथवा सीएससी सेंटर के माध्यम से प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। सोमवार को डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि धान उत्पादक किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए सरकार एक हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि किसान धान की कटाई के बाद अपने खेत में आग न लगाएं। आग लगाने से वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी के पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना एसबी.82, 2024-25 के तहत अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को प्रति एकड़ एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है। धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढेगी तथा वातावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी। जिला के किसान हैप्पी सीडरए सुपर सीडरए रिवर्सिबल एमबी प्लॉव व जीरो टिल सीड ड्रिल की सहायता से धान अवशेषों को मिट्टी में मिला कर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान को विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणाएजीओवी.इन पर आवेदन करना होगा। ग्राम स्तरीय कमेटी (वीएलसी) से सत्यापन होने के बाद पात्र किसानों को प्रोत्साहन राशि का लाभ दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को जलाने से ना केवल पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि धरती की उर्वरता भी कमजोर हो जाती है। सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन करने पर किसानों को एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

एक नजर

सुरक्षा गार्ड ने दो अपराधियों को मारी गोली

□पीपी ज्वेलर्स में दिनदहाड़े डकैती करने पहुंचे चार बदमाश

बेगूसराय,संवाददाता। बेगूसराय के नगर थाना क्षेत्र के पटेल चौक स्थित पीपी ज्वेलर्स में आज दिनदहाड़े डकैती की घटना हुई. चार बदमाशों ने हथियार के बल पर दुकान में घुसकर लूटपाट की कोशिश की। हालांकि, दुकान के अंदर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने हवाई फायरिंग करते हुए बदमाशों को खदेड़ने का प्रयास किया। इस दौरान अफरातफरी के बीच गोलीबारी हुई और दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, अन्य तीन बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के पटेल चौक स्थित पी पी ज्वेलर्स की है। बताया जा रहा है कि चार की संख्या में अपराधी आया और हथियार के बल पर लूटपाट करने का जीवराज प्रयास किया तभी अंदर में सुरक्षा गार्ड ने गोली चल दिया। जिसमें दो अपराधी को गोली लग गई और दो अपराधी मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद लोगों ने खादेड़ कर एक अपराधी को पकड़ कर जमकर पिटाई कर दी।हालांकि इस घटना के बाद मौके पर भगदड़ जैसा स्थिति उत्पन्न बन गया। वही इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर थाना पुलिस को सूचना दी मौके पर कई थाने की पुलिस पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी।इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

ड्यूटी के दौरान डंके की चोट पर बनाई रील्स,वायरल होते ही वीडियो हटाया!

पटना/बेगूसराय,संवाददाता। बिहार में एक बार फिर वर्दी में रील बनाने का मामला सामने आया है। बेगूसराय में तैनात एक महिला सिपाही का वर्दी में फिल्मी गानों पर रील बनाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में बेगूसराय खगड़िया रेंज के डीआईजी विकास कुमार ने वर्दी में रील बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। 19 अक्टूबर को डीआईजी विकास कुमार ने नगर थाने के निरीक्षण के दौरान साफ तौर पर कहा था कि अगर कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी में रील बनाते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा था कि वर्दी में अगर कोई रील बनाते हैं तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद एक महिला सिपाही का वर्दी में रील बनाते हुए वीडियो सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। वायरल वीडियो में महिला सिपाही को नगर थाना परिसर और पुलिस लाइन समेत कई जगहों पर फिल्मी गानों पर रील बनाते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि महिला सिपाही ने यह रील अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया था। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद महिला सिपाही ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से रील डिलीट कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला सिपाही ने पिछले दो महीनों में कई रील बनाकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किए थे। इस घटना के बाद पुलिस विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब पुलिस के आलाधिकारी खुद इस तरह की हरकतों पर रोक लगाने की बात कह रहे हैं, तो फिर भी पुलिसकर्मी नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

जदयू द्वारा स्नातक मिलन समारोह का आयोजन

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। गायघाट प्रखंड में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) द्वारा स्नातक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष लाल बाबू सहनी ने की। इस अवसर पर सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने सभा को संबोधित करते हुए तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जदयू प्रत्याशी अभीषेक झा की जीत को सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि एनडीए के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से पार्टी को जीत दिलाने के लिए काम करें। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नीतिश कुमार ने बिहार को विकसित राज्य की श्रेणी में ला खड़ा किया है, और अब कोई भी ताकत राज्य को पीछे नहीं धकेल सकती। उन्होंने कहा, "बिहार अब लालटेन युग से मुक्त हो चुका है और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। समारोह में जदयू प्रत्याशी अभीषेक झा ने भी लोगों से समर्थन की अपील करते हुए कहा, "जिस प्रकार आप लोग देवेश बाबू का समर्थन करते थे, उसी तरह मेरा भी साथ दें। मैं तिरहुत के स्नातकों के अधिकारों की लड़ाई पूरी ईमानदारी से लडूंगा। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया, जिनमें जदयू नेता प्रभात किरण, ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष राम बाबू कुशवाहा, भाजपा नेता अशोक सिंह, विजय कुंवर, नर्मदेश्वर सिंह, शैलेश कुमार शैलु, राम सज्जन राय, राजा यादव, मृत्युंजय सिंह, अशोक झा, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष विपिन सिंह, कलेश्वर राय, शंशाक शेखर, महेश सहनी, अभीषेक मंडल, सरोज कुमार, प्रशांत कुमार प्रेमी, सुधीर सहनी आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और पार्टी की आगामी जीत की उम्मीदों के साथ हुआ।

सरकारी कार्यक्रम में डीजीपी और गृह सचिव के सामने हाथ जोड़ने लगे सीएम नीतीश

□बोले : जल्दी कर न दीजिएगा..बोलअ..
□जल्दी से नियुक्तिया करा न दीजिए

पटना,संवाददाता। विधानसभा चुनाव से पहले सभी कार्यों को संपन्न कराने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक बार फिर अधिकारियों के सामने हाथ जोड़ने पड़े। पुलिस विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुले मंच से डीजीपी और गृह सचिव के सामने हाथ जोड़कर उनसे अपील करने लगे। गृह सचिव और डीजीपी की तरफ हाथ जोड़ते हुए सीएम ने कहा कि जल्दी से और भी नियुक्ति करा दीजिए, पुलिस में महिलाओं की संख्या 35 फीसदी करिए।

दरअसल, बिहार में विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही समय शेष रह चुका है। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता से किए अपने वादों को हर हाल में पूरा कर लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि जनता से जो वादा किया था उसे पूरा करने के बाद ही उनके सामने वोट मांगने जाएंगे। यही वजह है कि मुख्यमंत्री विधान सभा चुनाव से पहले सभी अधूरे कामों को पूरा करना चाहते हैं, चाहे इसके लिए उन्हें अधिकारियों के सामने हाथ ही क्यों न जोड़ने पड़े। सरकारी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज एक बार फिर अधिकारियों के सामने काम को जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए हाथ जोड़कर उनसे अपील करते नजर आए हैं। पटना में बिहार पुलिस के 1239 दारोगा को नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान सीएम नीतीश ने अधिकारियों के सामने हाथ जोड़ा। गृह सचिव और डीजीपी की तरफ हाथ जोड़ते हुए कहा कि जल्दी से और भी नियुक्ति करा दीजिए। पुलिस में महिलाओं की संख्या 35 फीसदी करिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डीजीपी और गृह सचिव के सामने हाथ जोड़कर कहा कि, जल्दी कर न दीजिएगा.. बोलअ.. आइए न यहां पर आकर बताइए.. कि जल्दी करिएगा कि नहीं करिएगा.. सीएम के बुलाने पर मौके पर मौजूद गृह सचिव ने माइक पर कहा कि, महोदय का जो भी निर्देश दिया जा रहा है.. माननीय मुख्यमंत्री जी का.. बिहार पुलिस उसपर पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगी और सभी निदेर्शों का अनुपालन किया जाएगा.. शीघ्र नियुक्ति, उन्नत प्रशिक्षण और उनकी पोस्टिंग करा कर के उत्कृष्ट कार्य दिया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि, बहुत बहुत धन्यवाद.. जल्दी से इस काम को करिए। बता दें कि इस नियुक्ति वितरण कार्यक्रम में मीडिया को आमंत्रित तो किया गया था लेकिन जब मीडियाकर्मी तय समय पर कार्यक्रम का कवरेज करने के लिए पहुंचे तो उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। मीडियाकर्मियों ने अधिकारियों से कार्यक्रम को कवरेज करने देने की बात कही लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई और मीडिया को इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने दिया गया।

सिंगापुर और भारत के बीच सिंडेक्स सैन्य अभ्यास पश्चिम बंगाल में शुरू

कोलकाता। भारतीय वायुसेना और सिंगापुर गणराज्य वायुसेना के बीच द्विपक्षीय अभ्यास 'सिंडेक्स' का नवीनतम संस्करण पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा वायुसेना स्टेशन पर सोमवार को शुरू हुआ। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह दोनों सेनाओं के बीच 12वां संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण है। सिंगापुर की वायुसेना इस बार अपनी अब तक की सबसे बड़ी टुकड़ी के साथ हिस्सा ले रही है। यह संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित होगा। पहले तीन सप्ताह के लिए भारतीय वायुसेना और सिंगापुर की वायुसेना अलग-अलग अभ्यास करेंगी। इसके बाद 13 नवंबर से शुरू होकर 21 नवंबर तक द्विपक्षीय चरण आयोजित किया जाएगा। सिंगापुर ने एफ-16 और एफ-15 विमानों की टुकड़ी भेजी है, जिनके साथ जी-550 और सी-130 ट्रांसपोर्ट विमान भी शामिल हैं। वहीं, भारतीय वायुसेना ने इस अभ्यास में राफेल, मिराज 2000, सुखोई-30, तेजस, मिग-29 और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों के साथ हिस्सा लिया है। कलाईकुंडा वायुसेना स्टेशन सिंगापुर जैसी सेनाओं को अभ्यास के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस एयर बेस पर नवीनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें बंगाल की खाड़ी के ऊपर एयर-टू-एयर फायरिंग रेंज और पास के दूधकुंडी में एयर-टू-ग्राउंड फायरिंग रेंज शामिल हैं। इसके अलावा, कलाईकुंडा के ऊपर का आकाश आमतौर पर व्यावसायिक हवाई यातायात से मुक्त रहता है, जिससे अभ्यास के दौरान लड़ाकू विमान बिना किसी बाधा के उड़ान भर सकते हैं। फिर भी, व्यावसायिक पायलटों को दूर रखने के लिए 'नोटिस टू एयरमेन' जारी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, "यह उम्मीद की जाती है कि द्विपक्षीय चरण के दौरान दोनों सेनाओं के बीच गहन सहयोग होगा, जहां वे उन्नत हवाई युद्ध सिमुलेशन, संयुक्त मिशन योजना और डीब्रीफिंग सत्रों में हिस्सा लेंगे। इस चरण का उद्देश्य ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाना, युद्ध तैयारी को और तेज करना और दोनों वायुसेनाओं के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि द्विपक्षीय चरण के दौरान रेड और ब्लू टीमों का गठन किया जाता है।

10 माह के बच्चे ने मुंह में लिया जिंदा सांप

नवादा,संवाददाता। बिहार के नवादा में 10 महीने के बच्चे ने खेलते-खेलते जिंदा सांप को मुंह में डाल लिया। बच्चे के पिता ने तुरंत सांप को हटाया और उसे मार डाला। इसके बाद घर में कोहराम मच गया। आनन-फानन में बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। सांप जहरीला नहीं था, जिससे बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। नवादा के शिवनगर मोहल्ले में 10 साल के मासूम ने जिंदा सांप को मुंह में डाल लिया। चंद्रमणिकांत का 10 महीने का बेटा हर्ष राज घर में खेल रहा था। तभी एक सांप उसके पास आ गया। हर्ष ने नादानी में सांप को पकड़ लिया और उसे अपने मुंह में डाल लिया।

हर्ष के पिता ने तुरंत सांप को बच्चे के मुंह से खींचकर हटाया और उसे मार डाला। इसके बाद, घबराए हुए माता-पिता बच्चे और मरे हुए सांप को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने तुरंत बच्चे की जांच की। राहत की बात यह रही कि सांप ने बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया था। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है क्योंकि सांप जहरीला नहीं था। जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी। इस घटना से पूरे मोहल्ले में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने मरे हुए सांप की पहचान तेलिया सांप के रूप में की, जो जहरीला नहीं होता है। जानकारों के अनुसार तेलिया सांप वास्तव में छिपकली की एक प्रजाति है, जिसे लोग अक्सर सांप समझकर मार देते हैं। यह केंचुए जैसा दिखता है, लेकिन सांप की तरह रेंगता है। इसमें जहर नहीं होता है और यह इंसानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। इस सांप को ब्लाइंड स्नेक, फ्लावरपॉट स्नेक, कॉमन ब्लाइंड स्नेक, आइलैंड ब्लाइंड स्नेक, हवाईयन ब्लाइंड स्नेक नामों से भी जाना जाता है।

मौसम: बिहार में फिर से मौसम मारेगा पलटी

पटना,संवाददाता। बिहार में ठंड बढ़ने लगी है, तापमान में गिरावट आ रही है। मौसम विभाग ने 23 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवात बनने की संभावना जताई है। इस कारण 23 से 26 अक्टूबर तक कुछ जिलों में हल्की बारिश और तेज हवा चलने की उम्मीद है। इससे ठंड और बढ़ेगी। रविवार को पटना में तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को यह 20 डिग्री, शुक्रवार को 21 डिग्री और गुरुवार को 20.5 डिग्री था। लोग अब एसी और कूलर का इस्तेमाल कम कर रहे हैं। लेकिन अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में भी तापमान सामान्य से अधिक है।

मौसम विभाग का कहना है कि 23 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका है। इसके असर से बिहार के कुछ जिलों में 23 से 26 अक्टूबर तक हल्की बारिश हो

सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इस वजह से तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि चक्रवात का सबसे अधिक असर दक्षिण बिहार में देखने को मिलेगा। 23 अक्टूबर को दक्षिण-मध्य, पूर्वी और 24 अक्टूबर को दक्षिण भाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश और गरज के साथ छींटें पड़ सकती हैं। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। 25 अक्टूबर को पूरे बिहार के कुछ जिलों में हल्की बारिश और गरज के साथ छींटें पड़ सकती हैं। हवा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। 26 अक्टूबर को दक्षिण और उत्तर-पूर्व भाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश और गरज के साथ छींटें पड़ने की संभावना है। अभी बिहार का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक है। अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में राज्य का औसत अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो अभी 30-32 डिग्री सेल्सियस है। वहीं, औसत न्यूनतम तापमान पिछले कुछ वर्षों में 20-21 डिग्री सेल्सियस रहता था, जो इस समय 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच है।

जदयू स्नातक मतदाता मिलन समारोह संपन्न

मुजफ्फरपुर/बन्दरा,संवाददाता। बंदरा प्रखंड के मुतलुपुर स्थित खगेश्वर नाथ मंदिर के सभागार में आज जनता दल यूनाइटेड (जदयू) द्वारा स्नातक मतदाता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड जदयू अध्यक्ष मनोज कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी अभीषेक झा की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें लगातार 22 वर्षों तक स्नातक मतदाताओं का अपार समर्थन मिला, जिसका परिणाम है कि वे आज सांसद हैं। ठाकुर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को विकास के पथ पर अग्रणी पंक्ति में खड़ा कर दिया है। साथ ही, उन्होंने राजद

पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब लालटेन युग की वापसी असंभव है और एनडीए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर अभीषेक झा को जिताने का आह्वान किया। जदयू प्रत्याशी अभीषेक झा ने अपने संबोधन में नीतीश कुमार द्वारा उन पर जताए गए भरोसे के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि वे स्नातक मतदाताओं के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। इस अवसर पर कई प्रमुख जदयू नेताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया, जिनमें जदयू जिला अध्यक्ष राम बाबु कुशवाहा, उपाध्यक्ष प्रभात किरण, उपाध्यक्ष मनोज झा, महासचिव जय प्रकाश यादव, ठाकुर धर्मेन्द्र, प्रदेश सचिव शैलेश कुमार शैलु, युवा नेता प्रशान्त कुमार प्रेमी और भाजपा नेता फेकू राम सहित अन्य गणमान्य शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सभी नेताओं ने एक स्वर में स्नातक मतदाताओं से जदयू के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

जीते जी नहीं मिल पाया बालमन के अद्भुत चितेरा राधेलाल 'नवचक्र' को साहित्य का भी कोई शिखर सम्मान : पारस कुंज

□शब्दयात्रा भागलपुर ने किया भावांजलि का आयोजन

भागलपुर सिटी, बिहार । रविवार 20 अक्टूबर 2024 के पूर्वाह्न शब्दयात्रा भागलपुर द्वारा ऑनलाइन भावांजलि का आयोजन कर देश के लब्ध प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार श्री राधेलाल 'नवचक्र' को श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार कवि लघुकथाकार पारस कुंज ने कहा- 'दिवंगत श्री राधेलाल 'नवचक्र' से मेरा सम्पर्क नब्बे के दशक से रहा है। वे भारत के सर्वाधिक प्रकाशित होने वाले बाल-मनोविज्ञान के सूक्ष्म अध्येता के साथ बालमन के अद्भुत चितेरा थे, उनकी गिनती देश के नामचीन बाल साहित्यकारों में होती रही हैं। बावजूद इसके नहीं मिल पाया उन्हें साहित्य का कोई भी शिखर सम्मान! ऑनलाइन भावांजलि कार्यक्रम में, प्रमुखता से राउरकेला, बैंगलुरू, जेएनयू, पटना और भागलपुर के सम्मानित विद्वान साहित्यकारों ने हिस्सा लिया तथा 'नवचक्र' जी के प्रति अपना भावोद्गार प्रकट किया। राउरकेला उड़ीसा से बतौर मुख्य अतिथि लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार कवि डॉ मधुसूदन साहा ने कहा- 'राधेलाल 'नवचक्र' की बाल कविताओं को उनकी सुन्दर और सुस्पष्ट लिखावट में मैं अपने यौवन काल में बराबर पढ़ा करता था।

उनकी कविताएँ और लघुकथाएँ बड़ी प्रेरक एवं रोचक हुआ करती थीं! बैंगलुरू से 'अभ्युदय' अंतरराष्ट्रीय संस्था की संस्थापिका अध्यक्ष डॉ इन्दु झुनझुनवाला ने कहा- 'अभी महीना ही तो हुआ था उनका बेंगलूरू की धरती पर कदम रखे और हमारी संस्था में सम्मिलित हुए। भारत भूमि कला और साहित्य की दृष्टि से कितनी उर्वरा है, यह जानना हो तो आदरणीय राधेलाल 'नवचक्र' की प्रतिभा को पढ़े, जाने और समझे! जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ रणजीत साहा कहते हैं- 'तब हमलोग संघर्ष कर रहे थे। नया-नया लिखना शुरू किया था। भगवान पुस्तकालय की साहित्यिक गोष्ठियों में 'नवचक्र' जी आते थे। वहीं उनसे भेंट होती रहती थी। हमलोग जो फुटकर पत्रिकाएं निकालते थे, उसमें वो भी छपते थे। पराग, चंपक, चुन्नू मुन्नू आदि पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं देखता रहता था । उन्होंने ने जितना लिखा है उसका संग्रह निकलना चाहिए! प्रतिष्ठित लेखक पत्रकार विकास पाण्डेय कहते हैं- 'नवचक्र जी से मेरी पहचान पहले-पहल बाल पत्रिका पराग में उनकी एक बाल कहानी पढ़कर हुई थी। तब मैं नहीं जानता था कि वे भागलपुर के रहनेवाले हैं। उनकी रोचक कहानियां अक्सर डॉ. हरिकृष्णा देवसरे, कन्हैया लाल नंदन आदि बहुचर्चित बाल लेखकों के साथ पराग बाल पत्रिका में छपती रहती थीं। बाद में इनकी रचनाएं बाल भारती, नंदन, राजा भैया, लोटपोट, बालहंस, चम्पक, विश्वमित्र, दैनिक हिंदुस्तान सरीखी बहु लोकप्रिय पत्र पत्रिकाओं में भी दिखने लगी। इन्होंने अंकों पर आधारित गणित के रोचक सूझ-बूझ से सम्बंधित भी कई कहानियां लीखीं जो काफी पसंद की गईं। राधेलाल नवचक्र ने एक राष्ट्रीय बाल कथाकार के रूप में जाने-अनजाने भागलपुर और बिहार का सर ऊँचा किया। यह अलग बात है कि उन्हें जीते जी उचित सम्मान नहीं मिल पाया! पटना से हिन्दी और भोजपुरी के बहुचर्चित साहित्यकार भगवती प्रसाद द्विवेदी कहते हैं- 'राधेलाल 'नवचक्र' जी बच्चों और बड़ों दोनों में समान रूप से लोकप्रिय थे। बाल मनोविज्ञान के तो कुशल पारखी थे वह। पिछली सदी के उत्तरार्द्ध में, जब बच्चों की पत्रिकाएं बहुतायत में प्रकाशित होती थीं।

'नवचक्र' जी की विभिन्न विधाओं की रचनाएं उन सबमें प्रमुखता के साथ प्रकाशित होती थीं और देश के महत्वपूर्ण बाल-रचनाकारों में उनकी गणना होती थी। प्रौढ़ साहित्य में भी उनका सृजन गहरी संवेदना जगाता था! हास्य व्यंग की सुप्रसिद्ध पत्रिका 'उल्लू' के सम्पादक कुमार भागलपुरी कहते हैं- 'आकाशवाणी भागलपुर में आकस्मिक कलाकार के रूप में कार्य कर रहा था। सुन्दर और आकर्षक अक्षरों में लिखे इनके आलेख को देख प्रभावित हुआ। तभी इनसे मिलने की इच्छा जगी और रिकॉर्डिंग के समय इनसे मिलने का अवसर मिला। स्थानीय होने के कारण हमेशा मिलते रहे। सादा जीवन मितभाषी थे भागलपुर के 'नवचक्र'! और अंत में, उनके बगलगीर ठाकुर अमरेन्द्र दत्तात्रेय कहते हैं- 'लघुकथाओं के सृजन में जादूगरी थी उनकी। गणितीय सूत्रों को बाल-मन के अनुरूप ढालते हुए ऐसी-ऐसी रचनाएं उन्होंने की, कि पढ़कर दिल बाग-बाग हो जाता था। उस समय के पराग, नंदन, बालहंस से लेकर हिंदुस्तान भर की सारी बाल पत्रिकाएं उनकी कहानियों को लेकर पलक पांवडे बिछाए रहती थीं! बताते चलें, देश भर की दस-बीस-पचास नहीं बल्कि हजारों पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से ससम्मान प्रकाशित होते रहने वाले श्री राधेलाल 'नवचक्र' जी का ५ अक्टूबर २०२४ को, बैंगलुरू में अकस्मात निधन हो गया था रविवार ६ अक्टूबर २४ की देर रात्रि स्थानीय बरारी श्मशान-घाट पर उनकी अंत्येष्टि सम्पन्न हुई। पुत्र चन्दन कुमार ने उन्हें मुखाग्नि प्रदान किया।

भारत समेत एशियाई शेयर बाजारों में इस सप्ताह तेज रहेगी हलचल

ढाई साल बाद सबसे बड़े वॉल्यूम में शेयरों की लिस्टिंग होगी

- 20 कंपनियों के 8.32 अरब डॉलर से अधिक के शेयरों की इस सप्ताह होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टॉक मार्केट समेत पूरे एशियाई शेयर बाजारों के लिए ये सप्ताह काफी व्यस्त सप्ताह होने वाला है। इस सप्ताह एशिया के शेयर बाजारों में 20 से ज्यादा कंपनियों के शेयर लिस्ट होने वाले हैं। इन सभी कंपनियों के आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में 8.32 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। एशिया के शेयर बाजार में लगभग ढाई साल बाद इतने बड़े वीकली वॉल्यूम में शेयरों की लिस्टिंग होने वाली है। इसके पहले अप्रैल 2022 के तीसरे सप्ताह में एशियाई बाजारों में इतने अधिक वॉल्यूम में लिस्टिंग हुई थी।

एशियाई बाजारों में भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख स्थान है। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड समेत 3 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। इन तीनों में हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। 27,870.16 करोड़ रुपये का ये आईपीओ 22 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होगा। देश का सबसे बड़ा आईपीओ होने के बावजूद इसे रिटेल इन्वेस्टर्स और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) की ओर से काफी ठंडा रिस्पॉन्स मिला था?। हालांकि सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) द्वारा जम कर बोली लगाने के कारण ये आईपीओ दोगुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था।

भारतीय बाजार के अलावा जापान की टोक्यो मेट्रो कंपनी के आईपीओ की 23 अक्टूबर को लिस्टिंग होने वाली है। इस आईपीओ के तहत जारी टोक्यो मेट्रो कंपनी ने 2.3 अरब डॉलर जुटाए हैं। जापान में 2018 के बाद ये अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसी तरह जापान की कंपनी रिंगाकू होल्डिंग कॉर्प के शेयर 25 अक्टूबर को लिस्ट होंगे। जापान की इस एक्स-रे टेक्नोलॉजी कंपनी के आईपीओ का साइज 75 करोड़ डॉलर का है। जापानी बाजार में उथल-पुथल होने के बावजूद इन दोनों कंपनियों को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

भारत और जापान के अलावा चीन में भी इस सप्ताह लिस्टिंग से हलचल बनी रहने वाली है। चीन में बोतल बंद पानी का कारोबार करने वाली चाइना रिसोर्सेस बेवरेज होल्डिंग कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर को लिस्ट होने वाले हैं। इसी तरह ऑटोनॉमस ड्राइविंग टेक्नोलॉजी फर्म होराइजन रोबोटिक्स इंक के शेयर 24 अक्टूबर को लिस्ट होंगे। इन दोनों कंपनियों के आईपीओ का कुल साइज 1.34 अरब डॉलर से अधिक है।

जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह एशियाई बाजारों में विशेष रूप से भारत, जापान और चीन की कंपनियां हलचल मचाने वाली है इन कंपनियों के आईपीओ को मिला ओवरऑल रिस्पॉन्स पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्राइमरी मार्केट के रिवाइवल को दशार्ता है। एशियाई बाजार में लिस्ट होने वाली कंपनियों के शेयरों के प्रदर्शन पर बैंकर्स की भी नजर टिकी रहने वाली है, क्योंकि उनके प्रदर्शन से भविष्य में आने वाले आईपीओ की सस्टेनेबिलिटी को लेकर अनुमान लगाया जा सकेगा। इस सप्ताह के बाद भी एशियाई बाजारों में कई इक्विटी ऑफर्स आने की बात कही जा रही है। कई बड़ी कंपनियां अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के पहले अपने डील को क्लोज करना चाहती हैं। इसलिए अगले सप्ताह में भी एशियाई शेयर बाजारों की हलचल तेज रहने की उम्मीद है।

एक नजर

ओबेरॉय रियल्टी ने ठाणे परियोजना के पेश होने के तीन दिन में 1,348 करोड़ रुपये के मकान बेचे

मुंबई, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के ठाणे में अपनी नई परियोजना के पेश किए जाने के पहले तीन दिन में 1,348 करोड़ रुपये के लक्जरी मकान बेचे हैं। कंपनी ने 18 अक्टूबर को 'ओबेरॉय गार्डन सिटी ठाणे' परियोजना पेश की थी। इस परियोजना का चरणबद्ध तरीके से निर्माण तथा विपणन किया जाएगा। ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, कंपनी ने 'पहले तीन दिन में 5.65 लाख वर्ग फुट (कालीन क्षेत्र) के लिए करीब 1,348 करोड़ रुपये का कुल बुकिंग मूल्य दर्ज किया है।' करीब 75 एकड़ में फैली इस परियोजना में 30 से अधिक विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले मकान, एक पांच सितारा डीलक्स जेडब्ल्यू मैरियट होटल ठाणे गार्डन सिटी और एक ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल शामिल होंगे। विकास के पहले चरण में पांच आवासीय टावर शामिल होंगे और दो टावर के लिए बुकिंग 18 अक्टूबर 2024 से शुरू हो गई थी। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने कहा, 'ओबेरॉय गार्डन सिटी ठाणे में हमारी नवीनतम परियोजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। हमारे ग्राहकों ने हमारे ब्रांड तथा उत्पाद में जो भरोसा व विश्वास दिखाया है, वह हमें बेहद प्रोत्साहित करता है। यह परियोजना एक समग्र, शानदार जीवन जीने का अनुभव देने के हमारे दृष्टिकोण का प्रतीक है। हमें विश्वास है कि यह ठाणे में विलासिता के लिए एक नया मानक स्थापित करेगा।' ओबेरॉय रियल्टी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसने एमएमआर में 49 परियोजनाएं पूरी की हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने यूपीआई भुगतान सेवा शुरू करने के लिए उठाए 'आवश्यक कदम'

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने द्वीपसमूह देश में भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को पेश करने के लिए 'आवश्यक कदम' उठाए हैं, जिससे मालदीव की अर्थव्यवस्था को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा विकसित यूपीआई मोबाइल फोन के जरिये अंतर-बैंक लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक त्वरित वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुइज्जू ने देश में यूपीआई शुरू करने के लिए रविवार को एक संघ का गठन किया। ट्रेडनेट मालदीव कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इसकी अग्रणी एजेंसी नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने संघ में देश के बैंक, दूरसंचार कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों की भागीदारी का भी सुझाव दिया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने मंत्रिमंडल की सिफारिश पर 'आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया।' इसमें कहा गया, 'इस कदम से मालदीव की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसमें वित्तीय समावेश में वृद्धि, वित्तीय लेनदेन में बेहतर दक्षता और डिजिटल बुनियादी ढांचे में वृद्धि शामिल है।' मालदीव में यूपीआई शुरू करने के समझौते पर अगस्त में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

सरकार 'उड़ान' योजना को 10 साल के लिए और बढ़ाएगी : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' को 10 साल के लिए और बढ़ाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में योजना के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि 'उड़ान' योजना से क्षेत्रीय विमानन कंपनियों को अस्तित्व में आने और विकास करने का मौका मिला। साथ ही रोजगार सृजन हुआ तथा पर्यटन को बढ़ावा मिला है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के अंतर्गत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू किए गए। उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और विमान सेवा को अधिक किफायती बनाना है। इसे 21 अक्टूबर 2016 को 10 वर्षों के लिए शुरू किया गया था। मंत्री ने कहा कि इस योजना को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा। नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम ने कहा कि मंत्रालय इस योजना के तहत वित्तीय व्यवहार्यता पहलुओं तथा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने पर विचार कर रहा है। मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'कुल 86 हवाई अड्डोंङ्घ जिनमें 71 हवाई अड्डे, 13 हेलीपोर्ट और दो वाटर एयरड्रोम शामिल हैं, का संचालन शुरू कर दिया गया है। इससे 2.8 लाख से अधिक उड़ानों में 1.44 करोड़ से अधिक लोगों को यात्रा की सुविधा मिली है।' वहीं देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी होकर 2024 में 157 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक 350-400 हवाई अड्डे शुरू करना है।

रुपया शुरूआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में अपने निचले स्तर से उबरता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.06 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.25 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.30 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,485.70 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

क्रॉपलाइफ ने क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के प्रमुख को चेयरमैन किया नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख फसल विज्ञान कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन क्रॉपलाइफ इंडिया ने अंकुर अग्रवाल को अपना नया चेयरमैन नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की।

उद्योग संगठन का मकसद दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में घटती कृषि भूमि तथा बढ़ती खाद्य सुरक्षा चिंताओं की चुनौतियों का समाधान करना है।

क्रॉपलाइफ ने बयान में कहा, अग्रवाल क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। वह अब के. सी. रवि का स्थान लेंगे, जो चार साल तक चेयरमैन के रूप में कार्यरत रहे।

निकाय ने सुमितोमो केमिकल इंडिया के अनिल कक्कड़ को लगातार चौथी बार वाइस चेयरमैन नियुक्त किया, जबकि बेयर क्रॉपसाइंस के मोहन बाबू को दूसरे (सेकंड) चेयरमैन के तौर पर नियुक्त किया गया है।

अग्रवाल ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है, जबकि जनसंख्या प्रतिवर्ष करीब 0.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, 'मौजूदा कृषि भूमि पर उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, कुशल संसाधन प्रबंधन और फसल सुरक्षा समाधानों का जिम्मेदारी से उपयोग करना आवश्यक होगा।'

क्रॉपलाइफ सदस्य कंपनियों ने 2030 तक सटीक कृषि में 10 अरब यूरो तथा जैव कीटनाशकों के विकास में अतिरिक्त चार अरब यूरो निवेश करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अहमदाबाद के वस्त्रपुर में करीब तीन एकड़ जमीन का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने आवास परियोजना विकसित करने के लिए अहमदाबाद के वस्त्रपुर में करीब तीन एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इसका अनुमानित बिक्री मूल्य 1,300 करोड़ रुपये है। कंपनी ने सौदे की कीमत और विक्रेता का नाम उजागर नहीं किया। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, 'इस भूमि पर करीब नौ लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र विकसित किए जाने की संभावना है। इसमें मुख्य रूप से प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये है।'

गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, 'हम अहमदाबाद में अपनी दूसरी परियोजना से खुश हैं। इससे अहमदाबाद में हमारी मौजूदगी और मजबूत होगी..'

कर्नाटक ने 2023-24 में 10.2 प्रतिशत जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक ने वित्त वर्ष 2023-24 में 10.2 प्रतिशत की मजबूत जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए राज्य सरकार ने बयान में कहा, राज्य ने राष्ट्रीय औसत 8.2 प्रतिशत को काफी हद तक पार कर लिया है।

बयान में कहा गया, 'शुरूआत में राष्ट्रीय सांख्यिकी अनुमान (एनएसई) ने कर्नाटक के लिए चार प्रतिशत की मामूली सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि का अनुमान लगाया था, लेकिन वित्त वर्ष के अंत तक इसे संशोधित कर 13.1 प्रतिशत कर दिया गया जो दशार्ता है कि राज्य को शुरूआत में कमतर आंका गया था।'

सरकार ने बताया कि यह उपलब्धि कई गंभीर चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई, जिनमें एक दशक का सबसे खराब सूखा तथा वैश्विक आईटी बाजार में मंदी शामिल है।

बयान में कहा गया, कर्नाटक की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी देश में सबसे अधिक है, जो तेलंगाना के बराबर है जो दोनों राज्यों में कांग्रेस नीत सरकार की मजबूती को दशार्ता है। राज्य सरकार ने अपनी पांच गारंटियों सहित जन-हितैषी नीतियों को इसका श्रेय देते हुए कहा कि इन नीतियों ने यह सुनिश्चित किया है कि वृद्धि का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे।

घरेलू बाजारों ने विदेशी पूंजी की निकासी के बीच शुरूआती बढ़त खोई

मुंबई, एजेंसी। प्रमुख शेयर सूचकांकों ने सोमवार को तेजी के साथ कारोबार की शुरूआत की लेकिन विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच जल्द ही शुरूआती बढ़त खो दी।

बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 545.27 अंक चढ़कर 81,770.02 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 124.25 अंक की बढ़त के साथ 24,978.30 अंक पर रहा।

हालांकि, जल्द ही दोनों सूचकांक मुनाफावसूली में फंस गए और गिरावट के साथ कारोबार करने लगे। सेंसेक्स 136.52 अंक की गिरावट के साथ 81,060.86 अंक पर और निफ्टी 100.70 अंक फिसलकर 24,753.35 अंक पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहे। एचडीएफसी बैंक के शेयर में करीब तीन प्रतिशत की तेजी आई।

कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट आई। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में पांच प्रतिशत से अधिक गिरावट आई।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहा।

अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,485.70 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,214.83 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

चार दिन की तेजी के बाद सोने में मामूली गिरावट, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सराफा बाजार में लगातार चार दिन की तेजी के बाद आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,560 रुपये से लेकर 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 72,920 रुपये से लेकर 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।

इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

पिट्ठू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

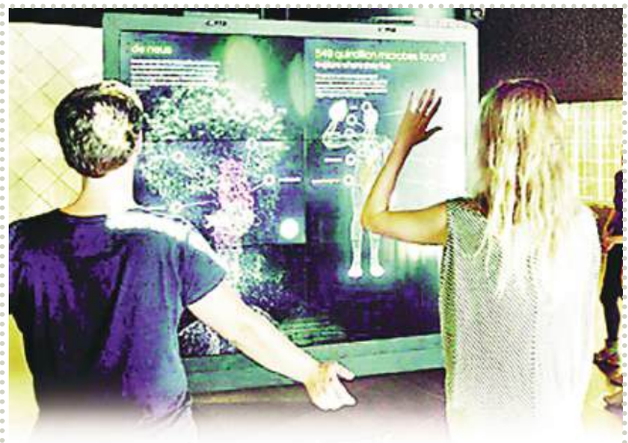

नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पड़ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आउटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

न्यूजीलैंड ने जीता महिला टी-20विश्वकप का खिताब

दुबई, एजेंसी। एमेलिया केर ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में 32 रनों से हराकर महिला टी-20 विश्वकप का खिताब अपने नाम कर लिया है। एमेलिया केर को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

न्यूजीलैंड के 158 रनों के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड और तेजमिन ब्रिट्स ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट लिये 51 रन जोड़े। सातवें ओवर में फ्रैन जोनस ने तेजमिन ब्रिट्स 17 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका दिया। 10वें ओवर में एमेलिया केर ने लौरा वोलवार्ड (33) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के विकेट लगातार गिरते चले गये। अन्नेका बोश (9), मैरिजन केप (8), नडीन डी क्लर्क (6), सुने लूस (8), अनरी डर्कसन (10) और सिनालो जाफ्टा (6) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 126 रन ही बना सकी और 32 रन से मुकाबला हार गई।

न्यूजीलैंड के लिए एमेलिया केर और रोजमेरी मेयर ने तीन-तीन विकेट लिये। ईडन कार्सन, फ्रैन जोनस और ब्रूक हैलिडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 159 रनों का लक्ष्य दिया था। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जॉर्जिया पिलमर (9) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एमेलिया केर ने सूजी बेट्स के साथ पारी को संभाला।

आठवें ओवर में एन म्लाबा ने सूजी बेट्स (32) को आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। कप्तान सोफी डिवाइन (छह) रन बनाकर आउट हुई। एमेलिया केर ने 38 गेंदों में (43) और ब्रूक हैलिडे ने 28 गेंदों में (38) रनों की पारी खेली। मैडी ग्रीन (12) और इसाबेला गेज (तीन) रन बनाकर नाबाद रही। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिये। अयाबोंगा खाका, क्लोई ट्राइऑन और नडीन डी क्लर्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी20 विश्व कप विजेता न्यूजीलैंड की महिला टीम के बीच पुरस्कार राशि को बांटा जायेगा

वेलिंगटन, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपये) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जायेगा।

इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपये) आयेंगे। पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है।

क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे।

न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गयी। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया।

दीपिका ने मेक्सिको में सिल्वर के साथ छठा तीरंदाजी विश्व कप फाइनल पदक जीता

ट्लाक्सकाला (मैक्सिको), एजेंसी। भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी वर्ल्ड कप फाइनल में सिल्वर मेडल जीतकर अपना छठा वर्ल्ड कप फाइनल मेडल हासिल किया। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन की ली जियामन से 0-6 से हार का सामना करना पड़ा।

2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स की चैंपियन दीपिका ने क्वार्टर और सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने ली की चीनी साथी यांग जियाओली को 6-0 से हराया और फिर ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली एलेजांद्रा वैलेंसिया को 6-4 से उनके ही घर में मात दी।

दीपिका ने कहा, 'इस वर्ल्ड कप का हिस्सा बनना और जीतना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब मैं इससे भी ज्यादा मेहनत करूंगी।'

वहीं, ली ने अपने पहले ही प्रयास में इस प्रीमियर अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 8 तीरंदाज हिस्सा लेते हैं, जो या तो तीन वर्ल्ड कप स्टेज में से एक जीतकर या अपनी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करते हैं।

ली ने कहा, 'पहला मुकाबला थोड़ा तनावपूर्ण था, लेकिन आखिरी दो मुकाबले कुछ ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगे। मैंने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन पहले मैच की तुलना में बाद के मैचों में मैं कम नर्वस थी। मैं बस अच्छे तीर मारने की कोशिश कर रही थी, जीत या हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचा।'

पांच सदस्यीय भारतीय टीम, जिसमें तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे, ने इस सीजन के आखिरी टूर्नामेंट में एक मेडल के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

मुंबई ने महाराष्ट्र को नौ विकेट से हराकर पूरे अंक लिये

मुंबई, एजेंसी। पहले मैच में बड़ौदा से मिली करारी हार से उबरते हुए गत चैम्पियन मुंबई ने महाराष्ट्र को रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के दूसरे मैच में नौ विकेट से हराकर अपने अभियान को ढर्रे पर लाया।

जीत के लिये 74 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने रविवार को बिना किसी नुकसान के 13 रन बना लिये थे।

आयुष म्हात्रे (15) के आउट होने से उसे बोनस अंक नहीं मिल सका। पृथ्वी साव (36 गेंद में 39 रन) और हार्दिक तामोर (26 गेंद में 21 नाबाद) ने 13.3 ओवर में टीम को जीत तक पहुंचाया।

पहले मैच में 42 बार की चैम्पियन मुंबई टीम को बड़ौदा ने 84 रन से हराया था।

मुंबई ने महाराष्ट्र को पहली पारी में 126 रन पर आउट करने के बाद 17 वर्ष के म्हात्रे के 176 रन और श्रेयस अय्यर के 142 रन की मदद से 441 रन बनाये। महाराष्ट्र ने दूसरी पारी में 388 रन बनाये लेकिन वह नाकाफी थे।

एक नजर

रोनाल्डो और अल नासर का एसीएल मैच सुरक्षा कारणों से ईरान की बजाय दुबई में

वॉशिंगटन, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अल नासर क्लब का तेहरान के एस्तेगलाल क्लब के खिलाफ एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट फुटबॉल मैच ईरान में सुरक्षा चिंताओं के कारण अब संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने पिछले सप्ताह जारी बयान में इसकी जानकारी दी थी। भारत ने इस फैसले पर हैरानी जताई है क्योंकि सात अक्टूबर को एएफसी ने कहा था कि कोलकाता के मोहन बागान क्लब ने ट्रैक्टर एससी के खिलाफ दो अक्टूबर को दूसरी श्रेणी के एएफसी चैम्पियंस लीग दो के मैच के लिये ईरान जाने से इनकार किया था लिहाजा माना जायेगा कि उसने नाम वापिस ले लिया है। सिर्फ अल नासर ही नहीं बल्कि ट्रैक्टर का ताजिकिस्तान के रावशान के खिलाफ घरेलू मैच भी अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। ईरान और कतर के बीच 15 अक्टूबर का मैच भी कतर से दुबई स्थानांतरित किया गया। मोहन बागान के एक प्रवक्ता ने कहा, 'क्लब ने देखा है कि एएफसी ने आखिरकार माना कि ईरान में सुरक्षा हालात गंभीर है और इसी वजह से कई मैच स्थानांतरित किये गए। मोहन बागान के मामले में भी ऐसा नहीं करने से लगेगा कि एएफसी पक्षपात कर रहा है।' प्रवक्ता ने बताया कि मोहन बागान ने अनुरोध किया था कि मैच की तारीख या स्थान बदला जाये। क्लब ने कहा कि एएफसी की सबंधित समिति के सामने अपील की गई है और उम्मीद है कि उसे खेलने का मौका मिलेगा।

मोहम्मद शमी ने नेट पर किया अभ्यास, क्या खेलेंगे दूसरा टेस्ट?

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को बिना किसी परेशानी के करीब एक घंटे तक नेट पर गेंदबाजी की। शमी, जो इस साल की शुरूआत में टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं। शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट मैच के बाद नेट सत्र में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में अभ्यास किया। 34 वर्षीय शमी ने छोटे रनअप से शुरूआत की और धीरे-धीरे अपने पूरे रनअप और अच्छी गति के साथ गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने सहायक कोच अभिषेक नायर को अपनी स्विंग गेंदों से परेशान किया। शमी के बाएं पैर में पट्टी बंधी हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज करते हुए काफी अच्छे से गेंदबाजी की। उन्होंने अभ्यास के दौरान क्षेत्ररक्षण अभ्यास भी किया और बाद में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से चर्चा की। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में कहा था कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उन्हें जोखिम में नहीं डालना चाहती। रोहित ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो हमारे लिए अभी यह फैसला करना काफी मुश्किल है कि वह वर्तमान श्रृंखला या ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं। हाल ही में उनके घुटने में सूजन थी, जो असामान्य है। उन्होंने बताया कि शमी अपनी फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया में थे, लेकिन घुटने में सूजन के कारण इस प्रक्रिया में देरी हो गई है। वह इस समय एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं, जहां फिजियो और चिकित्सक उनकी देखरेख कर रहे हैं।इस बीच, शुभमन गिल, जो गर्दन में जकड़न के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नहीं खेल सके थे, ने भी नेट सत्र के दौरान शमी के साथ अभ्यास किया। गिल ने मोर्कल और टीम फिजियो के साथ हल्का अभ्यास किया और फिर ड्रेसिंग रूम लौट गए।

वर्षा बाधित मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

पल्लेकेले, एजेंसी। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में 5 विकेट से हराकर 2024 में विजय रथ को जारी रखा। पल्लेकेले में सोमवार (21 अक्टूबर) को खेला गया मैच बारिश से प्रभावित रहा। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.3 ओवर में 4 विकेट पर 185 रन बनाए। डकवर्थ लुईस स्ट्रेन नियम के तहत श्रीलंका को 37 ओवर में 232 रन का टारगेट मिला। चरित असलांका की अगुआई वाली टीम ने इस टारगेट को 5 विकेट खोकर 31.5 ओवर में हासिल कर लिया। श्रीलंका की 2024 में वनडे में घरेलू सरजमीं पर 8वीं जीत थी। इस साल 10 में से एक मैच बेनतीजा रहा है। एक मैच टाई रहा है। उसने भारत को 2-0 से हराया। इससे पहले जिम्बाब्वे को 2-0 और अफगानिस्तान को 3-0 से हराया। श्रीलंका की टीम आखिरी बार घरेलू सरजमीं पर वनडे मैच 2023 में भारत से एशिया कप फाइनल में हारी थी। दूसरी ओर वेस्टइंडीज की टीम को 19 साल से श्रीलंका में वनडे मैच जीतने का इंतजार है। 2005 के बाद से यहां कैरेबियाई टीम एक भी वनडे मैच नहीं जीती है। श्रीलंका-वेस्टइंडीज पहले वनडे की बात करें तो शाई होप की अगुआई वाली टीम के लिए शरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 74 रन बनाए। केसी कार्टी ने 37 और रस्टन चेज ने 33 रन की नाबाद पारी खेली। एलिक अथनाजे ने 10 और ब्रेंडन किंग वे 14 रन बनाए। शाई होप ने 5 रन बनाए। श्रीलंका के लिए वानिंदु हसरंगा ने 2 विकेट लिए। जेफ्री वेंडरसे और चरित असलांका ने 1-1 विकेट लिए। श्रीलंका की बल्लेबाजी की बात करें तो कप्तान चरित असलांका ने 77 रन बनाए। इसके अलावा निशान मदुशंका ने 69 रन बनाए। कमिंदु मेंडिस ने नाबाद 30 रन बनाए। जनिथ लियानागे ने नाबाद 18 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने 13 और सदीर समरविक्रमा ने 18 रन बनाए। अविष्का फर्नांडो ने 5 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ ने 2 और गुणाकेश मोती ने 3 विकेट लिए।

लेवांडोवस्की और टोरे के दो-दो गोल से बासीलीना ने सेविला को रौंदा

मैड्रिड, एजेंसी। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने दो और गोल कर-के स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग 'ला लीगा' में अपने गोलों की संख्या 12 तक पहुंचा दी जिससे बासीलोना ने सेविला को 5-1 से शिकस्त दी।

बासीलोना के लिए रविवार को खेले गये इस मैच में पाब्लो टोरे ने भी दो जबकि पेड्रि ने एक गोल किया। इस जीत से बासीलोना ने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड पर तीन अंक की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह दोनों टीमों इस सप्ताह जब आपस भी भिड़ेंगी तो बासीलोना के हौसले बुलंद होंगे।

बासीलोना के लिए दिग्गज मिडफील्डर गावी ने घुटने की चोट से उबर कर लगभग एक साल के बाद मैदान पर वापसी की। वह मैच के 83वें मिनट में पेड्रि की जगह मैदान पर उतरे।

पोलैंड के दिग्गज लेवांडोवस्की ने मैच के 24 वें मिनट और 39वें मिनट में गोल दागे।

नाओमी ओसाका चोट के कारण बिली जीन किंग कप फाइनल में नहीं खेल पाएंगी

टोक्यो, एजेंसी। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कहा है कि वह अगले महीने स्पेन में होने वाले बिली जीन किंग कप के फाइनल्स में चोट की वजह से हिस्सा नहीं लेंगी।

ओसाका ने क्योडो न्यूज से कहा, 'मैंने इस साल बहुत से टूर्नामेंट खेले हैं, इसलिए यह मेरे लिए एक बहुत मुश्किल फैसला था कि मैं इस टूर्नामेंट और बिली जीन किंग कप में हिस्सा नहीं लूंगी।' उन्होंने कहा, 'मुझे इस टूर्नामेंट में खेलकर बहुत मजा आया और इसने मुझे एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर बनने में मदद की।'

अक्टूबर में, 58वीं रैंक की ओसाका ने चीन ओपन के दौरान कोको गॉफ के खिलाफ मैच में अपनी पीठ में चोट लगा ली थी और मैच से रिटायर हो गईं। इसके बाद, उन्होंने जापान के दो टूर्नामेंट्स से नाम वापस ले लिया, जिनमें सोमवार से शुरू होने वाला पैन पैसिफिक ओपन भी शामिल है।

रविवार को 27 वर्षीय ओसाका ने बताया कि उनके पेट की मांसपेशियों को भी नुकसान पहुंचा है। ओसाका ने कहा, 'मैंने सोचा था कि मेरी पीठ में सिर्फ खिंचाव आया है, लेकिन बीजिंग में एमआरआई कराने के बाद पता चला कि मेरी पीठ की एक डिस्क खिसक गई है और पेट की मांसपेशियों में भी चोट आई है।' उन्होंने यह भी कहा, 'मैं लॉस एंजेलिस में इस टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रही थी, लेकिन जब मैंने फिर से एमआरआई करवाया, तो पता चला कि चोट अभी भी ठीक नहीं हुई है।'

बिली जीन किंग कप का फाइनल 13 से 20 नवंबर के बीच मलागा, स्पेन में होगा। ओसाका ने अप्रैल में कजाखस्तान को हराकर जापान को फाइनल्स में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह 2020 के बाद उनका पहला बिली जीन किंग कप था। अब ओसाका प्रतिष्ठित फ्रेंच कोच पैट्रिक मूरतोग्लू के साथ काम कर रही हैं और वह जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने बंगलादेश को पहली पारी में 106 पर समेटा

मीरपुर, एजेंसी। हाल ही में भारतीय टीम बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में सिर्फ 46 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद अब पड़ोसी देश बांग्लादेश की टीम का भी कुछ वैसा ही हाल हुआ है। सोमवार से ढाका में साउथ अफ्रीका के खिलाफ शुरू हुए ढाका टेस्ट में मेजबान टीम सिर्फ 106 रनों पर सिमट गई।

उसकी पारी को निपटाने के लिए कगिसो रबाडा, वियान मुल्डर और केशव महाराज ने 3-3 विकेट लिए। इसके अलावा एकमात्र विकेट डेन पाइड्ट ने अपने नाम किया। बांग्लादेश की पूरी टीम सिर्फ 40.1 ओवर में सिमट गई। मेजबान टीम हाल ही में भारत दौरे पर 0-2 से हारकर आई है।

बांग्लादेश ने यहां टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। लेकिन ओपनिंग बल्लेबाज महमूद अल हसन जॉय (30) के अलावा टीम का एक भी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा नहीं छू पाया। किसी टेस्ट पारी में बांग्लादेश का यह अपने घर में 5वां सबसे छोटा टोटल है।

इससे पहल वह साल 2002 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ढाका में ही 87 रनों पर ऑलआउट हुई थी।

साल 2021 में मीरपुर टेस्ट में भी वह पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 87 रनों पर ऑलआउट हो चुकी है। खबर लिखे जाने तक साउथ अफ्रीका ने 18 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 68 रन बना लिए हैं।

कप्तान एडिन मार्करम (6) को हसन महमूद ने तो ट्रिस्टन स्टब्स (23) को तैजुल इस्लाम ने आउट किया। फिलहाल डेविड बेडिंघम (11*) और टॉनी डे जॉर्जी (20*) रन पर खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका की टीम यहां 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने आई है। बता दें शाकिब अल हसन अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेलना चाहते थे।

उन्होंने बांग्लादेश के भारत दौरे पर ऐलान किया था कि अगर उन्हें इस सीरीज के लिए टीम में चुना जाता है तो वह सीरीज के पहले टेस्ट को अपना विदाई टेस्ट बनाएंगे और इसके बाद संन्यास ले लेंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शाकिब को इस टेस्ट मैच के लिए टीम में चुन भी लिया था। लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते वह इस मैच को खेलने स्वदेश नहीं आए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 को सत्ता परिवर्तन हुआ है। यहां छात्र हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को स्वदेश छोड़कर भारत भागना पड़ा। इसके बाद से शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी आवामी लीग के कई सदस्यों के लिए वहां रहना दुभर हो गया है।

शाकिब भी शेख हसीना की पार्टी की ओर से सांसद थे और जब उनके देश में आंदोलन हो रहे थे तो वह यहां मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद एक छात्र की हत्या में उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ है। इसके बाद से शाकिब के शुभचिंतकों ने यह सलाह दी थी कि वह यहां बदले हुए हालात में बांग्लादेश नहीं आएं तो बेहतर होगा। इसके बाद इस स्टार ऑलराउंडर ने यह साफ कर दिया कि वह निकट भविष्य में बांग्लादेश जाना नहीं चाहते हैं।

मोटापे की वजह से बहुत मजाक उड़ा और काफी बुली किया गया

एक्ट्रेस शर्मिन सेगल ने लेटेस्ट इंटरव्यू में बुली किए जाने और मजाक उड़ाए जाने पर बात की। शर्मिन ने कहा कि स्कूल के दिनों में वह बहुत मोटी थीं और इस वजह से उनका मजाक उड़ता। शर्मिन ने यह भी बताया कि हीरामंडी के सेट पर भंसाली उनके साथ किस तरह से पेश आते थे।

जाने-माने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की भांजी और एक्ट्रेस ऐक्ट्रेस शर्मिन सेगल इन दिनों वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में शर्मिन ने मनीषा कोइराला की बेटी आलमज़ेब का किरदार निभाया है। हालांकि, शर्मिन को उनकी अदाकारी के लिए सोशल मीडिया पर काफी आलोचनाओं और ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ रहा है। लेकिन यह पहली बार नहीं है, जब शर्मिन को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा हो। बकौल शर्मिन, जब मैं स्कूल में थी, तब बहुत मोटी हुआ करती थी और मेरी काफी बुलिंग होती थी। मेरा बहुत मजाक उड़ाया गया, लेकिन मैं उसके खिलाफ खड़ी हुई। मैंने उनको दिखाया कि मेरा वजन मेरी पहचान नहीं है। मैंने खुद में वो ताकत ढूंढ़ी कि मैं उस मोटी इंसान से ज्यादा हूं। मेरे पास दुनिया को दिखाने के लिए और भी बहुत चीजें हैं। अपने गर्व और कमजोर पल के बारे में शर्मिन कहती हैं, मुझे लगता है कि अपने मोटापे से लड़ना भी एक ताकत होती है। उस रियलिटी को कुबूल करना, उस पर काम करना और एक्टर बनना, इस जर्नी में मैंने खुद के बारे में इतना सीखा कि मेरा सबसे कमजोर पल मेरा सबसे ताकतवर पल बन गया।

मामा और संजय सर का फर्क जानती हूं

संजय लीला भंसाली के बैनर की ही फिल्म मलाल से डेब्यू करने वाली शर्मिन हीरामंडी में उनके निर्देशन में काम कर रही थीं। ऐसे में, सेट पर भंसाली उनके लिए कितने डायरेक्टर और कितने मामा के रोल में रहते थे? इस पर शर्मिन ने कहा, मैं बतौर असिस्टेंट उनके साथ दस साल से काम कर रही हूं तो मामा और संजय सर के बीच का फर्क मेरे दिमाग में बहुत साफ है। उनके लिए मेरे मन में बहुत ज्यादा सम्मान है, क्योंकि उन्होंने पूरी जिंदगी फिल्मों के लिए काम किया है। अपनी मेहनत से संजय लीला भंसाली का वो ओहदा हासिल किया है तो ऐसा नहीं है कि मैं उनकी भांजी हूं तो बस भांजी बनकर घूमूं। हम बेशक मामा-भांजी हैं लेकिन संजय सर के लिए मेरे मन में सम्मान बहुत ज्यादा है।

स्पैनिश ब्वॉयफ्रेंड से जल्द शादी कर सकती हैं ईशा गुप्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने एक साक्षात्कार में अपनी शादी, रिलेशनशिप और बच्चों को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने अपने एग फ्रीज कराने की बात भी बताई। अभिनेत्री कई वर्षों से स्पैनिश-उद्यमी मैनुअल केंपस ग्वालर के साथ रिश्ते में हैं। अभिनेत्री ईशा गुप्ता सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह लगातार अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा कर उनसे जुड़ी रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री स्पैनिश-उद्यमी मैनुअल केंपस ग्वालर को डेट कर रही हैं। अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में अपनी शादी को लेकर खुलकर बात की है।

पांच वर्षों से कर रहे हैं डेट

ईशा और मैनुअल एक-दूसरे को लगभग पांच वर्षों से डेट कर रहे हैं। अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, 'शादी कभी भी हो सकती है। मैं अभी अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान दे रही हूं। जब समय आएगा तब मैं शादी कर लूंगी और मेरे बच्चे भी होंगे। मैं हमेशा से बच्चे चाहती हूं। बच्चे और कुत्ते मेरे जीवन के दो पहलू हैं, जिनके बिना मैं अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती।'इस बातचीत के दौरान 38 वर्षीय अभिनेत्री ने यह खुलासा भी किया कि उन्होंने साल 2017 में ही अपना एग फ्रीज करा लिया था। उन्होंने कहा, 'मैनुअल से मिलने से पहले ही मैंने साल 2017 में अपना एग फ्रीज करा लिया था।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं एक अभिनेत्री नहीं होती तो अब तक मेरे तीन बच्चे होते।' अभिनेत्री ने कहा, 'एग फ्रीजिंग के दौरान हार्मोनल बदलाव होते हैं, जिसकी वजह से आपका वजन बढ़ जाता है। आपके शरीर में बदलाव आते हैं, लेकिन साथ ही आपको खुशी भी मिलती है।'

अपने और मैनुअल के रिश्ते को लेकर किया खुलासा

अभिनेत्री ने अपने और मैनुअल के रिश्ते को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि साल 2019 में मैनुअल से मिलने से पहले वह करीब तीन से साढ़े तीन साल तक सिंगल रहीं। उन्होंने आगे कहा कि हमें शुरू से पता था कि हम अपने रिश्ते को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि वह शादी करना चाहती हैं और बच्चे भी चाहती हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैनुअल जानते हैं कि मैं बच्चों से कितना प्यार करती हूं और वह पिता बनने के लिए तैयार है।'

अभिनेत्री के आगामी कार्य

ईशा गुप्ता ने 'राज थ्री डी', 'गोरी तेरे प्यार में', 'हमशकल्स', 'बेबी', 'रुस्तम', 'टोटल धमाल', 'पलटन' और 'बादशाहो' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। अभिनेत्री को आखिरी बार वेब सीरीज 'आश्रम' में देखा गया है। उनके आगामी कार्यों की बात करें तो वह 'हेराफेरी 4', 'देसी मैजिक' और 'मर्डर 4' में अभिनय करते हुए दिख सकती हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अभिनय के बाद राजनीति में दमखम दिखाएंगे अल्लू अर्जुन?

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2- द रूल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर उनके राजनीतिक में प्रवेश करने की चर्चा तेजी से हो रही हैं। अल्लू अर्जुन ने हाल ही में अपने दोस्त और वाईएसआरसीपी विधायक उम्मीदवार रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने नंदयाला का दौरा किया था। वहीं, आज उन्होंने हैदराबाद के जुबली हिल्स में अपना वोट डाला। इस दौरान उन्होंने अपने राजनीतिक पारी खेलने के बारे में भी बात की। दरअसल, अल्लू अर्जुन का नंदयाला का दौरा विधायक उमीदवार रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए राजनीतिक तौर पर बहुत महत्व रखता है। हालांकि, इस कदम से पवन कल्याण के प्रशंसकों की ओर से नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। अभिनेता पवन कल्याण आंध्र प्रदेश में चुनाव लड़ रहे हैं। जन सेना पार्टी प्रमुख उसी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में खड़े हैं। हैदराबाद के जुबली हिल्स में अभिनेता ने मीडिया को संबोधित करने से पहले अपना वोट डाला। उन्होंने यह साफ किया कि नंदयाला की उनकी यात्रा पूरी तरह से अपने मित्र की चुनाव में सफलता की कामना करने के लिए थी। जब सक्रिय राजनीति में उनके संभावित प्रवेश के बारे में सवाल किया गया तो अभिनेता ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और कहा, नहीं। इसका मतलब साफ है कि फिलहाल राजनीति में प्रवेश करने की अल्लू अर्जुन की कोई योजना नहीं है। वे अपने फिल्मी करियर पर ही ध्यान देना चाहते हैं। वहीं बात करें अभिनेता की फिल्म के बारे में तो पुष्पा 2- द रूल का दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म का पहला गाना रिलीज किया गया था। वहीं, अब फिल्म के निर्माता इसका दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि फिल्म के निर्माता अगले महीने दूसरा ट्रैक जारी करेंगे। इस पर निर्माताओं की ओर से अधिक जानकारी जल्द ही साझा किए जाने की उम्मीद है। पुष्पा 2- द रूल की कहानी निर्देशक सुकुमार और श्रीकांत विसा द्वारा लिखी गई है। फिल्म में संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता देवी श्री प्रसाद ने दिया है। यह फिल्म पुष्पा- द राइज की अगली कड़ी है और दूसरी किस्त में पुष्पराज और भंवर सिंह शेखावत के बीच टकराव देखने को मिलेगा। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में रश्मिका मंदाना अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ उनकी प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी, जबकि फहद फाजिल प्रतिपक्षी की भूमिका में दिखेंगे। वहीं, सहायक भूमिकाएं सुनील, राव रमेश, अनसूया भारद्वाज और जगदीश निभाते हुए नजर आएंगे। फिल्म इस साल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही हैं शमिता

हाल ही में शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी बीमारी के बारे में खुलासा किया। इसके मुताबिक, शमिता एंडोमेट्रियोसिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं जिसके चलते वो अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी सर्जरी भी हुई है। सोशल मीडिया पर दी बीमारी की जानकारी एक्ट्रेस ने अस्पताल से वीडियो बनाया जिसमें उन्होंने हर महिला को जागरूक करने की कोशिश की है। वीडिया शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा- क्या आप जानते हैं कि लगभग 40ब महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं और हममें से ज्यादातर लोग इस बीमारी से अनजान हैं। मैं अपने दोनों डॉक्टर्स, डॉ. नीता वार्टी और जीपी डॉ. सुनीता बनर्जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि वे तब तक नहीं रुकीं जब तक उन्हें मेरे दर्द का मूल कारण पता नहीं चल गया। अब जबकि मेरी यह बीमारी सर्जरी के जरिए हटा दी गई है तो मैं जल्द ठीक होने की उम्मीद कर रही हूं। वीडियो के बैकग्राउंड में शमिता की बहन शिल्पा शेट्टी की आवाज सुनी जा सकती है। शिल्पा ने शमिता के मैसेज को कैमरे में कैप्चर किया।

कोरियाई फिल्में बॉलीवुड से 100 गुना बेहतर हैं

बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह भारतीय सिनेमा में एक महान शख्सियत हैं। पिछले चार दशकों में, उन्होंने फिल्म, थिएटर और टेलीविजन पर अपने प्रतिष्ठित प्रदर्शन से छाप छोड़ी है। नसीरुद्दीन शाह शानदार अभिनय से साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। कई बार उनकी कही बातों पर विवाद भी खड़ा हो जाता है। हाल ही में, अभिनेता ने हिंदी सिनेमा में बन रही फिल्मों पर खुलकर बात की। नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि कोरियाई फिल्में बॉलीवुड की फिल्मों से 100 गुना बेहतर हैं। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान अभिनेता ने बॉलीवुड और इस इंडस्ट्री में बनाई जाने वाली फिल्मों पर खुलकर बात की और कहा कि अन्य सिनेमा भारतीय सिनेमा से बेहतर हैं। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कोरियाई फिल्में भारतीय फिल्मों से 100 गुना बेहतर हैं। हम दुनिया में ढिंढोरा पीट रहे हैं कि हमारी फिल्में सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे बॉलीवुड की प्रेम कहानियां पसंद हैं। उन्होंने आगे कहा, हॉलीवुड ही हमारा एकमात्र संदर्भ बिंदु है। जैसे भारतीय खाना खाया जाता है, हमारी फिल्में भी उसी तरह देखी जाती हैं। हालांकि, भारतीय खाने में कम से कम कुछ स्वाद तो है। हिंदी बुलबुला एक दिन फूट जाएगा और मुझे अभी से इसके बारे में यकीन है क्योंकि हिंदी फिल्मों में अब सार की कमी है, उन्हें नए पैंतरे अपनाने की जरूरत है। नसीरुद्दीन अपने बयान को लेकर बुरी तरह फंस गए हैं। अभिनेता की सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग हो रही है। एक यूजर ने लिखा, आपको कोरिया में ही बस जाना चाहिए। दूसरे यूजर ने लिखा, यह वही लोग हैं, जो देश में रहकर ही यहां की बुराई करते हैं। एक और यूजर ने लिखा, आप भी अब से कोरियाई फिल्मों में ही काम किया कीजिए। नसीरुद्दीन शाह ने अपनी बेजोड़ प्रतिभा और काम से दर्शकों का मन मोह लिया। उन्हें आखिरी बार आसमान भारद्वाज द्वारा निर्देशित कुट्टी में देखा गया था। फिल्म में तब्बू, अर्जुन कपूर, राधिका मदान, कोंकणा सेन शर्मा और कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में थे।

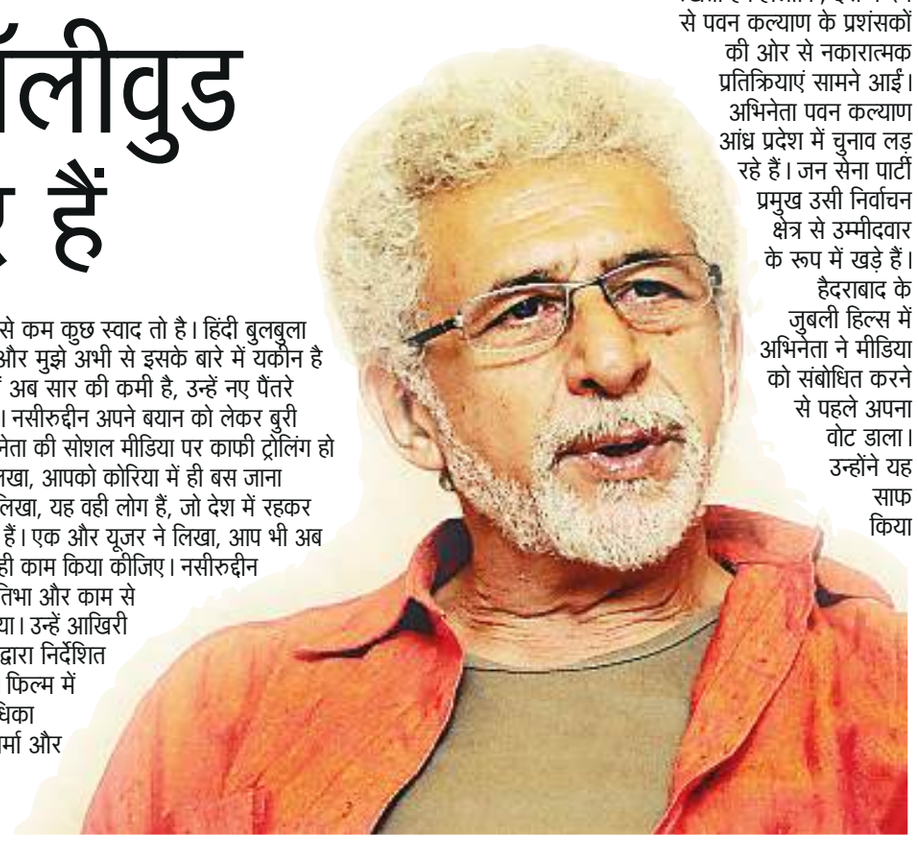

बॉलीवुड में हावी स्टार कल्चर पर बोलीं फराह खान

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने फिल्म इंडस्ट्री में हावी स्टार कल्चर पर बात की है। उन्होंने 20 साल में फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलावों पर भी बात की है। साथ ही उन्होंने स्टार्स की उल जलूल डिमांड्स पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे प्रोड्यूसर्स पर काफी लोड पड़ता है क्योंकि स्टार्स की टीम पर भी करोड़ों का खर्च होता है। एक इंटरव्यू में फराह बोलीं, फिल्म का बजट इसलिए बढ़ता है क्योंकि स्टार्स उल जलूल डिमांड करते हैं। एक एक्ट्रेस के साथ नौ लोगों की टीम आती है, एक एक्टर के साथ आठ लोग और आते हैं, ये रिसोर्सेज की बर्बादी है। इन लोगों पर लगने वाले पैसे से फिल्म को कोई फायदा नहीं होता है। फराह ने आगे कहा, इनके साथ आने वाले स्पॉट बॉय का एक दिन का चार्ज 25 हजार, पर्सनल सिक्योरिटी का एक दिन का चार्ज 15 हजार और स्टाइलिस्ट का एक दिन का चार्ज 1 लाख रुपए तक रहता है। इस तरह एक स्टार की प्रति दिन की कॉस्टिंग 20-22 लाख रुपए तक पड़ती है तो अगर 70 दिन फिल्म की शूटिंग चली तो 15-20 करोड़ की एक्स्ट्रा कॉस्टिंग तो स्टार्स के पीछे ही खर्च हो जाती है। इसे कम किया जाना चाहिए। ये सब प्रोड्यूसर्स पर बहुत भारी पड़ता है। मैं चाहती हूं कि बॉलीवुड में ये चीज बदले।

अब कोई किसी का पैसा नहीं खा सकता

फराह खान ने बॉलीवुड में आए अच्छे बदलावों पर भी बात की। उन्होंने कहा, अच्छी बात ये है कि इंडस्ट्री अब पहले से ऑर्गेनाइज हो गई है। लोग समय पर आते हैं। सारे कॉन्ट्रैक्ट प्रॉपर होते हैं, किसी का पैसा कोई खा नहीं सकता। बुरी बात ये है कि पहले इंडस्ट्री संबंधों पर चलती थी तो अगर मुझे कुछ चाहिए होता था तो मैं डायरेक्ट एक्टर से बात कर लेती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मुझे पहले मैनेजर के सब मैनेजर से, फिर मैनेजर से, फिर एजेंसी से मिलना पड़ता है। सब कुछ बहुत क्लिनिकल हो गया है। इससे लोगों के आपसी संबंध नहीं बचे हैं।

फराह डायरेक्ट कर चुकीं चार फिल्में

फराह खान ने बीते तीन दशक में 80 से ज्यादा फिल्मों में कोरियोग्राफी की है। 6 फिल्मफेयर और एक नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर चुकीं फराह ने अपने करियर में 4 फिल्में डायरेक्ट भी की हैं। इसमें से तीन फिल्में हिट रहीं। फिल्म 'मैं हूं ना' (2004) से डायरेक्शन की शुरुआत करने वाली फराह ने ओम शांति ओम (2007), 'तीस मार खां' (2010) और हैप्पी न्यू ईयर (2014) जैसी फिल्में डायरेक्ट की हैं। मैं हूं ना के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। साल 2012 में रिलीज हुई शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी के जरिए उन्होंने बतौर एक्ट्रेस डेब्यू किया।